प्रसुप्तापि हि सा येन राष्ट्रशक्तिः प्रबोधिता।
संघमन्त्रसमुद्घोषैः केशवं प्रणमामि तम्।।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, नागपुर

युगाब्द : 5125, फाल्गुन शुद्ध : 6-8, 15-17 मार्च 2024

मा. सरकार्यवाह **श्री दत्तात्रेय होसबाले** द्वारा प्रस्तुत

वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24

Rashtriya Swayamsevak Sangh
Akhil Bhartiya Pratinidhi Sabha, Nagpur

Yugabda : 5125, Falgun Shudha : 6-8, 15-17 March, 2024

Annual Report 2023-24

Presented by Mananiya Sarkaryawah

Shri Dattatreya Hosabale

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, नागपुर

वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24

अनुक्रम

कार्य स्थिति	02
प्रस्तावना	03
परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास	04
माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास	05
संगठन श्रेणी कार्य	07
कार्य विस्तार	08
कार्यकर्ता प्रशिक्षण, गुणवत्ता विकास	10
जागरण श्रेणी कार्य	12
प्रभावी होती गतिविधियाँ	15
प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम	21
समाजाभिमुख कार्य	25
अखिल भारतीय बैठकें	27
वर्तमान परिदृश्य	28

Contents

Status of Work	02
Introduction	30
Tour of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji	31
Tour of Mananiya Sarkaryavah ji	32
Sangathan Shreni Karya	34
Karya Vistar - Expansion	35
Karyakarta Prashikshan and Quality Enhancement	38
Jagran Shreni Karya	41
Impact Making Gatividhis	45
Special Programs of Prant	53
Socieity Oriented Activities	58
Akhil Bharatiya Baithaks	61
Present Scene	62

रामो विग्रहवान् धर्मः

कार्य स्थिति | Status of Work

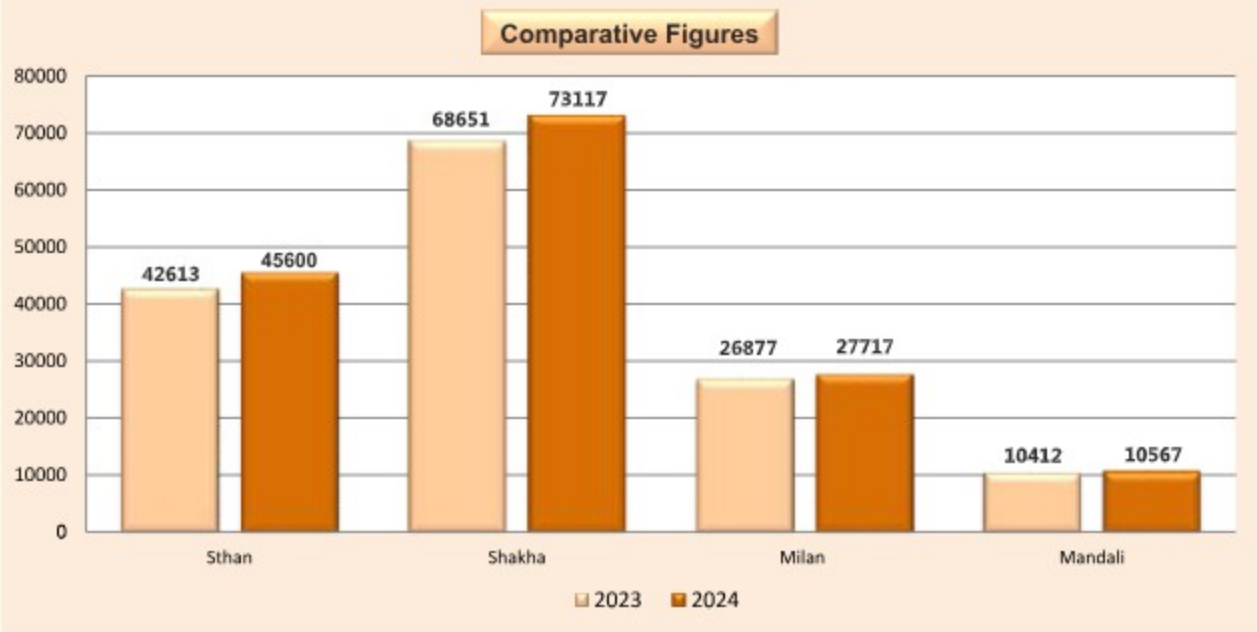

गृह संपर्क | House Contact

श्री रामलला प्राणप्रतिष्ठा गृह संपर्क एवं कार्यक्रम वृत्त

गृह संपर्क 1-15 जनवरी 2024					22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा के दिन हुए	
	कुल	संपर्कित	संपर्कित घर	19,38,49,071	कुल कार्यक्रम	9,85,625
नगर	4,727	4,727			स्थान	5,59,231
बस्ती	44,135	43,807				
मंडल	59,333	56,931	सहभागी कार्यकर्ता	44,98,334	सहभागी जन	27,81,54,665
ग्राम	6,64,949	5,78,778				

प्रस्तावना

परम पूजनीय सरसंघचालक जी, उपस्थित सभी माननीय अखिल भारतीय पदाधिकारी गण, अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल के सभी सदस्य, क्षेत्र एवं प्रांतों के माननीय संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक, क्षेत्र और प्रांत कार्यकारी मंडल के अन्य कार्यकर्ता बंधुओं, प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधि बंधु, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सभी निमंत्रित बंधु एवं भगिनी,

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की प्रेरणा स्थली रेशिमबाग के इस परिसर में आयोजित युगाब्द 5125 (ई. वर्ष 2024) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में आप सभी का – विशेष रूप से नव निर्वाचित माननीय संघचालक समूह, अखिल भारतीय प्रतिनिधि गण और अन्य नये दायित्ववान कार्यकर्ताओं का – हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। यह हर्ष का विषय है कि छह वर्षों के अंतराल के बाद पुनः नागपुर के इस पावन परिसर में अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आयोजन हुआ है। मेरा विश्वास है कि आप सभी के पूर्ण सहयोग एवं सहभाग से आनंददायी वातावरण में यह बैठक संपन्न होकर स्मरणीय रहेगी।

विगत वर्ष (2023-24) के अपने विभिन्न कार्यकलापों का संक्षिप्त प्रतिवेदन आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। बीते वर्ष में कार्य विस्तार हेतु किये प्रयास का परिणाम मिला है। संघ के स्वयंसेवकों ने विस्तार के साथ ही विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक तथा समाजोन्मुखी कार्य किए हैं। विशेष कर अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में अत्यधिक स्थानों में किये व्यापक गृह संपर्क एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

परिस्थिति की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता में कार्य करने के अनुभवों से ही अपने कार्य के विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाने के सराहनीय प्रयास हुए हैं । संगठन श्रेणी एवं जागरण श्रेणी के कार्य करने से संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण के साथ साथ सामाजिक दृष्टि से भी उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई है । शाखाओं के विस्तार, स्वयंसेवकों की संख्यात्मक वृद्धि के साथ गुणात्मक तथा प्रभावात्मक दृष्टि से भी हम आगे बढ़े हैं । कार्यकर्ता के प्रशिक्षण, कार्य में प्रयोगशीलता इन पर भी आग्रह रहा है। संकट के समय संघ द्वारा सामाजिक दायित्व का निर्वहन, अच्छे कार्यों का सहयोग, हिंदू धर्म, संस्कृति एवं समाज के संरक्षण तथा संवर्धन और समाज जागृति के लिये किये गये अनेक प्रयास – इन सभी में कुछ चयनित वृत्त को इस प्रतिवेदन में समाहित करना संभव हुआ है। वास्तविक कार्य का एक संक्षिप्त चित्र यहाँ है।

यह अतीव दुःखद है कि गत वर्ष के इस कालावधि में अनेक बंधु एवं भगिनी अपनी जीवन यात्रा को समाप्त कर हम से दूर चले गए। बढ़ती आयु, अस्वस्थता अथवा दुर्घटना के कारण अपने निष्ठावान कार्यकर्ता, वरिष्ठ सहयोगी, समाज जीवन के गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियाँ, कार्यरत सेवा सुरक्षा कर्मी, दैवी आपदाओं में सामान्य जनता ऐसे अनेक लोगों ने प्राणोत्सर्ग कर दिया है। हम से बिछुड़ गए उन सभी व्यक्तियों की स्मृति में अपनी भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हुए हम उनकी सद्गति के लिए प्रार्थना करते हैं।

परम पूजनीय सरसंघचालक जी का प्रवास

● वर्ष 2023-24 के प्रवास में 07 प्रांतो के प्रवास हुए। विभाग टोली और प्रांत कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं से संवाद के दो सत्र, प्रचारक बैठक तथा स्थानीय योजना से शाखा के मुख्यशिक्षक, कार्यवाह के साथ बैठक, खंड-नगर कार्यकरिणी एवम तदूर्ध्व कार्यकर्ता बैठक, शारीरिक प्रधान प्रकट कार्यक्रम, दायित्ववान कार्यकर्ता परिवार संवाद, प्रचारकों से संवाद, मकर संक्रांति उत्सव, पूर्व सैनिक संवाद, जाति बिरादरी के प्रमुखों से संवाद एवं गुणवत्तापूर्ण शारीरिक प्रदर्शन जैसे कार्यक्रमों में उपस्थित रहना हुआ।

● इसके अलावा प्रबुद्धजन गोष्ठी, पुस्तक विमोचन, समारोह आदि मे उपस्थित रहें।

● इस वर्ष 5 स्थानों पर सभी 11 क्षेत्रों की क्षेत्र कार्यकरिणी की दो दिवसीय बैठक संपन्न हुई। सभी उपस्थित बंधुओ का मार्गदर्शन किया।

● इस वर्ष किसी न किसी निमित्त 35 प्रान्तों मे जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

● युवा उद्यमियों के साथ कार्यक्रम कर्णावती, नागपुर तथा दिल्ली में संपन्न हुए।

● प्रचार विभाग कोकण प्रांत द्वारा मुंबई में हिन्दी सिने तथा मराठी सिने जगत के ख्यातनाम चयनित निर्माता, निर्देशकों, कलाकारों, लेखकों तथा पुरस्कार प्राप्त गणमान्यों के साथ अनौपचारिक संवाद हुआ।

● प्रवास में विभिन्न स्थानों पर संत महात्माओंसे आशीर्वाद प्राप्त किये। इसमें डोंगरगढ़ में स्वामी विद्यासागर जी महाराज, मुंबई में पूज्य महाश्रमण जी, सूरत में स्वामी रत्नसुंदर जी महाराज, काँची शंकराचार्य श्री विजयेन्द्र सरस्वती जी, कोयम्बतूर में सदगुरु श्री जग्गी वासुदेव जी, स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज, विंध्याचल में श्री हंस देवरहा बाबा जी महाराज, पूरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज, हरिद्वार में गायत्री परिवार के श्री प्रणव पंड्या जी, श्रृंगेरी के श्री विदुशेखर जी भारती, केरल में अम्मा माता अमृतानंदमयी जी, बेंगलोर में श्री श्री रविशंकर जी महाराज, स्वामी गोविन्द गिरी जी महाराज, हरिद्वार में स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, वृंदावन में स्वामी प्रेमानन्द जी महाराज, वृंदावन में दीदी मां ऋतंभरा जी, देवघर में बबई दा, भाग्यनगर में रामचंद्रमिशन के दा जी, त्रिदंडी रामानुज चिन्ना जीयर स्वामी से मिलकर मार्गदर्शन लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

● समाज जीवन के प्रमुख मान्यवरों से अन्यान्य ख्यातिप्राप्त मिलने की भी योजना रही।

● डिब्रुगढ़ - ICCS द्वारा आयोजित 8 वे सम्मेलन को संबोधित किया। यहाँ 31 देशों से 38 मान्यताओं के 239 सज्जन वृन्द उपस्थित थे। इसमें यझदी, माओरी, ग्रीक, मायन, शिन्तो, रोमुवा, चीरोकी, झुलू मान्यताओं के 126 अग्रणी सदस्य उपस्थित रहे।

● 26 जनवरी 2024 को नागपुर संघ कार्यालय मे गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर तिरंगा झंडा फहराया।

● स्व. पूज्य विदयासागर जी महाराज के श्रध्दांजली सभा में उपस्थित रहकर भावभीनि श्रध्दांजली अर्पित की।

● बैंकॉक, थाईलैन्ड में आयोजीत वर्ल्ड हिन्दु कांग्रेस - 2023 का दिनांक 23 नवंबर 2023 को उद्घाटन किया।

पूज्य शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

माननीय सरकार्यवाह जी का प्रवास

● वर्ष 2023-24 में क्षेत्र अनुसार प्रवास सभी 11 क्षेत्रों में हुआ। समय की उपलब्धता के अनुसार क्षेत्र के दो/ तीन प्रांतों में प्रवास की योजना निश्चित करनी थी। इस प्रवास में प्रांत के जागरण कार्य की बैठक में जागरण श्रेणी के कार्य विभागों और गतिविधियों के कार्य, उनका आपस में समन्वय की चर्चा तथा समाज परिवर्तन के लिए हुए कार्य, शाखा क्षेत्र का अध्ययन और अनुवर्तन; व्यवसायी शाखा की जागरण टोली निर्माण एवं सज्जन शक्ति की समाज कार्य में सहभागिता की विस्तृत चर्चा हुई। सामाजिक सद्भाव टोली बैठकों में इस आयाम के कार्य प्रणाली की एवं इस के माध्यम से मिले परिणामों की भी विशद चर्चा हुई । इस के साथ साथ स्वयंसेवक एकत्रीकरण, ज्येष्ठ प्रचारक एवं वरिष्ठ स्वयंसेवकों के साथ संवाद, कार्यकर्ता शिविर, विशिष्ट जन संपर्क आदि कार्यक्रम भी अनेक स्थानों पर हुए । कुछ स्थानों पर पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों के अच्छी संख्या में एकत्रीकरण संपन्न हुए। सभी प्रांतों के प्रवास के दौरान बैठकों में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का औसत प्रमाण 90 % रहा। देशभर में कार्य विस्तार की दृष्टि से नित्य शाखा, बस्ती, मंडल को लेकर कार्यक्रम, योजनाओं के माध्यम से कार्य को गति देने में सर्वत्र कार्यकर्ता उत्साह से लगे है। साथ साथ समाज में कई प्रकार के उपक्रम एवं गतिविधियों द्वारा जागरण व परिवर्तन के कार्य को भी गति देने में सक्रिय हैं यह अनुभव में आया।

● जयपुर, उत्तर बिहार, उत्तर तमिलनाडु, अरुणाचल, पंजाब आदि प्रांतों में एकत्रीकरण तथा केरल के कोट्टयम में वैकोम सत्याग्रह की शताब्दी वर्ष को निमित्त बनाकर स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण के कार्यक्रम संपन्न हुए ।

● दक्षिण बिहार, महाकौशल, ब्रज, कानपुर, काशी प्रांतों में मुख्य शिक्षक, कार्यवाह एवं शाखा टोली को लेकर प्रबोधन के कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कोयंबतूर एवं भुवनेश्वर में नगर स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद हुआ।

● बस्ती कार्य को गति देने और प्रभावी बनाने की दृष्टी से वडोदरा (गुजरात) में बस्ती टोली का एकत्रीकरण तथा कोटा (चित्तौड़) में और पिंपरी चिंचवड (पश्चिम महाराष्ट्र) में बस्ती प्रमुखों की विस्तृत बैठकें हुई जिनमें बस्ती कार्य के बारे में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद हुआ। उपस्थति अच्छी रही।

● इस प्रवास में कर्नाटक दक्षिण - बैंगलूरु, छत्तीसगढ़ - कोरबा, उत्तराखंड - देहरादून, उत्तर असम - गुवाहाटी में कार्यकर्ता कुटुंब मिलन के कार्यक्रम हुए तथा हिमाचल के ऊना में सवयंसेवक परिवारों के साथ मकरसंक्रांति उत्सव में सहभागिता रही।

● पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र, उत्तर पूर्व क्षेत्र, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश के तथा ब्रज प्रांत के प्रचारकों के वर्गों में रहना हुआ। गुवाहाटी में पूर्व प्रचारकों के साथ वार्तालाप हुआ। दिल्ली में विविध क्षेत्र के प्रचारकों की बैठक और अल्पकालिक निकले हुए विस्तारकों के साथ 'अनुभव कथन एवं संवाद' के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पंजाब एवं उत्तर असम प्रांतों में विविध कार्य समन्वय बैठक में संवाद एवं उद्बोधन हुआ ।

● इस वर्ष के प्रारंभ में अगस्त में दो-दो क्षेत्र मिलाकर क्षेत्र कार्यकारिणी बैठकें पांच स्थानों पर हुई जिन में प. पू. सरसंघचालक जी के साथ सभी बैठकों में सहभागी होना हुआ।

अन्य कार्यक्रम-

● ग्राम विकास के प्रभात ग्राम दर्शन हेतु मालवा प्रांत में हरदा और प. महाराष्ट्र में शिवे नामक गांवों में दिन भर रहकर ग्राम विकास के कार्यों का दर्शन एवं कार्य में लगे कार्यकर्ता एवं ग्राम जनों के साथ संवाद हुआ। घुमंतू जाति के बच्चों के लिए चल रहे समरसता गुरुकुल प्रकल्प में जाना एवं संवाद हुआ।

● धर्मजागरण के प्रांत संयोजकों की दो-दिवसीय बैठक एवं ग्राम विकास की टोली बैठक तथा ग्राम विकास के अ. भा. अभ्यास वर्ग में सहभाग हुआ।

● इस सत्र में चयनित स्थानों पर प्रचार विभाग द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादकों के साथ संवाद कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

विभिन्न कार्यक्रमों में सहभाग एवं उद्बोधन हुआ -

● जयपुर में अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा संपन्न 'राष्ट्रीय सेवा संगम'

● कर्णावती में जुलाई में माईग्रेंट पाकिस्तानी हिन्दु डॉक्टरों को भारत में मिले नागरिक अधिकारों के निमित्त स्वागत समारोह

● मुंबई में अगस्त 2023 में आयोजित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला के कार्यकर्ता सम्मेलन

● केरल (कोझिकोड़) में अगस्त 2023 में केसरी साप्ताहिक द्वारा अमृत शतकम व्याख्यान माला

● चैतन्य प्रतिष्ठान, गोवा द्वारा आयोजित 'एक राखी सैनिका साठी' कार्यक्रम

● ऋषिकेश के निकट सितंबर 2023 में पाञ्चजन्य साप्ताहिक की लेखक संगोष्ठी

● चेन्नई में अक्तूबर 2023 में चिन्मय हेरिटेज सेंटर द्वारा स्वामी चिन्मयानंद जी की 108 वीं जयंती पर आयोजित व्याख्यान

● बैंकॉक (थाइलैंड) में नवंबर 2023 में आयोजित वर्ल्ड हिन्दु कॉंग्रेस (World Hindu Congress)

● बैंगलूरु में दिसंबर 2023 में कन्नड़ साप्ताहिक 'विक्रम' के 75 वे वर्ष के विशेषांक के लोकार्पण कार्यक्रम

● कोलकाता में स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) पर युवाओं के सम्मुख व्याख्यान

● दिब्रुगढ में जनवरी 2024 में हुए ICCS के 8वे प्राचीन संस्कृति व सभ्यता सम्मेलन

● दिल्ली में 1 मार्च को सुरुचि प्रकाशन की ओर से डॉक्टर हेडगेवार चरित्र ग्रंथ के अंग्रेजी में अनुवादित पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम

● नागपुर में पूर्व प्रचारक एवं अभाविप के पूर्व अध्यक्ष स्व. दत्ताजी डिडोलकर जी की और लखनऊ में भारतीय किसान संघ के पूर्व संगठन मंत्री स्व. संकटाप्रसाद सिंह जी की जन्म शताब्दी समारोह

● इंदौर में जुलाई 2023 में शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष के उपलक्ष्य में व्याख्यान और दिल्ली में इसी उपलक्ष्य में सार्वजनिक समारोह तथा श्री शैलम में छत्रपति शिवाजी स्फूर्ति केन्द्र का दर्शन

● इस वर्ष नागपुर के विजयदशमी उत्सव में उपस्थित रहने का अवसर मिला।

● राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बैंगलुरु में तथा गणतंत्र दिवस पर बोधगया में ध्वजारोहण के कार्यक्रम संपन्न किए।

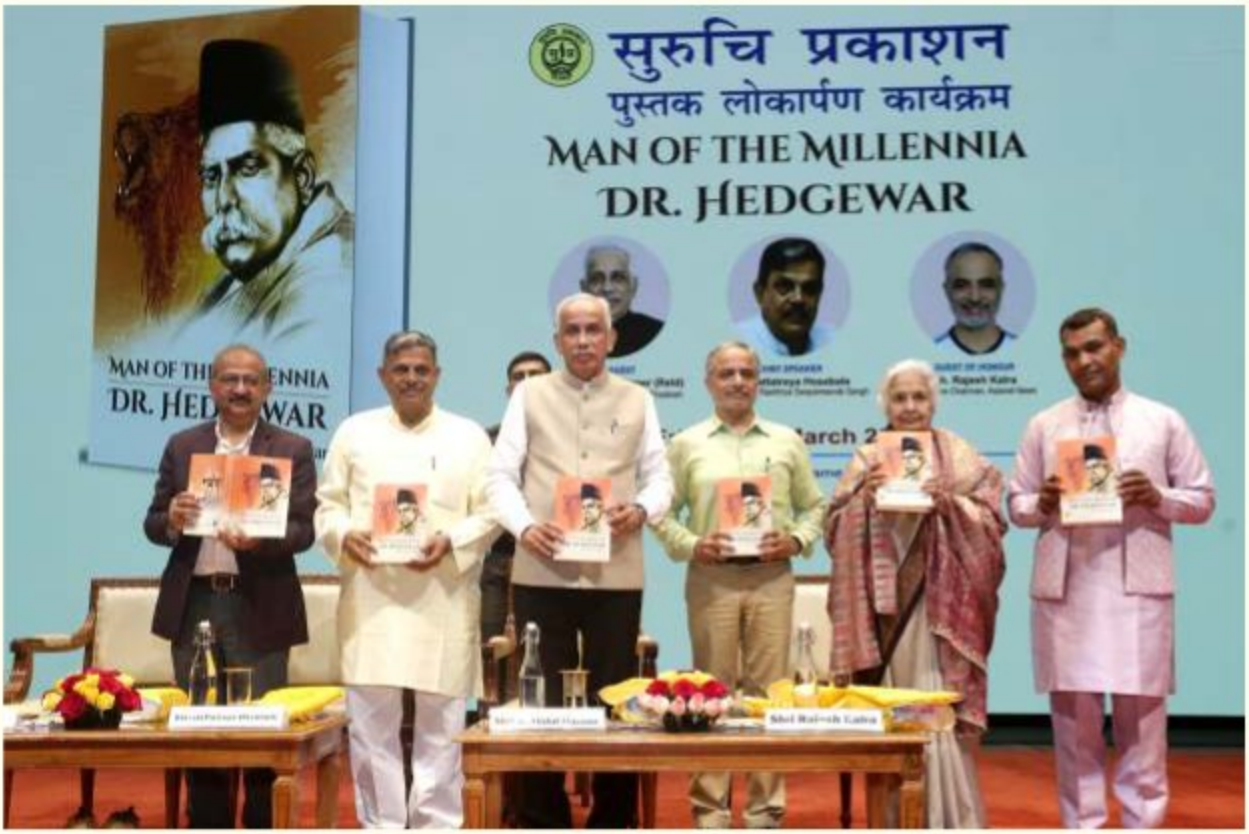

मुख अतिथी – आंध्रप्रदेश के मा. राज्यपाल श्री अब्दुल नझीर के साथ

संगठन श्रेणी कार्य

शारीरिक शिक्षण विभाग

1) अखिल भारतीय खेल कार्यशाला –17,18 ,19 नवंबर 2023 को कर्णावती (गुजरात) के श्री सहजानंद गुरुकुल, मोटेरा, में संपन्न हुई। 37 प्रांतों से 72 शिक्षार्थी तथा 14 शिक्षक उपस्थित थे। इस कार्यशाला में कुल 498 नये खेल सिखाए गये।

2) अखिल भारतीय प्रहार महायज्ञ – 16 दिसंबर 2023 – सहभागी शाखा – 42,455, मिलन – 6,885, स्वयंसेवक – 6,53,165। प्रहार – 32,66,22,149 । 1000 से अधिक प्रहार लगाने वाले 1,32,783 । गत वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी – शाखा – 3309, मिलन – 217, स्वयंसेवक – 62,756 तथा प्रहार – 3,42,55,411 ।

गुजरात – साबरकांठा जिला एकत्रीकरण

बौद्धिक शिक्षण विभाग

21 – 23 जुलाई 2023 को बौद्धिक विभाग की अखिल भारतीय बैठक मेरठ प्रांत के गाज़ियाबाद महानगर में संपन्न हुई। कुल 103 में से 90 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस वर्ष की योजना के अनुसार सभी प्रांतों के 324 विभागों में से 207 विभागों में बैठकें हुईं। 10698 अपेक्षित कार्यकर्ताओं में से 5387 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी प्रांतों में प्रांत, विभाग या जिला स्तर पर प्रार्थना, गीत, मानचित्र परिचय, समाचार समीक्षा, दीर्घ कथा और वीडियो क्लिपिंग पर कार्शालायें संपन्न हुई। 49147 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिला केन्द्रों के नगरों तथा महानगरों की विद्यार्थी शाखाओं में प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने की योजना में 278 शाखाओं के 1362 विद्यार्थी स्वयंसेवकों ने सहभाग किया।

मूल्यांकन की योजना के अंतर्गत त्रिस्तरीय व्यवस्था बनाई थी – (1) प्रवासी कार्यकर्ता (2) शाखाटोली (3) इन शाखा का मुल्यांकन हुआ। सामान्य, उत्तम, अति उत्तम ऐसी श्रेणी तय की गई। प्रान्तों के अनुसार इस मूल्यांकन की समीक्षा कर आगे योजना बनायेंगे ।

कार्य विस्तार

कर्नाटक उत्तर – **1)** मंडल में कार्य विस्तार को गति देने के लिए पिछले तीन वर्षों से मंडल केंद्रित प्रवास की योजना चल रही है। पिछले वर्ष कार्यकर्ता अपने स्थान से निकटतम मण्डल तक प्रतिदिन प्रवास करते हुए 15 दिनों तक शाखा चलाएं। उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया के कारण इस वर्ष की योजना में 1659 कार्यकर्ताओं ने 15 दिनों के लिए प्रवास किये। 1212 मण्डलों मे शाखा चलाएं। कुल 1466 स्थानों पर 2099 शाखाएं 15 दिन चली ।

2) 17 दिसंबर 2023 को प्रांत के 1990 मंडलों में से 1717 पर प्रवास हुआ। 5005 स्थानों पर 6954 शाखाएं चली। 706 बस्ती में से 638 बस्ती में शाखा चलीं। उस दिन की उपस्थिति तरुण 35586, बालक 22600 और शिशु 6039 रही। 3835 कार्यकर्ता प्रवास किए।

आंध्र प्रदेश – **1)** पिछले 3 साल से करनूल विभाग ने 2025 तक विभाग के हर गांव में संघ कार्यकर्ता तयार हो इसके लिए हर गांव में प्रवास की योजना बनाई। 2021 में श्री राम मंदिर निधि समर्पण अभियान के समय हर गांव में गए थे। इस अभियान में 13500 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव निमित्त 75,000 घर का संपर्क हुआ। 2023 – 24 में जागरण पत्रिका को प्रत्येक गांव में कार्यकर्ता घर घर स्वयं पहुंचाते है। हर महीने में 872 ग्राम पंचायत तथा 385 उप बस्ती में 12570 पत्रिका का वितरण हो रहा है । मंडल के उपर के प्रवासी कार्यकर्ताओंकी सक्रीयता व गुणवत्ता बढी है।

2) करनूल नगर में सभी बस्ती शाखायुक्त हो, सुप्त शक्ति का जागरण हो, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढे तथा शाखा में उपस्थिती बढे इसके लिए विभिन्न उपक्रम चलायें जाते है। शाखा में उपस्थिति अनिवार्य, गणवेश तैयारी और समय से पहले शाखा में पहुंचने का आग्रह किया गया। 13 फरवरी 2024 को पू. सरसंघचालक जी के प्रवास निमित्त नगर सांघिक का आयोजन किया था। उपबस्ती श: सूचियां और गट व्यवस्था, एक महीने पूर्व 3 श्रेणी के अलग सांघिक संपन्न हुए। नगर सांघिक में सभी 50 बस्ती से, तथा 207 में से 179 उपबस्ती से 1271 स्वयंसेवक भाग लिए। पूर्ण नगर लक्ष्य की प्राप्ति हुई। 27 शाखाएं बढ़ी है। अब 50 बस्तियों में 52 शाखा चल रही है। औसत उपस्थिति 7 से बढ़कर 13 हुई है।

गुजरात – साबरकांठा जिले मे कार्यविस्तार और दृढ़ीकरण के लक्ष्य को लेकर वार्षिक योजना बैठक में एक दिवसीय सम्मलेन 'अंगद शक्ति एकत्रीकरण' हिम्मतनगर में तय किया गया। 105 मंडल के 572 ग्रामों से कुल 8052 स्वयंसेवक सहभागी हुए। 6000 से अधिक नयी भर्ती हुई और 7244 नये गणवेश बने। सार्वजनिक समापन कार्यक्रम मे 1500 से अधिक समाजबंधु सहभागी हुए। 2022 में 15 स्थानों पर 37 शाखा, 36 मिलन तथा 6 मंडली थी। 3 वर्षों के सतत प्रयास से अब 73 स्थानों पर 111 शाखा, 112 मिलन तथा 149 मंडली है।

सौराष्ट्र – राजकोट महानगर मे दि. 7 जनवरी 2024 को सभी बस्ती से स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण हो इसलिए कार्यविस्तार कुंभ–2024 का आयोजन किया गया। एकत्रीकरण के प्रयास हेतु गट रचना 10–10 स्वयंसेवक की बनी। मासिक कार्यक्रमों का केलेंडर बनाया गया। उप बस्ती में भारतमाता पूजन के 350 कार्यक्रम हुए। हर बस्ती शाखा अंतर्गत 185 बस्ती में शाखाएं लगी, 84 बस्ती में एकत्रीकरण हुए। 223 कुल बस्ती में से 200 बस्तियों मे 2271 संख्या रही तथा 1100 नए गणवेश बने। 2021–22 में 88 शाखा थी अब बढ़कर 23–24 में 100 हुई तथा साप्ताहिक मिलन की संख्या 46 से बढाकर 64 हुई है।

मालवा – गरोठ जिले में कार्य विस्तार हेतु उपखंड स्तर पर विभाग, जिले, खंड के 16 संगठन श्रेणी के कार्यकर्ताओं के प्रवास, मंडल एवं उपखंड टोली की मासिक बैठक, शाखा पालक योजना, शाखा टोली की बैठक, मुख्य मार्ग के गांव में शाखा, प्रवासी कार्यकर्ता के स्थान पर शाखा, इन बिन्दुओं का आग्रह सातत्य से रखने के कारण वर्तमान में सभी मंडलों में दो दो शाखाएं हैं एवं प्रत्येक बस्ती में दो प्रकार की शाखा है। जुलाई 2021 में 84 स्थान पर 98 शाखा, 46 मिलन तथा 9 मंडली थी । वर्तमान में 186 स्थान पर 211 शाखा, 70 मिलन तथा 38 मंडली है । 13 पूर्ण मंडल है।

महाकौशल – प्रांत में शाखा विस्तार एवं मण्डल स्तर तक कार्यविस्तार के लिए उपखंड/उपनगर शीत शिविर की योजना बनी। खंड एवं जिला स्थानों पर संचालन टोली का प्रशिक्षण हुआ। शीत शिविर में कुल पंजीयन किये 42,645 में से 32,297 शिविरार्थी उपस्थित रहे। कुल 1,547 शाखाओं का प्रतिनिधित्व रहा। उपखण्ड 691/691 (100%), मण्डल 2838/1700 (60%), नगर 168/168 (100%), उपनगर 95/86 (92%), बस्ती 894/675 (75%), ग्राम 23914/6484 (27%) का प्रतिनिधित्व रहा। 170 नवीन शाखाओं की वृद्धि हुई।

चित्तौड़ – **1)** तीन वर्ष पूर्व उदयपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने कार्य विस्तार की योजना तैयार की। शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखकर लक्ष्य निर्धारित किए गए। योजना बनाकर क्रियान्वयन किया गया। महानगर की सभी 73 बस्तियां शाखा युक्त हो गई। उसके बाद उपबस्ती की रचना बनाकर उपबस्ती केंद्रित योजना बनी। वर्तमान में 266 उपबस्तियों में से 221 उपबस्तियों में शाखा अथवा मिलन है। सभी 33 सेवा बस्ती में शाखा चल रही है।

पिछले तीन वर्षों में 45 मिलन में ध्वज प्रदान कार्यक्रम हुए है। महानगर में 12 शाखाओं के माध्यम से नई शाखाएं प्रारंभ हुई है। पिछले तीन वर्षों से प्रत्येक बस्ती और ग्राम तक रक्षा बंधन उत्सव सम्पन्न हुए है। विस्तारक योजना भी बनी। प्रति वर्ष विस्तारकों को उपबस्ती, सेवा बस्ती, रिक्त मंडल के ग्रामों में, भेजने की रचना की गयी। 2021 में 212, 2022 में 434 तथा 2023 में 724 विस्तारक निकले।

2) प्रांत में पिछले तीन वर्षों से सभी 740 बस्तियां और 1935 मंडल कार्य युक्त हो गए थे। आगे नगरीय क्षेत्र में उपबस्ती को शाखा युक्त या मिलन युक्त बनाना और बस्ती को पूर्णबस्ती (बस्ती तीन शाखाओं से युक्त) बनाना तथा ग्रामीण क्षेत्र में पूर्ण मंडल (सभी ग्राम शाखा या मिलन युक्त) केंद्रित कार्य खड़ा का लक्ष्य रखा गया। तीन वर्ष तक निरंतर और विविध प्रयत्नों के परिणाम स्वरूप वर्तमान में नगरीय रचना में कुल 1712 उपबस्तियों में से 1212 उपबस्तियों में 867 शाखा युक्त तथा 345 मिलन युक्त है। महानगर की 1058 उपबस्तियों में से कुल 733 शाखा या मिलन युक्त हुई है और अन्य नगर की 654 उपबस्तियों में से कुल 479 उपबस्तियों में शाखा अथवा मिलन है। शेष में कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं। कुल 740 बस्ती में से 194 बस्तियां पूर्ण हो गई जिसमें से महानगरीय 101 तथा अन्य नगर की 93 बस्तियां पूर्ण बस्ती है। ग्रामीण क्षेत्र में सभी 1935 मंडल शाखा, मिलन अथवा मंडली युक्त होने के बाद पूर्ण मंडल पर ध्यान केंद्रित किया । पिछले वर्ष प्रांत में 305 पूर्ण मंडल थे इस सत्र में अब तक 388 मंडल पूर्ण हुए हैं। दिसंबर माह में प्रांत के 14 खंड, 43 उपखंड एवं 146 मंडलों के प्रत्येक ग्राम में अंशकालिक विस्तारक भेजे गए, कुल 5597 ग्राम और 1212 उपबस्ती में विस्तारक भेजे गए।

जोधपुर – जालोर जिले में कार्य विस्तार के लिये 3 वर्ष की योजना बनाई गयी। जहां पिछले 10 वर्षों में शाखा लगी थी वे स्थान, प्रवासी कार्यकर्ता के स्थान, संघ शिक्षा वर्ग शिक्षित कार्यकर्ता के स्थान ऐसे स्थानों पर प्रयत्न हुआ। उपखण्ड, मण्डल अभ्यास वर्ग व मण्डल एकत्रीकरण, लघु विस्तारक योजना, एक शाखा और एक नई शाखा की योजना इस प्रकार जिले में त्रैवार्षिक योजना के फलस्वरूप जहां मार्च 2022 में स्थान 68, शाखा 90, मिलन 13, मण्डली 10 थी वहां अब फरवरी 2024 में स्थान 100, शाखा 116, मिलन 16, तथा मण्डली 14 है।

हरियाणा – 12-14 जनवरी 2024 को प. पू. सरसंघचालक जी का प्रांत प्रवास था। इसके पूर्व पूर्ण नगर, मंडल, खंड तथा जिला का लक्ष्य लेकर प्रवास, बैठक का क्रम चला। 34 – पूर्ण नगर, 49 – खंड 16 – मंडल सहित कुल 99 इकाइयाँ और 1– परिपूर्ण ज़िला के कार्यकर्ता अपेक्षित थे। 214 में से 180 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेरठ – सराहनपूर महानगर में प्रत्येक नगर की बस्तियों में जहां कभी शाखा अथवा मिलन रहा है या जहां संपर्क है, ऐसे स्थान निश्चित कर महानगर के प्रत्येक प्रवासी कार्यकर्ता ने 1 सप्ताह उसी स्थान पर जाकर शाखा शुरू करने का अभियान हुआ। 255 प्रवासी कार्यकर्ताओं ने 160 स्थानों पर प्रवास किया। परिणामस्वरूप 62 नए स्थानों पर कार्यविस्तार संभव हुआ।

ओडिशा पश्चिम – कोरापुट जिला अन्तर्गत कुन्द्रा विकास खण्ड में शाखा कुम्भ का आयोजन किया गया। खण्ड के 104 गांव से 108 शाखा से कुल 1456 स्वयंसेवक उपस्थित हुए। कार्यक्रम के पूर्व 7 विस्तारक तथा 43 स्वल्पकालीन विस्तारक निकले थे। एक ही मैदान में 108 ध्वज लगाकर अलग अलग शारीरिक कार्यक्रम किये गए। सांघिक गीत के पश्चात मा. सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त जी चक्रधर का उद्बोधन हुआ।

उत्तर असम – कार्य विस्तार हेतु दि. 23 जनवरी 2024 को बरपेटा जिला में नई शाखा प्रारंभ करने और शाखा विहीन मंडलों में शाखा अथवा साप्ताहिक मिलन शुरू करने हेतु 'आजाद हिंद शाखा संगम' संपन्न हुआ। जिले के कुल 72 शाखा से 1234 स्वयंसेवक उपस्थित थे। अभी जिले में 64 शाखा और 10 साप्ताहिक मिलन हैं।

दक्षिण असम – **1)** विस्तारक सप्ताह – 23 से 30 जुलाई विस्तारक सप्ताह की योजना में 76 स्थानों पर 104 विस्तारक निकले, जिसमे 57 नये स्थान थे। **2)** मंडल सम्मेलन – 323 में से 170 मंडलो में सम्मेलन का आयोजन हुआ । 66 नये मंडलो में कार्य विस्तार हुआ। **3)** अधिकतम शाखा दिवस – प्रांत की वार्षिक योजना अनुसार 24 दिसम्बर 2023 को 323 मंडल एवं 103 बस्ती में से 252 मंडल और 96 बस्ती मे 811 शाखाएं लगी। कुल उपस्थिति 8579 रही।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण, गुणवत्ता विकास

कर्नाटक दक्षिण – शिवमोगा के PESIT संस्था के परिसर में प्रान्त का घोष वर्ग 23 – 25 दिसंबर 2023 को सम्पन्न हुआ। वर्ग में आने के लिए 5 रचनाओं का वादन अनिवार्य था। वर्ग आयोजन के कारण अनेक घोष केंद्र पुन: कार्यान्वित हो गये तथा अनेक विद्यालयों में भी रचानाएँ सिखाने का उपक्रम चलाया गया। 37 जिलों के 50 तहसील तथा 111 नगरों के 831 वादक वर्ग में सम्मिलित हुए। वर्गोपरांत 40 घोष केन्द्रों ने अपने वार्षिक उत्सव तय किये है। 60 कार्यकर्ता घोष विस्तारक के नाते कार्यरत रहे। वर्ग में सम्मलित सभी ने 10 नए स्वयंसेवकों को घोष सिखाने का संकल्प किया है।

कर्नाटक उत्तर – मंडल प्रवासी कार्यकर्ता एवं उपर के सभी कार्यकर्ताओं के लिए दो स्थानों पर शिविरों की योजना थी। मा. सरकार्यवाह जी एवं अ. भा. व्यवस्था प्रमुख श्री मंगेश भेंडे जी उपस्थित रहे। धारवाड़ के पास गरग में आयोजित शिविर में 235 मंडलों से 630 कार्यकर्ता तथा होसपेट के पास हगरीबोम्मनहल्ली में आयोजित शिविर में 309 मंडलों से 735 कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आन्ध्र प्रदेश – विशाखा महानगर में आज कुल घोष वादक 357 है। पिछले 2 वर्ष में 257 नए घोष वादक बने है। घोष केन्द्रों की संख्या 2 से बढाकर 9 हो गयी है। जून 2023 में 58 शाखों में 26 घोष शिक्षकों का 7 दिन प्रवास हुआ। इस कारण से 228 स्वयंसेवकों को घोष परिचय हुआ। 6 वर्गों में 175 स्वयंसेवक सहभागी हुए। 8 जनवरी 2024 को 'स्वर सागर' कार्यक्रम में 32 घोष वादकों का लगातार 78 मिनट का वादन हुआ।

छत्तीसगढ़ – दंतेवाड़ा जिले में विजयादशमी के उत्सव पर 495 बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन संपन्न हुआ। पथ संचलन में 4 खंड के 22 मंडलों में से 19 मंडल के एवं 4 नगर के सभी 18 बस्ती की उपस्थिति रही। खंडो व नगरो में 13 नई शाखाएं शुरू हुई।

चित्तौड़ – **1)** प्रांत के आठ विभाग केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण शारीरिक प्रदर्शन हुए जिसमें 1531 स्वयंसेवकों द्वारा शारीरिक प्रदर्शन तथा 202 स्वयंसेवकों द्वारा घोष प्रदर्शन हुए। कार्यक्रमों में 5243 पुरुष तथा 1353 मातृशक्ति उपस्थित रही।

2) नवीन कार्यकर्ता वर्ग – पहली बार गटनायक का दायित्व लेकर कार्यकर्ता बने कार्यकर्ताओं के लिए सितंबर माह में नगर एवं खंड स्तर पर इन वर्गों को संपन्न किया गया। 91 वर्ग में 4310 कार्यकर्ता सहभागी हुए तथा अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

जोधपुर – 1) बीकानेर महानगर के शिव नगर की गणपति संयुक्त विद्यार्थी शाखा ने स्वयंसेवकों में ग्रामीण जीवन शैली का परिचय कराने हेतु उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र को भेट देने का उपक्रम चलाया। इस केंद्र में ग्रामीण जीवन का पूरा अनुभव होता है। 80 स्वयंसेवक सहभागी हुए।

2) बीकानेर महानगर द्वारा महानगर स्तर पर गुणवत्तापूर्ण पथ संचलन व शारीरिक प्रधान कार्यक्रम 21 जनवरी को संपन्न हुआ। प्रति शाखा न्यूनतम 10 स्वयंसेवकों की सूची बनाकर दैनिक अभ्यास प्रारम्भ हुआ। गुणवत्ता परिक्षण पहले नगर स्तर पर और अंतिम परिक्षण महानगर स्तर पर हुआ। इसमें से चयनित 208 स्वयंसेवकों ने संचलन तथा शारीरिक प्रदर्शन में भाग लिया।

दिल्ली – सभी गतिविधियों से जुड़ी हुई समाज की सज्जन शक्ति को संपर्क करने की व्यापक योजना बनायी गई। प्रत्येक जिले में प्रत्येक गतिविधि के संबंध में उन व्यक्तियों व संस्थाओं की सूची बनाई गई जो समाज जीवन में कार्यशील हैं। जागरण श्रेणी का सहयोग लेते हुए संपर्क कर एवं निमंत्रण देकर जिले में सज्जन शक्ति संवाद कार्यक्रम संपन्न हुए। प्रांत स्तर पर भी प्रत्येक गतिविधि का सज्जन शक्ति संगम आयोजित हुआ। कुल 6,706 बंधु, 1,742 बहने और 1,412 संस्थाएं उपस्थित रही। इससे गतिविधि में कार्यरत कार्यकर्ताओं को सामाजिक सम्पर्क (Social outreach) का एक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यकर्ताओं का आपसी तालमेल बढ़ा तथा समाज परिवर्तन की व्यापक संकल्पना में सामूहिक भूमिका निभाने की संभावनाएं भी प्रबल हुई हैं।

जम्मू-कश्मीर – 1) कार्यवाह श्रेणी के दायित्व के कार्यकर्ता बंधुओं के प्रशिक्षण की योजना हुई। दिनांक 26, 27, 28 जनवरी 2024 को वर्ग सम्पन्न हुआ। मा. सहसरकार्यवाह मुकुंद जी उपस्थित थे। कुल 9 सत्र तथा एक संघस्थान की योजना बनाई गई। पांच सत्र चर्चात्मक रहे जिसमें प्रांत कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं ने सभी से विभिन्न गटों में चर्चा

की। मा. मुकुंद जी के साथ एक बौद्धिक, जिज्ञासा समाधान व समापन रहा। वर्ग में अपेक्षित 272 कार्यकर्ता में से 161उपस्थित थे।

2) दिनांक 4 फरवरी 2024 को प्राध्यापक स्वयंसेवकों के लिए कार्यशाला का आयोजन जम्मू में किया गया। विभिन्न महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय में तथा विविध संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता तथा देश भर के अन्य प्रांतों से विश्वविद्यालय में नियुक्त प्राध्यापक और सम विचारी प्राध्यापकों की विस्तृत सूची बनाई गई। वर्तमान में जिनके पास दायित्व नहीं है ऐसे बंधुओं को उनकी रुचि के अनुसार सक्रिय होने के लिए संघ प्रशिक्षण पूर्ण करने की चर्चा हुई। अन्य प्रांतों से जम्मू कश्मीर में शिक्षा प्रदान कर रहे बंधुओं को प्रांत की वर्तमान परिस्थिति और धारा 370 एवं 35अ निरस्त होने के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया तथा इस पर चर्चा हुई। 5 विश्वविद्यालयों व 13 महाविद्यालयों के 141 प्राध्यापक बंधु उपस्थित रहे। 17 प्राध्यापक बंधु प्रथमत: किसी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

मेरठ – शारीरिक विभाग द्वारा सहारनपुर महानगर में गण समता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 15 नगरों से 18 संख्या के गणों का चयन किया गया। 270 स्वयंसेवकों ने गणवेश में प्रतिभाग लिया। अन्य 640 गणवेशधारी स्वयंसेवक अपने नगर को प्रोत्साहन देने उपस्थित थे। प्रति नगर गण समता प्रयोग कराने में 10 – 15 कार्यकर्ता तैयार हुए। बौद्धिक विभाग द्वारा महानगर में गण गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 2 सप्ताह अपनी अपनी शाखाओं में गीत का अभ्यास हुआ। 310 स्वयंसेवकों ने गणवेश में सहभाग लिया। अन्य 540 स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित थे। प्रत्येक शाखा में कम से कम 2 से 3 स्वयंसेवक गणगीत कराने में सक्षम हुए है।

काशी – **प्रयाग दक्षिण भाग** द्वारा 6 – 7 जनवरी 2024 को 5 वीं से 10 वीं कक्षा तक के विद्यार्थीयों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आने से पूर्व विद्यार्थियों को 2 सुभाषित एवं वर्ग गीत कंठस्थ होना अनिवार्य था। 295 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। 15 बाल स्वयंसेवकों ने 8 सुभाषित कंठस्थ सुनाएं। **सुलतानपुर नगर** में दिनांक 06 – 07 जनवरी 2024 को बाल शिविर एवं पथ संचलन का आयोजन किया गया। शिविर के पूर्व शाखा श: एवं नगर के एकत्रिकरण में संचलन का अभ्यास कराया गया। 294 नए स्वयंसेवकों ने गणवेश पूर्ण किया। शारीरिक प्रतियोगिताओं व खेलों का आयोजन किया गया। शिविर के दूसरे दिन घोष के साथ पथ संचलन निकाला गया। अभिभावक व समाज के लोग बड़ी संख्या में संचलन देखने आये थे। 5 नई संयुक्त विद्यार्थी शाखायें प्रारम्भ हुई। **सैदपुर जिला** में विद्यार्थी टोली द्वारा हर मंडल में प्रवास तथा विद्यार्थी शाखाओं की शाखा टोली बैठक का आग्रह कर बाल शिविर संपन्न हुआ। 179 उपस्थिति रही। 1 नई शाखा और 1 मिलन प्रारम्भ हुआ। **गाजीपुर जिला** में विद्यार्थी टोली का प्रत्येक बस्ती में बाल शिविर हेतु प्रयास हुआ। 220 उपस्थित रहे। 02 नई शाखा और 01 मिलन प्रारम्भ हुए। **जौनपुर जिला** में शिविर की संख्या 229 रही। 4 नई शाखाएं प्रारम्भ हुई। **काशी मध्य भाग** बाल शिविर में 75 तथा **काशी उत्तर भाग** के बाल शिविर में 186 संख्या रही।

मध्यबंग प्रान्त – 1) बौद्धिक विभाग द्वारा प्रत्येक माह 5 जिलों में प्रबोधन वर्ग, 5 जिलों में सुभाषित प्रतियोगिता,7 ज़िलों में स्वयंसेवकों द्वारा अंकित चित्र, शाखा पुस्तिका में मुद्रित किया जाता है। 6 जिलों में नियमित उत्सव केंद्रित वक्ता प्रशिक्षण, 8 नगरों में प्रार्थना अभ्यास कार्यशालाएं, 32 शाखाओं एवं 13 मिलन में मानचित्र परिचय कार्यक्रम आयोजित किये गए । प्रांत में प्रार्थना प्रशिक्षण कार्यशाला में 27 कार्यकर्ता थे, जबकि 4 बिधा की कार्यशाला में 67 कार्यकर्ता थे।

2) प्रान्त में 6 दिनों का घोष वर्ग 26 से 31 दिसंबर, 2023 तक आसनसोल ज़िले के दुर्गापुर नगर में संपन्न हुआ। सूची बनाकर विभिन्न स्थानों पर घोष अभ्यास की प्रक्रिया 2 महीनों से चल रही थी । कुल शिक्षार्थी संख्या 123 थी। प्रांत के सभी जिला प्रचारकों और विस्तारकों ने भाग लिया। वर्ग में मा. सरकार्यवाह जी उपथित थे।

प्रसुप्तापि हि सा येन राष्ट्रशक्ति: प्रबोधिता।
संघमन्त्रसमुद्घोषै: केशवं प्रणमामि तम्।।

जिनके संघ मंत्र के समुद्घोष से सुप्त राष्ट्रशक्ति जागृत हुई उस केशव को मेरा प्रणाम।

जागरण श्रेणी कार्य

सेवा विभाग

● प्रत्येक 5 वर्ष में होने वाले सेवा सर्वे का काम पूर्ण हुआ। 2019 के समान इस वर्ष भी मोबाईल एप के द्वारा 16,303 कार्यकर्ताओं ने कार्य को पूरा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरे देश में सभी मातृसंस्थाओं सहित कुल सेवाकार्य (दैनिक या साप्ताहिक) व उपक्रमों (वर्ष में 2, 3 बार आयोजित) की संख्या 1,22,890 है।

● इन सेवा कार्यों में सेवित जन की संख्या भी उल्लेखनीय है। जहां शिक्षा, स्वावलम्बन तथा सामाजिक सेवाकार्यों में 21,45,000 व्यक्तियों ने किसी न किसी रूप में नियमित सेवा प्राप्त कर अपने जीवन को शिक्षित व उन्नत बनाने का प्रयत्न किया वहीं स्वास्थ्य प्रकल्पों में 87,16,000, अन्नदान योजना में 27,35,000 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हुए।

● **नियमित रूप से चल रहे सेवाकार्य निम्नानुसार है :-** ग्रामीण में - 19,208, जनजाति क्षेत्र मे :- 19,034, शहरों की सेवा बस्ति में :- 14,268.

● कुल नियमित सेवा कार्य की संख्या मातृसंगठन + सेवा भारती की संख्या 21,681 + 30,829 = 52,510 है

● **आयाम अनुसार नियमित सेवा कार्य संख्या :** शिक्षा - 25,819, स्वास्थ्य - 12,012, स्वावलम्बन - 8,053, सामाजिक - 6,626

● इस पूरे वर्ष में किये गए सेवा उपक्रमों की संख्या 70,380 है।

● इस वर्ष में 22,109 स्वच्छता के कार्यक्रम तथा 9,306 स्वास्थ्य शिविर हुए। 2,003 रक्तदान शिविरों में 1,26,927 यूनिट रक्तदान किया गया।

● नगरों की 11,659 व्यवसायी शाखाओं में सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हो गयी है। शाखाओं नें 11,990 बस्तियों में सर्वांगीण विकास करने का कार्य प्रारंभ किया है।

● इस वर्ष भी शाखा द्वारा शाखा के निकट नियमित सेवा कार्य की संकल्पना रखी गयी। अनेक स्थानों पर शाखा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित हुए।

● इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा संगम का आयोजन जयपुर में अपैल 7-9 को किया गया। पू. सरसंघचालक जी तथा मा.सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में सम्पन्न सेवा संगम में 698 संस्थाओं से 2,628 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। 497 महिला प्रतिनिधि थी।

● 2017 में प्रारम्भ एप तथा वेबसाइट 'सेवागाथा' अब 9 भाषाओं हिंदी, मराठी, कन्नड़, मलयालम, तेलुगु, गुजराती, ओड़िया, बांग्ला, व अंग्रेजी में उपलब्ध है। अभी तक 100 से अधिक सेवा कथाएं प्रकाशित हो गई है।

दक्षिण तमिलनाडु - **1)** 17 दिसंबर 2023 को आये बाढ़ के बाद स्वयंसेवकों ने सेवा भारती के माध्यम से राहत कार्य में योगदान दिया। लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना, पानी, अन्न, तथा अन्य जीवनावश्यक बातों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन तथा कुछ लोगों को उपजीविका के साधन भी दिए गए। 42 केन्द्रों से 3,45,000 भोजन पॅकेट्स तथा अन्य नित्य उपयोगी वस्तुएं वितरित की गयी। 90,000 परिवारों को राशन दिया गया। 3,775 स्वयंसेवक सहभागी हुए।

2) 12 जनवरी, विवेकानंद जयंती के अवसर पर स्वच्छ 'थूथुकुडी' स्वच्छता अभियान मे 1300 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कर्नाटक दक्षिण - **1)** गत 3 वर्षों से मंगलुरु महानगर के व्यवसायी शाखा तथा मिलन के कार्यकर्ताओं ने 27 में से 25 सेवा बस्तियों को दत्तक लिया है। वर्ष के प्रारम्भ में सर्वेक्षण किया गया तथा सेवा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गयी तथा प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुए। 15 बाल गोकुलम, भजन कार्यक्रम, परीक्षा के समय ट्यूशन तथा लेखन साहित्य का वितरण जैसे उपक्रम चल रहे है। भारत राष्ट्र निर्माण विद्या निधि के अंतर्गत 100 से अधिक विद्यार्थियों को आर्थिक मदत की गयी। स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का भी आयोजन किया गया। महीने में एक बार शाखा द्वारा सेवा बस्ती में जाने का क्रम चल रहा है तथा रक्षा बंधन एवं मकर संक्रमण के उत्सव भी संपन्न होते है। साथ ही भारत माता पूजन और रामोत्सव भी मनाएं गए। सहमिलन - सहभोज का कार्यक्रम वर्ष में एक बार होता है। परिणामत: सेवा बस्तीयों से बच्चों का पाठशाला में जाने का प्रमाण बढ़ा है और उनके पढाई में भी प्रगति दिख रही है।

स्वच्छता बढ़ी है और गलत आदतों में कमी आयी है। मतांतरण पर भी रोक लगी है तथा बस्तीयों में सौहार्द का वातावरण बना है।

2) स्वास्थ्य सेवा यात्रा उपक्रम के अंतर्गत शिवमोगा के 50 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य परिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। 500 से अधिक मेडिकल के छात्र तथा 100 से अधिक डॉक्टर सहभागी हुए। सेवित जनों की संख्या 6000 से अधिक रही। आवश्यक मरीजों को समुपदेशन, दवाईयां तथा अधिक चिकित्सा का प्रबंध विना मूल्य किया गया। स्वास्थ्य शिविरों में सहभागी होने के लिए छात्रों का नामांकन ऑनलाइन किया गया। प्रारम्भ भारत माता पूजन से हुआ। सभी डॉक्टर तथा कार्यकर्ताओं ने सेवा बस्ती में तैयार किये गए भोजन का आनंद लिया। शिविर के पूर्व शाखा सेवा कार्यकर्ता द्वारा सेवा बस्ती के 6,000 घरों से संपर्क किया गया। कुपोषण, रक्तदाब, तथा शुगर से पीड़ित मरीजों का पता लगाया गया था। NMO द्वारा ऐसे शिविरों का नियमित अंतराल से आयोजन की योजना बनी है।

मालवा – अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व ही दो महानगर इंदौर व उज्जैन की हर बस्ती को सेवा कार्य युक्त करने का संकल्प लिया । योजना को नाम दिया 'मेरी बस्ती – मेरी अयोध्या'। प्रत्येक सेवा बस्ती में प्रकल्प संचालन टोली बनाई गई। जुलाई 2023 तक इन्दौर की चयनित 353 बस्तियों में से मात्र 234 बस्तियों में सेवा गतिविधियाँ संचालित थी । कार्यकर्ताओं के सतत प्रयत्नों से दिसंबर माह में ही सभी 353 बस्ती कार्ययुक्त हो गई। 353 दैनिक तथा 177 साप्ताहिक मिलाकर कुल प्रकल्प 536 हो गए। उज्जैन महानगर ने भी 22 जनवरी से पूर्व सभी 124 सेवा बस्तियों को सेवायुक्त करने का संकल्प पूरा किया। प्रकल्प संख्या 190 है।

दि. 22 जनवरी को सेवा भारती इंदौर द्वारा श्री रामोत्सव मनाया गया। बस्तियों से आए 650 बालक बालिकाओं द्वारा संगीत, नृत्य, योग, दंड, अखाड़े आदि की सामूहिक प्रस्तुति दी गई। प्रकल्प संचालन टोलीयाँ, व दानदाता शुभचिंतक आदि 8000 से अधिक की संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा जी का सानिध्य व उनके आशीर्वचन सभी को प्राप्त हुए। मुख्य अतिथि के रूप में मोएरा ग्रुप के एक्जीक्यूटिव वाईस चेयरमैन श्री पवन जी सिंघानिया उपस्थित थे।

संपर्क विभाग

- इस वर्ष अखिल भारतीय स्तर से जिला स्तर तक विभिन्न 10 श्रेणी में कुल 1,68,987 की सूची में 95,315 महानुभाव से प्रत्यक्ष संपर्क हुआ है। देश में संपर्क विभाग में कुल 12,068 कार्यकर्ता हैं।

- संपर्क सूची में सहभागी व्यक्ति हेतु देश में 318 स्थानों पर 379 संघ परिचय वर्ग का आयोजन हुआ। 8,990 व्यक्तियों की सहभागिता रही। श्रेणीश: परिचय वर्ग कई स्थान पर हुए।

- अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव को 45,151 व्यक्तियों को मिलकर दिया गया और 12,680 व्यक्तियों को ईमेल से भेजा गया।

- विजयादशमी के उदबोधन पर संवाद कार्यक्रम 68 केंद्रों पर हुए। 3314 (2980 पुरुष, 334 महिला) प्रमुख व्यक्ति सहभागी हुए।

- पू. सरसंघचालक और मा. सरकार्यवाह के प्रवास में संपर्क विभाग के माध्यम से देश के गणमान्य महानुभावों को व्यक्तिगत मिलना हुआ।

- इस वर्ष देश में उपस्थित हुए विभिन्न सामाजिक विषयों पर समाज की सकारात्मक भूमिका तय होने हेतु संपर्क विभाग का सक्रिय सहभाग रहा। News Click Foreign Funds, सनातन के विरुद्ध घृणास्पद भाष्य, समलिंगी विवाह, समान नागरिक संहिता ईत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर समाज प्रबोधन करने हेतु संपर्क सूची के महानुभावों की अच्छी सहभागिता रही।

- अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, सेनाधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी तथा विदेश सेवा से जुडे महानुभावों से व्यक्तिगत संपर्क व बैठकों के माध्यम से राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा अच्छी सहभागिता बनी है।

- वार्षिक नियोजन हेतु जुलाई 2023 में चेन्नई में क्षेत्र संपर्क प्रमुख तथा अखिल भारतीय संपर्क टोली और सितंबर 2023 मे बंगलुरू में प्रांत संपर्क प्रमुख तथा प्रांत में अ. भा सूची प्रमुखों की बैठक हुई।

- विभाग केंद्र को मजबूत करने हेतु 25 फरवरी 2024 को भाग्यनगर में 22 महानगरों के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

- लक्षित कार्य (महिला, सिख, अनुसूचित जाति व जनजाति

आदि) के द्वारा स्थानीय समाज को साथ लेने के प्रयासों में विभिन्न स्थान पर कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इन वर्गों की सहभागिता निरंतर बढ रही है। रांची, चंडीगड व अन्य स्थानों पर इस विषय पर सकारात्मक बैठकें हुई।

● इस वर्ष विभाग केंद्र पर संगोष्ठी का लक्ष्य था। जूनागढ़ में बड़ी संगोष्ठी हुई।

● अन्य मतावलंबी और विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रमुखों से भी संपर्क हुआ।

● 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमी तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आये विशिष्ट महानुभावों की उपस्थिति में संपर्क विभाग की महती भूमिका रही। अयोध्या कार्यक्रम की प्रतिपुष्टि (feedback) हेतु छोटे गटों में बैठकों का आयोजन हो रहा है।

● देश के प्रमुख संस्थानों के निदेशक, कुलपति आदि से प्रत्यक्ष भेंट व कई स्थानों (बंगलौर, अगरतला, संबलपुर, मोतीहारी, लखनऊ, भाग्यनगर, आदि) पर गोष्ठियों का भी आयोजन हुआ।

● पुणे में 18 सितंबर 2023 को मराठा चेंबर ऑफ कॉमर्स अँड इंडस्ट्रीज द्वारा Philosophy of India's Economic Policies' इस विषय पर पू. सरसंघचालक जी का उद्बोधन आयोजित किया गया था । 300 से अधिक उद्योजक सहभागी हुए।

● कोलकाता और कई स्थानों पर प्रमुख खिलाड़ियों के साथ बैठक संपन्न हुई।

प्रचार विभाग

● **प. पू. सरसंघचालक प्रवास :–** दो दिवसीय प्रवास में मुंबई में मराठी व हिन्दी सिनेमा के निर्माता व निर्देशकों के साथ अनौपचारिक संवाद के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

● **मा. सरकार्यवाह प्रवास –** मिडीया/सम्पादकों के साथ संवाद – कोचि, कर्णावती, दिल्ली, पटना और भुवनेश्वर में सम्पादकों व राज्य प्रमुखों के साथ अनौपचारिक संवाद के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कुल 150 संपादक व समकक्ष महानुभाव सहभागी हुये।

● **क्षेत्रश: कार्यशाला –** प्रचार विभाग कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण व क्षमतावर्धन की दृष्टि से क्षेत्रश: दो दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 11 कार्यशालाओं में 838 कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

● सोशल मीडिया अखिल भारतीय बैठक – सोशल मीडिया के प्रान्त टोली कार्यकर्ताओं की बैठक बंगलुरु में 16 –17 दिसंबर 2023 को सम्पन्न हुई। 107 कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

● **साहित्य उत्सव –** वारंगल, मंगलूरू, धार, सीकर, काशी और गुवाहाटी में साहित्योत्सव सम्पन्न हुए। साहित्यकार, लेखक व समाज के लोगो ने अपार उत्साह से भाग लिया।

● 'साहित्यिक सृष्टि – भारतीय दृष्टि' लेखन कार्यशाला :– प्रचार विभाग मध्य क्षेत्र द्वारा उज्जैन में ज्वलंत विषयोंपर लेखन करने वाले स्तंभ लेखक, संपादक, पैनलिस्ट, ब्लॉगर, लेखक, साहित्यकार, रचनाकार, कथा–कहानीकार, यूट्यूबर, नवीन एवं पुरातन के लिए आधुनिकतम 'साहित्यिक सृष्टि – भारतीय दृष्टि' लेखन संवादशाला का 30 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 तक आयोजन किया गया जिसमें 80 संख्या उपस्थित रही।

● **साहित्य प्रसार :–** साहित्य प्रसार के प्रयोग भी अनेक प्रांतों में हो रहे हैं इस वर्ष ब्रज, हरियाणा, सौराष्ट्र, जयपुर और दिल्ली प्रांतों ने ही 1.25 लाख से अधिक पुस्तकों की बिक्री की है।

कई स्थानों पर पुस्तक मेला व अन्य कार्यक्रमो में पुस्तक स्टॉल लगाये जाते है।

आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में तेलगु साप्ताहिक जागृति के रामलला प्राण–प्रतिष्ठा विशेषांक की 4.5 लाख से अधिक प्रतियों की बिक्री हुई।

मालवा – निमाड की लोक कला, संस्कृति, देवता विशेषांक विमोचन

प्रभावी होती गतिविधियाँ

धर्म जागरण समन्वय

● देश के सभी संयोजक, सह संयोजक और धर्म जागरण समन्वय गतिविधि में काम करने वाले सभी प्रचारकों का 5 दिवसीय अभ्यास वर्ग 24 मई से 28 मई 2023 को संपन्न हुआ। 160 संख्या थी। वर्ग को संबोधन करने के लिए मा. भैयाजी जोशी और सह सरकार्यवाह मा. अरुणकुमार जी उपस्थित थे।

● जोधपुर प्रांत के सोनाना गांव में 2023 जुलाई 29 - 30 को सभी प्रांत प्रमुख एवं संयोजकों की बैठक हुई जिसमें 43 प्रांतो से 147 कार्यकर्ता उपस्थित थे। मा. सरकार्यवाह श्री दत्ताजी व पालक अधिकारी मा. भैयाजी जोशी ने पूर्ण समय रहकर मार्गदर्शन किया।

● इस वर्ष 241 यात्राएं निकाली। 1535 गांवो में 1,36,995 लाख लोगों से संपर्क हुआ। पश्चिम महाराष्ट्र के जागरण यात्रा में पू. सरसंघचालक ने यात्रा का अवलोकन किया और खंडोबा देवता का दर्शन लिया।

● 42 प्रांतों के 2 दिवसीय अभ्यास वर्ग हुए।

● आन्ध्रप्रदेश में 399 हिन्दु सम्मेलन के माध्यम से 4992 गांवो में से 1,57,205 हिन्दु सम्मिलित हुए । यात्रा में 720 संत एवं समाज के गणमान्य उपस्थित थे।

● विदर्भ प्रांत में महिला आयाम का 2 दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ, जिसमें 27 ज़िलों से 342 सक्रिय महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी।

मालवा – देवास जिले के खातेगांव तहसील में जामनेर ग्राम के रहिवासीयों के पूर्वज 40 वर्ष पूर्व रतलाम जिले के आंबा ग्राम से यहां आकर बस गये थे। लगभग 100 वर्ष पूर्व इनके पूर्वजों को मजबूरी में मुसलमान बनना पड़ा। अध्ययन में पता चला यह एक घूमंतू जाति है। बंदर और रीछ (भालू) के करतब दिखाकर अपनी रोजी रोटी कमाते थे। बंदर और रीछ को पालना कानूनन अपराध हो गया तबसे ये बेरोजगार हो गए। आज ये लोग कुर्सी, कंबल बेचकर अपना पेट भरते हैं। अपनी कुलदेवी माँ चामुण्डा (खोड़िया माताजी) का पूजन ये करते आ रहे हैं। विवाह आदि रस्में भी हिंदू जैसे ही निभाते हैं। कुछ महिलाएं मांग में सिंदूर भरती है और मंगलसुत्र भी पहनती हैं।

संत श्री रामस्वरूप दास जी के कथा कीर्तन सुनकर धीरे-धीरे उनका हिन्दु धर्म में आने का मन बनने लगा। धर्म जागरण के कार्यकर्ता दीपावली मनाने के लिए इस बस्ती में जाते रहे है। 35 परिवारों के 194 सदस्यों की घर वापसी हुई है।

काशी – प्रयाग दक्षिण भाग, देवप्रयागम नगर के शान्तिकुन्ज शाखा द्वारा अम्बेडकर बस्ती के सर्वेक्षण के पश्चात धर्मांतरण के समस्या ध्यान में आयी। बस्ती में कुल 12 परिवार मतांतरित हुए थे। बस्ती में धार्मिक उपक्रमों सहित विकास के अनेक उपक्रम चलायें गए। नित्य संपर्क तथा स्नेह बढ़ने से इन परिवारों का फिर हिन्दू धर्म अपनाने का मन बना। अब बस्ती में शंकर जी के मन्दिर का निर्माण भी हुआ है।

गो सेवा

● 2023 जुलाई से अक्टूबर तक पूरे देशभर मे गोसेवा गतिविधि के कार्य विस्तार और कार्यकर्ता विकास के लक्ष को लेकर वर्गों का आयोजन सम्पन्न हुआ। कुल 11 क्षेत्रों के 15 वर्गों में 43 प्रांतों से 1135 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इन वर्गों में गो सेवा के 11 आयामो का प्रशिक्षण हुआ। इन वर्गों में लगभग 22 कार्यकर्ताओं और 14 वैज्ञानिकों के व्दारा प्रशिक्षण दिया गया। इन वर्गों में संघ के कोई न कोई पालक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

● प्रांत स्तर पर हुए 88 प्रशिक्षण वर्ग में 2869 प्रशिक्षणार्थी तथा अन्य प्रशिक्षण वर्गो की संख्या 807 रही। उपस्थिति 14502।

● **विशेष प्रशिक्षण वर्ग** – गो सेवा और ग्राम विकास का पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र का विशेष प्रशिक्षण वर्ग मथुरा में नवंबर 25 से 28 तक आयोजित हुआ था। 382 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे वर्ग को चार गट में विभाजित कर प्रत्येक गट में दो-दो आयामों का प्रशिक्षण दिया गया। वर्ग में 13 वैज्ञानिक और विशेषज्ञ तथा गो सेवा और ग्राम विकास के 5 अ. भा. अधिकारी उपस्थित रहे । 28 नवंबर को प. पू. सरसंघचालक जी के उद्बोधन से वर्ग सम्पन्न हुआ।

● **गो पालन** – कुल घरों मे गोपालन – 51,549,
देशी गाय संख्या – 98,148

● **गो ऊर्जा** – बैल से खेती – 5681,
घरों मे गोबर गैस – 13,297

● **गो आधारित कृषि** – किसान संख्या – 19387,

भूमि – 44986 एकड़

● **गौशालाएं –** गौशालाएं सम्पर्क मे – 10,747

● **गो उत्पाद –** निमार्ण में जुटे कार्यकर्ता – 3297, विक्रय में जुटे कार्यकर्ता – 1549

● **गोमय गणपति निर्माण** – 90,380, घरों मे पूजन – 56,610

● **गोमय दीपक का निर्माण** – 37,92,195, घरों मे उपयोग – 3,40,920

● **गोपाष्टमी (मठ, मंदिर, आश्रम, संस्थानों मे) –** कार्यक्रम – 12,390, उपस्थिति – 3,27,712

● **गो नवरात्र** – स्थान – 1305, उपस्थिति – 46,149

● **गो विज्ञान परीक्षा** – स्थान – 829, परीक्षार्थी – 38,882

● **गो कथा** – स्थान – 825, उपस्थिति – 1,20,563

● **गो पूजा** – मठ–मंदिर–आश्रम गौशाला में – 18,268, उपस्थिति – 2,28,256

काशी –चुनार जिले में गो सेवा संगम संपन्न हुआ। 500 गो भक्तो की उपस्थिति के साथ ही माता – बहनों का भी सहभाग रहा। गो आधारित खेती करने वाले किसान, वैज्ञानिक गोचरण करने वाले एवं गो उत्पाद बनाने वाले लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को पूजन एवं हवन के बाद गो भक्तों को सम्मानित किया गया। समाज में जागरूकता की दृष्टी से गोविज्ञान परीक्षा हुई। 2500 लोगों की सहभागिता रही।

ग्रामविकास

● **चिंतन बैठक** – गत तीन – चार दशकों से देश में विभिन्न प्रकार से ग्राम विकास के कार्य हो रहे है। प्रांत में सक्षम प्रांत टोली रचना हो और आगामी कार्य योजना को ध्यान में रखकर एक चिंतन बैठक का आयोजन 2023 जून 26 और 27 को नागपुर में मा. सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले जी, आदरणीय भैयाजी जोशी और आदरणीय भागय्याजी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। ग्राम विकास के 7 आयाम के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। ग्राम विकास की अपनी अवधारणा, गांव चयन, मातृशक्ति का सहयोग, किरण – उदय – प्रभात गांव का मापदंड, आयाम में करणीय कार्य, प्रांत टोली, नगरीय कार्य, प्रशिक्षण – ऐसे विषयों में मार्गदर्शन मिला। पश्चात अगस्त माह में संपन्न हुई प्रांत संयोजकों की कार्यशाला में चिंतन बैठक के अनुवर्तन की विस्तृत चर्चा की गई।

● **चले गाँव की ओर** – 7 दिसंबर को मालवा प्रांत में ब्रह्मपुर जिला के वनांचल गाँव हरदा में आनंद उत्साह का माहौल था। मा. सरकार्यवाह जी ने गांव वालों से संवाद किया। ग्राम का सांस्कृतिक लोक नृत्य तथा ग्राम प्रदर्शनी का दर्शन एवं अवलोकन किया। ग्राम समिति द्वारा किये जा रहे विशेष कार्य जैसे जल संरक्षण एवं संवर्धन को प्रत्यक्ष जाकर देखा। तथा स्वावलंबन, पर्यावरण आदि आयाम में वहां किये जा रहे कार्यों की विस्तार से चर्चा की। प्रवास में संपूर्ण गाँव के सभी आयु वर्ग के 350 से अधिक ग्राम वासियों की सहभागिता रही। माननीय सरकार्यवाह जी के मार्गदर्शन से ग्राम कार्य – राम कार्य है ऐसे भाव जागरण हुआ। इसी प्रकार प. महाराष्ट के एक प्रभात गांव शिवे में भी मा. सरकार्यवाह जी का प्रवास हुआ। ग्रामदर्शन, चर्चा, संवाद हुआ। नवरात्री निमित्त गांव में चल रहे उत्सव में भाग लिया।

● फरवरी 21 से 25 तक प्रांत टोली का अ.भा. अभ्यास वर्ग देवगिरी प्रांत के सराला बेट में संपन्न हुआ। 271 कार्यकर्ता रहे। पू. सरसंघचालक, मा. सरकार्यवाह, मा. भैयाजी जोशी, मा. भागैयाजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। पूज्य रामदेव गिरिजीका का सान्निध्य मिला।

● **ग्राम संकुल स्वावलंबी योजना** – 10 से 15 गांव के समूह में स्वावलंबन की दृष्टि से समाज आधारित कम खर्चे में जरूरतमंद बन्धुओं को रोजगार का अवसर प्रदान करने का प्रयास 2014 से देश के 10 प्रांत का 15 संकुलों में हो रहा है। गत अक्टूबर माह में छत्तीसगढ़ प्रांत के सोनडीह पाली गांव में राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न हुई। अचार, सिलाई प्रशिक्षण, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल काम का प्रशिक्षण द्वारा लघु उद्योग का प्रारंभ, बाँस की खेती और बाँस से विविध प्रकार की वस्तुओं का निर्माण और बिक्री ऐसे प्रत्यक्ष स्वरोजगार का सृजन संकुलो में हो रहा है।

कर्नाटक उत्तर – कोप्पळ जिला के हनुमन गांव में संघ के स्वयंसेवक और ग्राम विकास समिति द्वारा व्यायामशाला, मातृमंडली, एकल विद्यालय, दीपक पूजन आदि कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप गांव व्यसनमुक्ति के ओर बढ़ रहा है।

आंध्र प्रदेश – प्रांतीय कार्यशाला में 85 गांव से 108 कार्यकर्ताओं ने दो दिन भाग लिया। जैविक खेती, स्वास्थ्य, समरसता, स्वावलंबन विषयों के साथ गोपूजन, भूमि सुपोषण, भजन, प्रभात फेरी का प्रशिक्षण भी दिया गया।

गुजरात – नडियाद विभाग के मानली गांव में ग्राम समिति की योजना से 28 महिला बचत गट बने है। इस के माध्यम से फूल,

सब्जी, मशरूम और चंदन की खेती और नर्सरी करते हैं। खुद ही बिक्री करते हैं। मोटर चलाने के लिए सौर उर्जा और सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लागू किए हैं। विषमुक्त खेती के लिए गांव में 200 वर्मी कंपोस्ट बेड बने हैं। कार्बन मुक्त गांव बनाने के लिए 103 बायोगैस प्लांट है। भजन मंडली और सत्संग केंद्र से सामाजिक संस्कार हो रहा है। शिक्षा और संस्कार के लिए गांव में बाल संस्कार केंद्र और अभ्यासिका चल रही है। स्वास्थ्य के लिए हर घर औषधि और दो स्थान पर आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र है। पर्यावरण के सुरक्षा हेतु गांव में प्रतिवर्ष 2000 से ज्यादा वृक्षारोपण और सुरक्षा की व्यवस्था होती है। गांव में सभी जाति के लोग बिना भेदभाव मिलजुलकर रहते हैं।

सौराष्ट्र – कच्छ विभाग का अटल नगर – चपेरडी ग्राम समिति के द्वारा वृक्षारोपण, जलसंचय, ग्राम स्वच्छता, हनुमान चालीसा केंद्र, भजन मंडली, सुवाक्य लेखन, तालाब सफाई, गोचर सफाई, ऐसे निरंतर चलने के कारण गांव में परिवर्तन दिख रहा है।

विदर्भ – यवतमाल जिला का कृष्णापुर उदय गांव में ग्राम पंचायत के निर्णय अनुसार ग्राम में कोई भी छोटे–मोटे कार्यक्रमों में और घरों में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करते है।

मालवा – बुरहानपुर जिले के आदर्श ग्राम हरदा में लंबे समय से ग्राम विकास एवं स्वावलंबन का काम हो रहा हैं। जनजातीय बाहुल्य इस ग्राम में जनसहयोग से पंद्रह वर्ष पहले तालाब का निर्माण किया गया था जो आज भी खेती के लिए सहायक बना हुआ हैं। ग्राम में गौ आधारित स्वावलंबन की दिशा में भी अच्छे प्रयास हो रहे हैं। ग्राम एवं इसके आसपास डेढ़ लाख सीताफल के पेड़ लगाए हैं जो रोजगार का उत्तम साधन बने है। ग्राम आज सभी व्यसनों से दूर है और परंपराओं का संरक्षण कर रहा है। ग्राम के सभी निवासी एक दुसरे के सुख–दुख में साथ रहते है तथा सहयोग के लिए तैयार रहते हैं। एक आदर्श ग्राम के लिए जो भी कल्पना हो सकती है वह यहाँ देखी जा सकती हैं। मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास दौरान ग्राम वासियों ने लोक संस्कृति एवं पारंपरिक उत्सवों का प्रकटीकरण कर अपनी प्राचीन और लोक मंगलकारी परम्परा से परिचित करवाया।

जयपुर – जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों में कुल 166 गांव से 417 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ता परिवार भ्रमण कार्यक्रम मे 27 परिवारों से 71 बन्धूओं ने विविध प्रकल्प दर्शन किए तथा अध्ययन किया। सितंबर में संपन्न हुई संत समावेश में 62 संत उपस्थित रहे।

पूज्य अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामीजी का सानिध्य प्राप्त हुआ। अक्टूबर माह में ग्रामीण खेलकूद स्पर्धा का आयोजन हुआ। 106 गांव में आरोग्य मित्र का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

जयपुर प्रांत प्रभात ग्राम ➡

कुटुम्ब प्रबोधन

● **'वसुधैव कुटुम्बकम'** का दिव्य ध्येय साकार करने के लिये, अपने घर में, अडोस पडोस के पांच – दस परिवारजनों के साथ एवं अपना परिवार चलाने के लिये जिस व्यक्ति, परिवार, संस्था से संबंध आता है, उन सभी के साथ प्रेम – आदर – विश्वास स्थापित करने का प्रयास 'कुटुम्ब मित्रों ' के माध्यम से चल रहा है। प्रांतो में कुटुंबमित्र नियुक्त होते है। कुल 1,25,000 है।

● **भारत माता पूजन –** कुटुम्ब मित्रों ने अपने तथा संपर्कित परिवारों में 12 से 26 जनवरी तक 'भारत माता पूजन' के कार्यक्रम आयोजित किये।

● **आयु अनुसार उपक्रमों में –** बालक – बालिकाओं को कथा, खेल, श्लोक, स्तोत्रपाठ, जन्मदिन भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखकर मनाना, मोबाइल का विवेकपूर्ण उपयोग करना आदि द्वारा संस्कारित परिवार का वातावरण निर्माण किया जा रहा है। घर तथा सामाजिक कार्यक्रमों, बैठकों में 'मोबाईल पार्किंग स्थल' संकल्पना का अच्छा परिणाम दिखाई दे रहा है। विवाह पूर्व आयु के युवक युवतियों के साथ बातचीत, 'नव दंपति' सम्मेलन तथा 'प्रौढ़ दंपति' और कुटुम्ब मिलन में मंगल संवाद, दैनंदिन जीवन में देशभक्ति, मेजर ध्यानचंद, राष्ट्रकवि सुब्रह्मण्य भारती के जन्मदिन को विविध परिवारजनों के साथ मनाना, जीवनमूल्यों को आचरण में लाना आदि चर्चा तथा विविध खेलों द्वारा सद्गुण संवर्धन और दुर्गुण त्याग की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

● **समुपदेशन** – तज्ञ व्यक्तियों द्वारा पारिवारिक समस्याएँ, वाद-विवाद से उत्पन्न तनाव से राहत देने में सहायता करते है।

● **समाज के संत सज्जन वृंद के साथ संपर्क** – पूज्य स्वामी गोविन्ददेवगिरी जी, रामकृष्ण मठ के स्वामी निखिलेश्वरानंद जी, गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पंड्या जी, वृंदावन के श्री विजय कौशल जी, रा. स्व. संघ. के श्री भैय्याजी जोशी जी आदि की उपस्थिति में 'कुटुम्ब – व्यक्तित्व विकसन का प्रभावी केन्द्र' विषय पर दिल्ली में 19 मार्च 2023 को चिंतन बैठक संपन्न हुई।

● **खेलेंगे खेल तो परिवार में मेल** – खेल बैंक डिजिटल लिंक का लोकार्पण समारोह सम्मेद शिखर, पारसनाथ में गट प्रमुख बैठक में संपन्न हुआ।

● **'श्रेष्ठ संतान – राष्ट्र कल्याण'** – भारत के 44 प्रांतों में अपने सुविधा नुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, तुलसी विवाह, मातृ पितृ वंदना, नवदंपति के मिलन में 'श्रेष्ठ संतान – राष्ट्र कल्याण' पर संवाद, धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थान पर यात्राओं के साथ कुटुंब मित्रों के प्रशिक्षण हेतु अभ्यास वर्ग का आयोजन किया जाता है।

● ऐसे विविध उपक्रमों द्वारा अपना घर **भक्तिमय – शक्तिमय – आनंदमय** बनाने के लिए संपूर्ण भारत में 1,25,000 से अधिक कुटुम्ब मित्र सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

उत्तराखण्ड – देहरादून, में मा. सरकार्यवाह जी की उपस्थिति में दि. 23 दिसंबर 2023 संस्कृति की रक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध इन पाँच विषय को लेकर 'मंगल संवाद' कार्यक्रम में महानगर के जेष्ठ स्वयंसेवक एवं नगर कार्यकारिणी पर्यन्त 375 स्वयंसेवक परिवारों के 950 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर पंच परिवर्तनों से सबंधित ध्येय वाक्य, चित्ताकर्षक रंगोली बनायी थी तथा मार्ग के मध्य में भारत माँ, भगवान श्रीराम का प्रेरणादायी चित्र था। परिसर दीपकों की रोशनी से जगमगाया गया था। पंच परिवर्तन के प्रमुख बिन्दु एवं देवभूमि के चार धामों से युक्त एक कैलेन्डर तैयार किया गया था जिसे देहरादून नगर के प्रवासी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम पूर्व परिवारों में जाकर दिया तथा सभी सदस्यों कों साथ बिठाकर कैलेन्डर मे उल्लिखित बिन्दुओं पर चर्चा की थी।

अवध – लखनऊ विभाग के कुटुंब प्रबोधन गतिविधि द्वारा 'कुटुंब मित्र अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। विभाग टोली ने इस हेतु प्रत्येक नगर में प्रवास कर संभावित कुटुंब मित्रों की सूची बनायीं। इसमें मातृशक्ति का भी समावेश था। नगर में चयनित सूची के बंधु – भगिनी के साथ वार्ता कर उनको कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की सामान्य जानकारी दी गयी तथा 9 करणीय कार्य का पत्रक भी दिया गया। वर्ग में 44 में से 32 नगरों के 285 कार्यकर्ता उपस्थित थे जिसमें 101 बहनों का समावेश था। वर्तमान में कुल 44नगरों में 459 कुटुंब मित्र कार्य कर रहे हैं। 52 स्थानों पर कुटुंब मित्रो के माध्यम से साप्ताहिक/ पाक्षिक सत्संग प्रारम्भ हुए है।

काशी – **1)** काशी महानगर द्वारा दिनांक 24 दिसंबर 2023 को कुटुंब मित्र मिलन का आयोजन किया गया। इसमें काशी के 800 कुटुंब मित्रों की सपरिवार सहभागिता रही। कार्यक्रम की शुरुआत काशी के वेद विद्वानों द्वारा वेद मंत्रों के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूजनीय स्वामी श्री जीतेंद्रानंद सरस्वती जी ने की। कार्यक्रम में डॉ. रविन्द्र जोशी अखिल भारतीय कुटुंब प्रबोधन संयोजक उपस्थित रहे। **2)** काशी दक्षिण भाग के केशव नगर के द्वारा मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन दिनांक 23 दिसंबर 2023 को किया गया। 370 मातृशक्ति की सहभागिता रही। डॉ. रविन्द्र जोशी जी का मार्गदर्शन मिला। **3)** प्रयाग दक्षिण भाग के कल्याणी नगर में दिनांक 30 सितम्बर 2023 को कुटुंब मित्र सम्मलेन हुआ। 575 कुटुंब मित्रों की सहपरिवार सहभागिता रही। इस्कान मंदिर के स्थानीय अध्यक्ष ने सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

सामाजिक समरसता

● **भगवान वाल्मिकी श्री रामतीर्थ ज्योती यात्रा** – पंजाब एवं उत्तर क्षेत्र के रामलीला समितीयों को अमृतसर स्थित भगवान वाल्मिकी श्री रामतीर्थ आश्रम से ज्योती ले जाने का आवाहन किया गया। रामलीला के प्रथम दिन उसी ज्योती से आरती के बाद ज्योती को 9 दिन अखंड प्रज्वलित रखा गया। 112 रामलीलाओं ने इस कार्यक्रम में सहभाग लिया।

● **कथावाचक सम्मेलन, मालवा** – नीमच में प्रांत के प्रमुख कथावाचकों का सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें एक मंदिर, एक स्मशान, एक जलस्त्रोत, एक पंगत के लिये कार्य करने एवं अनुसूचित समाज के बंधूओं के विवाह इ. मांगलिक कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इसलिये कार्य करने का निश्चय किया गया। सम्मेलन में 48 कथावाचक सहभागी हुए। साध्वी ऋतंभरा जी की विशेष उपस्थिति रही।

● **समरसता सम्मेलन, आंध्र प्रदेश** – 5 स्थानों पर समरसता सम्मेलन संपन्न हुये। सम्मेलन में समाज के सभी वर्ग, धर्माचार्य, पंडित, प्रवचनकार, प्रशासक, गणमान्य व्यक्ति सहभागी हुये।

● **गुजरात प्रांत गोष्ठी** – पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में अनुसूचित समाज से गणमान्य व्यक्तीयों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में 50 निमंत्रित उपस्थित रहे। पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के जीवन पर आयोजित प्रश्न मंजुषा में 936 युवाओं ने भाग लिया।

● **महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी उत्थान परिषद** – यह परिषद 30 सितंबर को मुंबई में संपन्न हुई। इसमें प्रत्यक्ष नाली मे उतरकर स्वच्छता कार्य की रोकथाम, कर्मीयों का पुनर्वास, आवास, आधुनिक मशिनरी के उपयोग तथा अनुसंधान जैसे विभिन्न मुद्दों पर विचार हुआ। राज्य से 480 कर्मचारी प्रतिनिधि, संगठन प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे। देश में 156 स्थानों पर स्वच्छता कर्मियों के लिये कार्य चल रहा है।

● **आरक्षण बचाव अभियान** – धर्मांतरित हुए पूर्व के अनुसूचित जाती के लोगों को आरक्षण देने की मांग का विरोध करने हेतू देशभर में व्यापक अभियान हुआ। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों की 3,000 संस्थाएं इस अभियान में सहभागी हुई। तेलंगणा में 600, उत्तर तमिलनाडू में 172, पंजाब में 124, दक्षिण तमिलनाडू में 80, हरियाणा में 57, गुजरात में 54, हिमाचल में 49, दिल्ली में 48, मेरठ में 25, जम्मू काश्मीर में 18, उत्तराखंड में 4, काशी में 2 संस्थाओं ने इसमें सहभाग लिया। इन 4500 में से अनेक संस्थाओं ने अपने स्वतंत्र ज्ञापन भी दिये।

● **समरस ग्राम** – देशभर में 1419 समस्याग्रस्त क्षेत्र निश्चित किए गये है। वहां एक मंदिर, एक स्मशान, एक जलस्त्रोत के लिये एवं विषमता की अन्य समस्याएं सुलझाने के लिये प्रयास किए जा रहे हैं।

कर्नाटक दक्षिण – पुत्तूर जिला में सामाजिक समरसता के कार्यकर्ताओं ने गत 2 वर्ष से दीपावली के समय 'तुडर' (तुळू भाषा में तुडर याने उजाला) कार्यक्रमों का आयोजन किया। गांव के मुख्य मंदिर के गर्भगृह में रखे दीपक से दीपक जलाकर बिना किसी भेद भाव के, सेवा बस्ती के घरों से लेकर सभी घरों में दिया जाता है। घर की गृहिणी अपने अन्य परिवार के सदस्यों के साथ इसको स्वीकार करती है तथा अपने घर का दीपक उससे जलाती है। भजन, गो पूजन तथा सह भोज के कार्यक्रम भी होते है। इस वर्ष 'तुडर' कार्यक्रम जिले के 59 मंदिरों में हुए। प्रतिष्ठित मठों के 32 स्वामीजी ने सहभागी होकर सबको आशीर्वाद दिया। जो तथाकथित दलित परिवार ईसाई बने थे ऐसे परिवारों ने भी अपनेपन से सहभाग लिया तथा कृतज्ञता व्यक्त की। अभी 70 % दलित बस्तियों में सकारात्मकता बढ़ी है। कजेकर सेवा बस्ती में गत 3 वर्षों के प्रयत्न के कारण गाव वालों ने मिलकर 40 वर्ष पुराने जर्जर सत्यसारमणि मंदिर का जीर्णोद्धार किया। इससे गांव में समरसता का वातावरण बना तथा अनेक वर्षों से प्रलंबित जमीनी कागजात का हस्तांतरण हो पाया।

पर्यावरण संरक्षण

संगठनात्मक संरचना – 45 प्रान्तों में से 44 में संयोजक नियुक्त है। कुल प्रान्त टोली कार्यकर्ता 578 है। विभाग संयोजक 220, जिला संयोजक 918 तथा महानगर संयोजक 200 है।

कार्यशाला एवं प्रशिक्षण – 1) SIP (Social Internship Program) – 75 विश्वविद्यालयों के 4000 से अधिक विद्यार्थियों का प्रतिमाह ऑनलाइन प्रशिक्षण पिछले तीन वर्षों से चल रहा है। 100 विद्यार्थी पर्यावरण प्रहरी बनकर सक्रिय कार्य कर रहे हैं।

2) रक्षा विभाग में एक कार्यशाला आयोजित की गयी। लगभग 300 सेना अधिकारीयों एवं परिवार के सदस्यों के समक्ष इको ब्रिक्स बनाने, कचरा विभाजित करने, रसोई के कचरे से खाद बनाने तथा बायोएंजाइम बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। 350 विद्यालयों में इको ब्रिक की कार्यशालाएं आयोजित की गयी।

3) दो कार्यशालाएं आयोजित की गई। 270 पुलिस कर्मियों के साथ तथा प्रदेश के NSS के लगभग 210 जिला प्रमुखों के साथ। इस में राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य प्रमुख श्रीमती नीता बाजपेयी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

1) राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता (NSPC–2023) – पर्यावरण पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन किया गया। जिसमें 103 देशों के 72,000 शिक्षण संस्थानों से 6 लाख 60 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2) 'एक पेड देश के नाम' अभियान अंतर्गत देश में लगभग 575 सघन वन सामाजिक सहभागिता से लगाये गये। राजस्थान में 300 से अधिक सघन वन अभी तक लगे हैं । कुल 35,514 घरों में बीजारोपण कर पौधे लगाये गए।

विशेष कार्यक्रम

कर्नाटक दक्षिण – बंगलुरु के बड़े अपार्टमेंट काम्प्लेक्स (Prestige Song of the South) में कुल 2,300 फ्लैट है।

कार्यकर्ताओं के प्रयास से सभी फ्लैट लगभग 7,000 नलों में एरिएटर लगाए गए जिससे प्रतिवर्ष 12.60 लाख लीटर पानी की बचत होती है। मिशन विद्युत – नित्य व्यवहार में परिवर्तन कर विद्युत संरक्षण के छोटे-छोटे विभिन्न प्रयासों के माध्यम से मासिक बचत 1 लाख 97 हजार रुपये तथा वार्षिक बचत 23.69 लाख हुई। इस अभियान में 271 ट्यूबलाइट्स, 1911 बल्ब्स का उचित नियोजन करके 1840 यूनिट प्रतिदिन तथा 6.71 लाख यूनिट वार्षिक विद्युत की बचत की गई।

मालवा – देवास के शंकरगढ़ पहाड़ी पर 50 हजार बीजारोपण किया गया। दादा, दादी, माता, पिता आदि के जन्मदिवस, पुण्यतिथि एवं अन्य स्मृति अवसरों पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए सर्व समाज की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण के प्रयास किये गए। इस अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, संघ के विविध संगठनों आदि की सहभागिता से अब तक 2 लाख से अधिक पौधारोपण किया गया है।

मालवा – धार स्थित महाराजा भोज कालीन जल स्त्रोतो की स्वच्छता एवं रख रखाव हेतु पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के कार्यकर्ताओं ने नगर के सभी सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक संगठनों से आह्वान किया। एक वृहद बैठक कर योजना तैयार की गई। समाज की सहभागिता से लगातार 5 सप्ताह तक प्रति रविवार 3-4 घण्टे नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों, स्वयंसेवको सहित 20 से अधिक संस्थाओं, संगठनों के सैकड़ो नागरिकों ने अभियान में सहभागिता की। 5 सप्ताह में 13 बावड़ी, 1 तालाब की सफाई कर लगभग 60 ट्रॉली कचरा निकाला गया। 5 जून(विश्व पर्यावरण दिवस) पर पर्यावरण प्रेमियों का एकत्रीकरण कर 'एक पेड़ देश के नाम' अभियान प्रारम्भ हुआ।

जोधपुर – प्रान्त में पर्यावरण जन चेतना यात्रा का आयोजन हुआ। स्थान स्थान पर 101 जोत से औरण आरती, वाहन रैली, सरोवर पूजन, पर्यावरण कलश यात्रा, 'धरती माता की करूण पुकार' नाटिका का मंचन, पर्यावरण संरक्षण की शपथ आदि कार्यक्रम हुए और अन्त में 7 विभागों से पर्यावरण जन चेतना रथ की खेजड़ली गाँव की ओर समापन के लिए रवानगी हुई। यात्रा दरम्यान 2142 गावों में 974 सभाएं हुई। 217820 जन सहभागी हुए। 2579 पर्यावरण प्रहरी को सम्मानित किया गया। 1580597 पौधों का रोपण किया गया। 1356 विद्यालयों का सहभाग रहा तथा 154 संत व कथावाचक एवं 222 स्वयंसेवी संस्थाओं का सहभाग रहा। जिलानुसार यात्रा ने कुल 14785 किलोमिटर पार किये।

जोधपुर – जैसलमेर तथा फलौदी जिले में ओरण-गोचर बचाओ अभियान (ओरण – जो जमीन देवता की मानी जाती है और जहां पशु चरने जाते है) के अंतर्गत 3 ओरण महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम – प्रातः ओरण भूमि की सीमा को दूध की धार से सींचना, इसके पश्चात सर्व समाज मिलकर परिक्रमा करना, सांयकाल उत्सव में सम्मिलित श्रद्धालुओं द्वारा लाये गए घी से महाआरती करना तथा अंत में महाप्रसाद के साथ समापन। प्रत्येक महाआरती में पांच से सात हजार जन समुदाय की भागीदारी रही।

प्राचीन जलस्त्रोतों के संरक्षण के जनजागरण हेतु समाज को एकत्र कर सरोवर पूजन के 25 कार्यक्रम किये गए। प्रत्येक कार्यक्रम में जलस्त्रोत को स्वच्छ करके 101 ज्योत के साथ पूजन किया गया।

दिल्ली – नवंबर-दिसंबर 2023 में प्रान्त के कुल 30 जिलों में से 24 पर्यावरण संगम किये गए। लगभग 125 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा लगभग 800 पर्यावरण क्षेत्र में सक्रिय बंधुओं का एकत्रीकरण हुआ जिसमें मातृशक्ति की संख्या 350 रही।

पंजाब – गतिविधि तथा आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संयुक्त तत्वाधान में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में 'जल संवाद' कार्यशाला का आयोजन किया गया। 151 कार्यकर्ताओं को विश्वविद्यालय के प्राध्यापक तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा जल संरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया।

काशी – प्रताप शाखा के स्वयंसेवक एवं समाज के बंधुओं द्वारा वाराणसी स्थित प्राचीन पहाडियां तालाब की सफाई का अभियान लिया गया। नगर निगम के अधिकारीयों का भी सहयोग मिला। तालाब के निकट कालोनीयों के लोगों में जागरूकता अभियान किया गया। गत 10 वर्षों के लगातार प्रयास से अब तालाब स्वच्छ हो गया है। प्रतिदिन सायंकाल समाज के लोगों द्वारा आरती होती है।

दक्षिण बंग – महाराष्ट्र मंडल, कोलकाता में 19 से 29 सितंबर 2023 तक पर्यावरणमूलक एवं पर्यावरण पूरक गणेश उत्सव मनाया गया। लगभग 300 किलोग्राम निर्माल्य तथा 50 किलोग्राम सब्जी के छिलकों की खाद बनाई गयी। विभिन्न पुष्पों व निम्बू के छिलकों से 6 ड्रम (प्रत्येक 15 लीटर) बायोएंजाइम तैयार किया गया। 2 माह पश्चात तैयार खाद एवं बायोएंजाइम को भक्तों में 'वेस्ट से बेस्ट' के सन्देश के साथ वितरित कर दिया गया। जनजागरूकता के परिणामस्वरूप स्थानीय अपार्टमेंट के सदस्य रसोई का कचरा तथा पुष्पों से खाद एवं बायोएंजाइम बनाने में रूचि ले रहे है।

प्रान्तों के विशेष कार्यक्रम

केरल – **1)** 100 वर्ष पूर्व कोट्टयाम वायकोम में महादेव मंदिर परिसर के रास्तों को तथाकथित अस्पृश्यों के लिए खोलने के लिए सत्याग्रह हुआ था। ये मार्च 30, 1924 को प्रारम्भ होकर 600 दिन बाद नवंबर 23, 1925 को समाप्त हुआ था। सम्पूर्ण हिन्दू समाज ने एकत्रित आकर साम्प्रदायिकता तथा अस्पृश्यता के विरुद्ध इस लड़ाई में विजय पायी थी। इसी की शताब्दी के अवसर पर कोट्टयाम विभाग के कार्यकर्ताओं ने 6 अक्तूबर 2023 को पूर्ण गणवेश में सांघिक का आयोजन किया। मा. सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले तथा मा. क्षेत्र संघचालक श्री वन्नीराजन जी, मा. प्रांत संघचालक श्री के. के. बलराम एवं विभाग संघचालक श्री पी. पी. गोपी उपस्थित थे।

सभी 643 स्थानों के लिए पालक नियुक्त किये गए। मा. विभाग संघचालक जी द्वारा लिखा पत्र सभी को दिया गया जिसमें सत्याग्रह का महत्त्व वर्णित था। 1865 गट नायक नियुक्त किये गए। शाखा बैठक, उपस्थिति दिन, मंडल बैठक और खंड बैठकों का आयोजन किया गया। एक ही स्थान पर निरंतर 10 दिन तक प्रवास करने वाले 500 कार्यकर्ता नियुक्त हुए। 582 स्थानों पर 8453 गणवेश की पूर्ती हुई 5722 स्वयंसेवक सांघिक में उपस्थित रहे।

सामाजिक परिवर्तन तथा केरल के सांस्कृतिक विशेषता का वर्णन करने इस कार्यक्रम के लिए रचित गीत का सभी ने सांघिक गायन किया। सामान्य जन को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था के बिना कार्यक्रम संपन्न हुआ। कोट्टयाम जिले के 100 प्रतिष्ठित सज्जन तथा वायकोम सत्याग्रही के वंशजों को विशेष निमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम के पश्चात मा. सरकार्यवाह जी ने सभी से वार्तालाप किया।

2) तिरुअनंतपुरम ग्रामीण जिला के विद्यार्थी विभाग द्वारा अखंड भारत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के पूर्व 52 मंडलों के 94 स्थानों पर युवाओं में नशा की समस्या को लेकर जनजागरण किया गया। 21 महाविद्यालयों में भी प्रचार हुआ। नुक्कड़ नाटिका, रॅली तथा नुक्कड़ सभा के माध्यम से जन जागृति की गयी। 5000 पत्रक भी वितरित किये गए। दि. 23 अगस्त 2023 को जिला केंद्र, निय्यतिनकरा में संपन्न हुए कार्यक्रम में 1638 विद्यार्थी सहभागी हुए। सभी ने देश को समृद्ध बनाने तथा अखंड बनाने की शपथ ली एवं नशामुक्त समाज निर्मिती में चल रहे प्रयासों में सहभागी होने का संकल्प किया।

तेलंगाणा – **1)** भाग्यनगर के आय.टी. मिलन टोली ने अपने कार्य को प. पू. सरसंघचालक जी के दि. 17 फरवरी 2024 प्रवास के पूर्व 100 मिलन तथा 75 बालगोकुलम तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा था। इसी दिन कार्यकर्ताओं के परिवार सम्मलेन की भी योजना थी। परिवार सम्मलेन में सहभागी होने के लिए नवंबर से फरवरी तक कम से कम 5 बार मिलन में जाना अनिवार्य था तथा बाल गोकुलम प्रमुखों को भी न्यूनतम 5 बार बाल गोकुलम को लेना अनिवार्य था। इस दरम्यान 21 नए मिलन प्रारम्भ हुए। वर्तमान में 91 मिलन तथा 57 बाल गोकुलम चल रहे है। कोफॅक्स इंडिया के जनरल मॅनेजर तथा एम.डी. श्री श्रीनिवास रेड्डी जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथी थे। प. पू. सरसंघचालक जी से पाथेय पाया।

2) भाग्यनगर महानगर के घोष विभाग ने पू. सरसंघचालक जी के सामने 80 मिनिट तक अविरत घोष वादन का लक्ष्य रखा। 'स्वर झरी' यह कार्यक्रम दि. 15 फरवरी 2024 को संपन्न हुआ। इसमें भाग लेने के लिए गुणवत्ता के आधार पर 81 स्वयंसेवकों का चयन किया गया। अलग अलग वाद्यों की रचनाओं को प्रस्तुत किया। इसमें शंख की 17, वेणु – 11 तथा आनक की 2 विशेष रचनाओं के साथ 7 रचनाएं प्रस्तुत की गयी। त्रिशूल और शिव लिंग, राम मंदिर, तेजस वायुयान को दर्शाने वाले तथा अन्य भी आकार वादन के साथ साथ प्रस्तुत किये गए। तेलगू सिने जगत के प्रसिध्द सिने दिग्दर्शक श्री एम. एम. कीरावाणी की अध्यक्षता में संगीत जगत के 32 अन्य कलाकार कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दर्शक संख्या 3540 रही।

सौराष्ट्र – **1)** कच्छ जिले में 2 नवंबर 2023 को 10,230 गणवेश में तरुणों का विराट महाकुम्भ 'कच्छ विभाग एकत्रीकरण' संपन्न हुआ। इस एकत्रीकरण में रापर–कच्छ के श्री रविभाण संप्रदाय गादि के महंत पू. त्रिकालदासजी महाराज के आशीर्वचन प्राप्त हुए तथा सह सरकार्यवाह श्री अरुणकुमार जी का मार्गदर्शन हुआ। विभाग के कुल 110 मंडल में से 109 मंडल, 120 बस्ती में से 111 बस्ती, की उपस्थिति रही। 1,600 कार्यकर्ताओं ने चार माह में 850 गांवों में प्रवास किया और कुल 20,000 लोगों से संपर्क हुआ, 15,000 लोगों का पंजीकरण हुआ और 8000 से अधिक नए गणवेश हुए। एकत्रीकरण में 33 गांव से 100 और 06 गांव से 200 से अधिक गणवेश में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

2) प. पू. सरसंघचालक के प्रवास में कच्छ के भुजोड़ी गाँव मे स्थित वंदे मातरम मेमोरियल में शुभेच्छा भेट हुई। आशापुरा फाउंडेशन मेमोरियल में भारत के स्वातंत्र्य संग्राम के इतिहास एवं कच्छ की पारंपरिक ग्रामीण लोककलाओं का प्रदर्शन हुआ। भूज के रणजीत विलास पेलेस में महारानी प्रीतिदेवी से शुभेच्छा भेंट हुई।

महाकौशल – **1)** प्रांत में मकर संक्रमण उत्सव निमित्त मंडल एकत्रीकरण की योजना बनी। खंड स्तर पर बैठक, मण्डल पालकों की रचना, खंड अभ्यास वर्ग में बौद्धिक कार्यक्रमों का अभ्यास, शाखा टोली बैठक, शाखा बृहद बैठक, गटनायक बैठक संपन्न कराने की चरणबद्ध योजना बनायी गयी । 14 – 15 जनवरी को हुए मंडल एकत्रीकरण में 2,838 में से 1,843 मंडल, 894 में से 774 बस्तीयों में उत्सव हुआ। 1,812 में से 1,602 शाखाओं का प्रतिनिधित्व हुआ। इसमें 35,452 तरुण, 12,226 बाल, 4,223 शिशु उपस्थित रहे। 3,404 मातृ शक्ति की सहभागिता तथा 55,812 कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधित्व हुआ। उत्सव के परिणामस्वरूप 217 कार्यविहीन मंडल कार्ययुक्त हुए और 234 शाखाएं बढ़ी।

2) सतना विभाग ने महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में संघ कार्य का विस्तार करने की दृष्टि से विभाग स्तर पर 2, 3, 4, फरवरी 2024 को महाविद्यालयीन विद्यार्थी शताब्दी शिविर का आयोजन किया था। पूर्व तैयारी हेतु 2 से 4 जनवरी को 108 शिक्षकों का वर्ग हुआ। शिविर परिसर का नाम 'समर्थ रामदास' के नाम पर रखा गया तथा प्रत्येक आवास कक्ष के बाहर शिवाजी महाराज के 40 किलों के नाम एवं उनकी जानकारी हस्तलिखित लगाई गई। विभाग के चारों जिलों से कुल 1144 शिक्षार्थी सहभागी हुए। विभाग के सभी 04 जिलों, 26 खण्ड के चिन्हित 40 स्थानों का प्रतिनिधित्व रहा। हिंदवी स्वराज्य एवं संघ का क्रमिक विकास को दर्शाने वाली प्रदर्शनी, भारत माता की झांकी एवं राममंदिर की प्रतिकृति भी परिसर में लगाई गई। शिविर का प्रकट उत्सव 4 फरवरी दोपहर हुआ जिसमें समता, दंडयोग, व्यायाम योग, आसन का सामूहिक प्रदर्शन पूर्ण गणवेश में हुआ। मुख्य अतिथि पर्वतारोही श्री रत्नेश पाण्डेय रहे। विशिष्ट अतिथि श्री मनीष गेई रहे। शिविर के निमित्त विभाग में 30 नयी महाविद्यालयीन शाखा तथा 32 मिलन प्रारंभ हुये।

छत्तीसगढ़ – रायगढ़ विभाग में भगवान महावीर स्वामी जी के 2550 वें निर्वाण महोत्सव के अवसर पर 6 दिसंबर 2023 को भगवान महावीर स्वामी जी की दिग्दर्शिका का विमोचन किया गया। उनके जीवन संदेश को समाज में पहुंचाने 123 विद्यालयों में एक परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें 9873 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। विषय था 'वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'। 10 जनवरी 2024 को जैन साध्वी माताओं एवं जैन समाज प्रमुख की उपस्थिति में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 10 विद्यार्थियों को सम्मान समारोह में आमंत्रित कर स्मृति चिन्ह वितरित किया गया।

चित्तौड़ – 24 सितंबर 2023 बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रान्त के 27 जिलों की 183 नगर/खंड की 1540 शाखाओं व 355 मिलन के 20,666 स्वयसेवकों ने खेलों में भाग लिया जिसमे 10420 विद्यालय विद्यार्थी, 6174 महाविद्यालय विद्यार्थी, 3085 तरूण व्यवसायी व 1029 प्रौढ़ कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। खेल महोत्सव के माध्यम से 5442 नये स्वयंसेवक बनें। कबड्डी खेल की विशेष रचना की गई जिसमें 1311 दलों का प्रतिनिधित्व हुआ और कुल 11,400 खिलाडी रहे।

दिल्ली – **1)** दि. 12 फरवरी 2024 को दिल्ली के विज्ञान भवन में भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में 'कल्याणक महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रसंत परम्पराचार्य श्री प्रज्ञसागर जी मुनिराज, चतुर्थ पट्टाचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज, प्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनि जी महाराज, साध्वी अणिमा श्री जी एवं महासाध्वी प्रीति रत्ना श्री जी की पावन उपस्थिति रही। कार्यक्रम के पूर्व पूज्य साधु साध्वियों से पू. सरसंघचालक जी ने धार्मिक महत्व के विषयों पर विषद चर्चा की। जैन समाज की चारों परम्पराओं (दिगंबर, श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, वर्धमान स्थानकवासी तथा तेरापन्थ) के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रभावी महानुभावों का सहभाग रहा। उपस्थिति 1500 रही ।

2) 17 जनवरी, 2024 को डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में देश के महानायक छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किया गया। हिन्दवी स्वराज्य स्थापना महोत्सव आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के नाते वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रसिद्ध लेखक श्री जे. साईं दीपक जी उपस्थित रहे। संख्या 800 से अधिक रही। मा. सरकार्यवाह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

3) नव सम्प्रदायों के प्रतिष्ठित बन्धु/भगिनी के साथ सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन 20 अक्टूबर 2023

को किया गया। 35 नव सम्प्रदायों से संपर्क किया गया। सभी नव संप्रदायों का प्रनिधित्व करने वाले 84 बन्धु/भगिनी बैठक में आए। रचनात्मक प्रयास तथा अन्य सामजिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

हरियाणा – **1)** 14 जनवरी मकर संक्रांति को प. पू. सरसंघचालक जी ने सोनीपत ज़िले के गोहाना क़स्बे के प्राचीन महर्षि वाल्मीकि मंदिर जाकर दर्शन किये। वाल्मीकि समाज के 8 पूज्य संतगण, 35 संस्थाओं के पदाधिकारी, नगर की 35 जातियों के प्रमुख इस अवसर पर उपस्थित थे। सभी के साथ वार्तालाप करते समय प. पू. सरसंघचालक जी ने सभी को अक्षत देकर के श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का अपने अपने स्थान पर समाज के साथ कार्यक्रम मनाने का आह्वान किया।

2) पूर्व सैनिक बैठक का आयोजन पू. सरसंघचालक जी के साथ 13 जनवरी 2024 को किया गया। सामान्य सिपाही से लेकर सूबेदार स्तर के सेवा निवृत 719 पूर्व सैनिकों की बैठक के पूर्व जिला एवं विभाग स्तरपर संघ परिचय वर्ग हुए। वर्ग से चिन्हांकित 153 पूर्व सैनिकों में से 125 बैठक में उपस्थित रहे।

झारखण्ड – झारखण्ड जनजातीय बाहुल्य राज्य है। आदिवासी समाज के अंतर्गत अनेक प्रकार की समस्या है जैसे – धर्मांतरण, नक्सलवाद, जमीन हड़पना, आदि एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। समाधान निकालने की दृष्टी से सन 2019 में एक बड़ी बैठक हुई थी। ORP प्रभावित जिलों में विशेष जिला टोलियों का निर्माण किया गया जिसमें संघ और जिलों में जनजातीय विषय पर काम कर रहे संगठनों के कार्यकर्ता थे। दिनांक 2 – 3 दिसंबर 2023 को प्रान्त स्तर का जनजातीय चिंतन शिविर लगाया गया। संथाल, मुंडा, उरांव, खरवार आदि जनजाति से 1,100 कार्यकर्ता उपस्थित थे। आज पुरे प्रदेश में धर्मातरण, मुसलमानों द्वारा आदिवासियों की जमीन हड़पना, नक्सल उपद्रव जैसे कई गंभीर मुद्दों पर व्यापक विरोध शुरू हो गया है। जगह जगह जनजाति कार्यकर्ता धर्मान्तरण के खिलाफ खड़े हो रहे है।

मेरठ – स्व आधारित भारत – ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दृष्टिकोण'' इस विषय पर समाज के विभिन्न श्रेणियों के 1400 प्रबुद्ध नागारिकों के समक्ष 26 नवंबर 2023, रविवार को आनन्द स्वरूप सभागार, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएड़ा में प. पू. सरसंघचालक जी का प्रबोधन हुआ।

ओडिशा पूर्व – 18 फरवरी 2024 को आदरणीय सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त चक्रधर जी के उपस्थिति में पूरी विभाग में 'विश्व गुरु भारत में शिक्षकों का योगदान' विषय पर भुवनेश्वर महानगर स्थित आंचलिक शिक्षा अनुष्ठान में एक प्राध्यापक चिंतन संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ। 98 गट नायकों द्वारा 121 महाविद्यालय में 479 अध्यापक सम्पर्कित किए गए थे। 56 महाविद्यालय से 267 प्राध्यापक संगोष्टी में सम्मिलित हुए।

ओडिशा पश्चिम – प्रांत के 129 खण्ड और 34 नगरों में 160 स्थान पर सभी जाति–बिरादरी के प्रमुखों की सामाजिक सद्भाव बैठकें संपन्न हुई। 7105 पुरुष एवं 808 महिला उपस्थित रहें। बैठकों में अपनी परम्परा की सुरक्षा, भारतीय परिवार संकल्पना, पर्यावरण संरक्षण, समरस समाज का निर्माण तथा नागरिक शिष्टाचार के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। बैठकों के पूर्व प्रांत में विभाग के और प्रत्येक विभाग में जिला के चयनित कार्यकर्ताओं का वक्ता प्रशिक्षण वर्ग हुआ, जिसमे 80 वक्ता प्रशिक्षित हुए। हर जिला, खण्ड, नगर में सद्भाव टोली बनाई गई।

दक्षिण बंग – मा. सरकार्यवाह प्रवास दरम्यान दि. 12 जनवरी 2024 को स्वामी विवेकानंद की 162 वीं जयंती के उपलक्ष्य में कोलकाता के ईस्टर्न झोनल कल्चरल सेंटर सभागार में युवा कार्यकर्ता एकत्रीकरण हुआ। 18 से 35 वर्ष की आयु के संघ दायित्व प्राप्त युवकों को उनके अभिभावक कार्यकर्ता के माध्यम से सूचना पहुंचायी गयी। सांघिक कार्यक्रम में युवा कार्यकर्ताओं के द्वारा व्यायाम योग और सांघिक गीत प्रदर्शन के बाद मा. सरकार्यवाह जी का उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम में 636 युवा कार्यकर्ता और 98 अभिभावकों ने भाग लिया।

उत्तर असम – **1)** दि. 28 तथा 29 दिसंबर 2024 को माजुली के उत्तर कमलाबारी सत्र के सभागार में अनुष्ठित 'पूर्वोत्तर मणिकांचन 2023' संत सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में डोनीपोलो येलम, इनी मेचेलु जिनु विकास समाज, गारोबाडा और कार्बी समाज के लखीम संघ सहित कई समुदायों के धार्मिक नेताओं ने भाग लिया। कार्बी समाज के लखिम संघ के धर्मगुरू, एक शरण भगवती समाज के मिचिंग सत्राधिकार, नेपाली समाज, हरेकृष्ण, कृष्णगुरु सेवाश्रम, शिर सनातन धर्मगुरु, राम सनातन धर्मगुरु, चैम हिमा खैरिम, पोह समाज के संत, आदि उपस्थित रहे। नेली के राजा रामसिंह देवराजा और शहरी के राजा सुरेन कोंवर तथा पूर्वांचल से आये 114 संत गण उपस्थित थे। पू. सरससंघचालक जी ने सबसे

वार्तालाप किया। पू. सरससंघचालक जी ने माजुली में श्री श्री दक्षिणपत सत्र तथा ऐतिहासिक औनियाती सत्र के दर्शन किये।

माजुली के गढ़मुर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित लूइट-शोवनशिरी रैली/कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर माजुली जिले के भिन्न-भिन्न स्थान से 5000 से अधिक नागरिक एवं 300 विशिष्ट व्यक्ति तथा 500 स्वयंसेवक उपस्थित थे।

2) दिनांक 1 - 3 सितंबर 2023 को गुवाहाटी में पू. सरसंघचालक जी की उपस्थिति में उत्तर असम तथा दक्षिण असम प्रांत के माननीय संघचालकों का वर्ग संपन्न हुआ। उत्तर असम से 86 तथा दक्षिण असम से 9 माननीय संघचालक उपस्थित रहे। पू. सरसंघचालक जी का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ।

अरुणाचल प्रदेश - 1) मा. सरकार्यवाह जी के प्रवास दरम्यान ईटानगर कैपिटल काम्प्लेक्स नगर का एकत्रीकरण, ग्राम लेकी, नाहार्लागुन में 1 - 2 फरवरी 2024 को संपन्न हुआ। गणवेश में 138 स्वयंसेवक उपस्थित थे। योगासन, व्यायाम योग तथा सांघिक गीत प्रस्तुत किए गए। प्रांत जागरण टोली, प्रांत सद्भाव टोली तथा प्रचारक - विस्तारक बैठक भी आयोजित की गयी।

2) दि. 27 - 29 अक्तूबर 2023 को वार्षिक युवा शिविर 'यूथ कानक्लेव 2' का आयोजन पासीघाट में हुआ। शिविर का घोष वाक्य था 'एक अरुणाचल - एक भविष्य' 18 जिलों के 16 महाविद्यालयों से 134 युवा उपस्थित रहे।

समाजाभिमुख कार्य

कर्नाटक दक्षिण – बंगलुरु दक्षिण की अनंत शाखा की सूची पर 125 स्वयंसेवक है। 'कलिका केंद्र' नाम से प्रचलित अभ्यासिका, रक्तदान शिविर, सेवा बस्ती के बच्चों के लिए सायकल वितरण, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण जैसे उपक्रम शाखा द्वारा चलायें जाते है। 'एक मुट्ठी चावल' योजना अंतर्गत 60 परिवारों से चावल एकत्रित कर अभ्यासिका में आने वाले बालकों को दिया जाता है। आश्रमों को भी अनाज, कपडे तथा लेखन सामग्री दी जाती है। इससे 3 आश्रमों के 330 बच्चे लाभान्वित हुए है। शाखा ने बाढ़ ग्रस्त रामनगर बस्ती में कपड़ों का भी वितरण किया है।

आन्ध्र प्रदेश – अनकापल्ली जिला के मछुवारे बहुल वाडनरसापुरम ग्राम में कुल घर 800, कुल स्वयंसेवक 320 तथा 112 शिक्षा वर्ग शिक्षित स्वयंसेवक है। शाखा ने प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने में पहल की तथा कचरा डिब्बे की व्यवस्था कर हर सप्ताह भजन और सत्संग के साथ स्वच्छता जैसे उपक्रम किये है। ग्राम में बीमारियां न फैले इसलिए हर महीने सैनिटेशन करना तथा चिकित्सा शिविर का आयोजन करने का कार्य स्वयंसेवक करते है।

गुजरात – महेसाणा जिले की महाराणा प्रताप व्यवसायी शाखा ने अपने शाखा क्षेत्र मे जलसंचय के विषय को लेकर एक प्रयास किया। सोसायटी में घर से पानी की टंकी से जल-प्लावन के कारण जल का अपव्यय होता था। कार्यकर्ताओं ने सोसायटी में संपर्क किया तो ध्यान मे आया की 85 घरों मे पानी की टंकी मे foot-valve नहीं थे। सभी 85 नये पंप सशुल्क खरीदकर सोसायटी के घरों मे लगवाये गए। समस्या का समाधान भी हुआ और जल के बचत का भाव भी निर्माण हुआ।

विदर्भ – अकोला जिला के अंदुरा ग्राम के वीर भगत सिंह शाखा द्वारा विविध सामाजिक कार्यक्रमों की रचना एवं क्रियान्वयन की योजना बनाई गई है। शाखा एक – उपक्रम अनेक के द्वारा संपूर्ण समाज की सहभागिता से रक्तदान शिविर, महा आरोग्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण, कृषकों के लिए मार्गदर्शन, विद्यार्थीयों के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण, गणपति विसर्जन, दुर्गा देवी विसर्जन के समय प्लास्टिक विलगीकरण तथा निर्माल्य का विनियोग, तथा सुव्यवस्था, बालक – बालिकाओं का ज्ञानवर्धन करने के लिए पुण्य भूमि भारत स्पर्धा, दुग्ध व्यवसाय मागदर्शन इत्यादि उपक्रम चलायें जाते है।

मालवा – 1) शाजापुर के मक्सी खंड की सिरोलिया शाखा ने अपने गांव का सामाजिक अध्ययन किया। 16 गट के 40 कार्यकर्ताओं द्वारा 263 घरों में सर्वे हुआ। हृदय की गंभीर बिमारियों जैसे कम आयु में अटैक, बायपास सर्जरी, आदि के रूग्ण पाये गये। मातृशक्ति को पौष्टिक अन्न के प्रति सजग कर प्रशिक्षण दिया गया। अब 50 परिवारों में घानी के तेल और मोटे अनाज का उपयोग होना प्रारम्भ हो गया है। जैविक खेती, दूध उत्पादन एवं मावे का निर्माण, गांव की बैंक, किसानों का एक FPO बनाना, प्याज के फ़ूडप्रोसेसिंग यूनिट, व्यसन मुक्ति एवं संस्कार हेतु संतों द्वारा प्रबोधन जैसे विषयों पर भी काम करने हेतु टोलियां बनाई गई है।

2) खरगोन नगर की दाता हनुमान शाखा ने अपनी बस्ती की डाबरिया सेवा बस्ती में संपर्क प्रारंभ किया। उत्सव, त्योहारों पर एवं बच्चो के जन्मदिन पर जाना आना प्रारम्भ हुआ। सेवा के छोटे छोटे प्रकल्प प्रारम्भ हुए। सेवा बस्ती में सभी के प्रयास से एक मंदिर भी बना। अब मिशनरी की प्रार्थना सभा बंद हो गई है तथा मतांतरण का काम रुक गया है।

महाकौशल – सतना विभाग के कटनी जिला की 24 व्यवसायी शाखाओं द्वारा हुए शाखा क्षेत्र के सामाजिक सर्वेक्षण में कुपोषण की समस्या ध्यान में आयी। जिला केंद्र पर शाखा क्षेत्रों में मार्च 2023 में 182 कुपोषित बच्चे निकले जिसमें 6 बच्चे अतिकुपोषित थे। इन बच्चों को गोद ले सके, ऐसे 182 परिवार निर्धारित कर सुपोषण किट उपलब्ध कराई गयी। बच्चे सुपोषित होने तक लगातार संपर्क रहें ऐसी योजना बनी। जून 2023 में पुनः सर्वेक्षण में कुछ और बच्चे चिन्हित हुए। सितंबर 2023 तक 254 में से 52 बच्चे सुपोषित हो गए। ऐसा सर्वेक्षण दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में सभी खंडों में किया गया जिसमें 1021 कुपोषित बच्चे पाए गए। इन्हे 369 परिवार और 652 सामाजिक जनों ने सेवा भारती के माध्यम से गोद लिया है।

चित्तौड़ – राजसमंद विभाग के आमेट जिले में स्थित ग्राम काछबली में संघ कार्य की निरंतरता के साथ समाज में सुपरिवर्तन करने में स्वयंसेवकों ने भूमिका निभाई है। समस्याओं का चिंतन करके, निर्मूलन हो इसके बारे में योजना बनाई। सबसे बड़ी समस्या, हर आयु वर्ग के व्यक्ति शराब की चपेट में आ गए थे। सम्पूर्ण समाज का जीवन नारकीय बन गया था। स्थानीय शाखा टोली एवमं स्थानीय मातृशक्ति ने गांव की

महिलाओं को शराब मुक्ति हेतु जागरूक किया। ये एक आंदोलन बन गया। परिणामस्वरूप ग्राम पंचायत शराब मुक्त होने की घोषणा की। आज गांव के सभी लोग मिलकर गांव की स्वच्छता करते हैं, हर घर में धार्मिक वातावरण है, गांव के लोग मिलकर प्रत्येक ग्रामवासी की आर्थिक मदद करते है। वर्तमान समय में गांव में किसी भी प्रकार का कोई पुलिस केस नही है।

जोधपुर – जुनागढ़, बीकानेर की माधव तरूण व्यवसायी शाखा द्वारा जुनागढ़ किले में स्थित गणेश मन्दिर में गणेश चतुर्थी के दिन श्रद्धालुओं की सुव्यवस्था करने के लिए शाखा टोली ने विचार किया। यहाँ लग भग एक लाख श्रद्धालु आते है। रेखाएं खीचना, कतार बनाना एवं गर्भगृह में कम लोगों को एक साथ प्रवेश देना आदि व्यवस्था की। वयोवृद्ध या दिव्यांग बन्धुओं को व्हीलचेयर पर दर्शन करवाने की व्यवस्था भी की थी। सभी श्रद्धालु बिना हडबडी के दर्शन कर पाए।

मेरठ – **1) सहारनपूर महानगर** के विश्वकर्मा नगर की विराट तरूण व्यवसायी शाखा द्वारा अपने शाखा क्षेत्र का अध्ययन करने पर जिनके बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित है, ऐसे अभावग्रस्त परिवारों की बड़ी संख्या सामने आई। शाखा क्षेत्र के IIT के छात्रों की मदत से एक निःशुल्क शिक्षा केन्द्र चालु किया गया। प्रतिदिन 3 घंटे 40 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

2) छठ पर्व में बड़ी संख्या में माताएं, बहने, पुरुष जलाशय के पास एकत्रित होते है। यहाँ अरविन्द विद्यार्थी शाखा द्वारा अनुशासन तथा सुव्यवस्था करने का सफल प्रयास हुआ। 60 स्वयंसेवकों ने अपना 3 दिन लगातार समय देकर घाट की सफाई में सहयोग, प्रसाद वितरण, कतारें बनाकर भीड़ को नियंत्रित करना इत्यादि की रचना कर छठ पर्व को सुचारू रूप से चलाने में सहायता की।

ब्रज – प्रान्त में शाखाओं द्वारा सामाजिक अध्ययन हेतु 673 व्यवसायी शाखाओं को चयनित किया गया। प्रत्येक शाखा पर 10 कार्यकर्ताओं की टोली बनी जिसमें समाज के सज्जन तथा महिलाओं को जोड़ा गया। पुरे प्रान्त में 6730 कार्यकर्ता इस कार्य में लगे। कार्य को चरणबद्ध रूपसे सम्पन किया गया। शाखा मुख्य शिक्षक, कार्यवाह, जागरण टोली का वर्ग, सामाजिक अध्ययन करने वाले टोली का वर्ग तथा सर्वेक्षण पत्रक तैयार किया गया। सर्वेक्षण में बस्ती निहाय अलग अलग समस्याएं ध्यान में आयी। उस उस शाखा ने समस्या समाधान के प्रयास किये है।

मथुरा महानगर की शाखा द्वारा तालाब का सोन्दर्यीकरण

120 मरीजों को दवाइयाँ उपलब्ध करा दी तथा जागरूकता अभियान भी चलाया। हाथरस के **महावीर शाखा** ने लावारिस लाशों को अंतिम संस्कार देने का कार्य किया। एटा जिले में **अलीगंज खण्ड** के ग्रामों के शाखा क्षेत्र में बेटी के विवाह में भोजन निर्माण सभी महिलाएं मिलकर करती है, चाहे किसी भी जाति की बेटी का विवाह हो। मथुरा जिले के **गोवर्धन खण्ड** में प्रतिदिन प्रातः 04:30 बजे ग्राम परिक्रमा में सहाय्य, अखण्ड रामायण में सहाय्यता, 84 कोसी परिक्रमा में ग्रामीणों द्वारा श्रद्धालुओं को अपने घरों में रखने का प्रबन्ध करने, जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम मिले है।

काशी – काशी महानगर के दक्षिण भाग, कर्दमेश्वर नगर के भगत सिंह शाखा द्वारा कंचनपुर बस्ती में प्रतिबंधित चाइनीज मांजा की समस्या के प्रति जागरूकता अभियान संक्रांति पूर्व चलाया गया। बच्चों एवं अभिभावकों को विषय से अवगत कराया गया। सड़क पर बिखरे चायनीज मांझा को एकत्र कर उसकों जलाया गया।

मध्य बंग प्रान्त – तारकेश्वर जिले, में राधानगर गांव में 70 परिवार ऐसे थे जो अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर थे। नेताजी सुभाष व्यवसायी शाखा के समाजाभिमुख उपक्रमों के कारण साक्षरता बढ़ी है और अन्य समस्या का निराकरण हुआ है। शाखा ग्रामीणों को पाठ्यपुस्तकें भी उपलब्ध कराती है। इसके अतिरिक्त, शाखा ने गाँव में शराब के नशे की लत को भी कम कर दिया है। फिलहाल गांव के 20 किसान जैविक खेती करते हैं।

अखिल भारतीय बैठकें

प्रान्त प्रचारक बैठक

बैठक दि. 13 से 15 जुलाई को दक्षिण तमिलनाडु प्रांत में स्थित ऊटी के जे. एस. एस. पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई थी। अखिल भारतीय पदाधिकारी, क्षेत्र प्रचारक – सह प्रचारक, प्रांत प्रचारक – सह प्रचारक तथा विविध कार्यों के निमंत्रित प्रचारक बंधु इस बैठक में सहभागी हुए।

समन्वय बैठक

समाज जीवन के विविध क्षेत्र में संगठन के माध्यम से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की अखिल भारतीय समन्वय बैठक दि. 14 से 16 सितंबर 2023 को सर परशुराम भाऊ कॉलेज, पुणे में संपन्न हुई। देश की वर्तमान स्थिति, तथा किए जा रहे प्रयास इन विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यकारी मंडल बैठक

भुज, गुजरात में स्थित श्री कच्छी लेवा पटेल समाज सरदार पटेल विद्या संकुल में अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक दि. 5 से 7 नवंबर 2023 तक संपन्न हुई। संघ कार्य की समीक्षा तथा आगामी वर्ष में होने वाले कार्यक्रम तथा योजनाओं के बारे में चर्चा हुई।

पूर्व प्रचारक संत मिलन

नागपुर के रेशिमबाग में दि. 12 से 14 दिसंबर 2023 को, पूर्व में संघ के प्रचारक रहे तथा वर्तमान में संन्यासी जीवन का निर्वहन करते हुए समाज का प्रबोधन कर रहे हैं ऐसे पूज्य संतों का समागम संपन्न हुआ। 60 संत उपस्थित रहें। पू. सरसंघचालक जी तथा मा. सरकार्यवाह जी उपस्थित रहे। सामाजिक, धार्मिक, राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा हुई।

वर्तमान परिदृश्य

विगत वर्ष में संपन्न हमारे कार्यों के उत्साहवर्धक वृत्त देखने के बाद, अब हम वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य की ओर दृष्टि डालेंगे। समाप्त हुए वर्ष में हमारे राष्ट्रीय जीवन में कई उत्साहजनक व सकारात्मक घटनाएँ हुई, वहीं कुछ अप्रिय घटनाएँ और परिस्थितियाँ भी उत्पन्न हुई।

यह वर्ष अयोध्या में नवनिर्मित भव्य मंदिर में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के स्वर्णिम वर्ष के रूप में सदैव याद किया जायेगा। सोमवार, माघ शुक्ल द्वादशी, युगाब्द 5125 (22 जनवरी 2024) की ऐतिहासिक घटना कई शताब्दियों से दुनिया भर के लाखों-करोड़ों हिंदुओं के सपनों और संकल्पों को साकार करने वाली रही। मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम समस्त महान एवं पवित्र गुणों का सभ्यतागत प्रतीक और श्रीराम मंदिर राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक भी हैं। अयोध्या में मंदिर के पुनर्निर्माण के महान कार्य ने हर स्थान के भारतीयों के बीच राष्ट्रभाव की वृद्धि को प्रदर्शित किया है, और अंतर्निहित राष्ट्रीय एकता को पुनः जागृत किया है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन समूचे देश में, यहाँ तक कि दूर-दराज के कोनों में भी, पूजा और भजनों के माध्यम से बने उत्सव का दृश्य और उत्साहपूर्ण वातावरण इस बात का प्रमाण है।

इस आयोजन से पहले -1 से 15 जनवरी 2024 तक- श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के आहवान पर संघ स्वयंसेवकों एवं समाज के विविध संस्था - संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा चलाया गया गृह संपर्क अभियान अभूतपूर्व सफल रहा है। सभी प्रांतों के 5,78,778 गांवों और 4727 नगरों के कुल 193,84,9071 परिवारों का स्वयंसेवक सहित 44,98,334 व्यक्तियों ने संपर्क किया। इस अभियान को समाज द्वारा मिली उत्साही प्रतिक्रिया और स्वागत ने लोगों में हमारे विश्वास को फिर से आश्वस्त किया है। इस अभियान ने हमें व्यापक पहुंच बनाने और अपने शाखा कार्य का विस्तार करने का अवसर दिया है। हमें इस दिशा में बारीकी से विस्तृत योजनाएँ बनानी होंगी।

अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि मंदिर की तरह, हाल के महीनों में कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं ने भी इस राष्ट्रभाव के उत्साह को बढ़ाया है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष परियोजना द्वारा चंद्रमा पर सफल लैंडिंग, अविस्मरणीय जी-20 शिखर सम्मेलन जो भारत के प्राचीन परंतु अमर संदेश 'वसुधैव कुटुम्बकम्' से गूंज उठा, और प्रधानमंत्री द्वारा द्वारका की जल नगरी के दर्शन हेतु पनडुब्बी का उद्घाटन - इन सभी घटनाओं ने पूरे देश को उत्साहित करने के साथ-साथ कई क्षेत्रों में देश की क्षमता - योग्यता का परिचय भी दिया है।

समाज हित में संघ द्वारा संचालित सभी अच्छी और रचनात्मक गतिविधियों के प्रति हमारे कार्यकर्ताओं को हर जगह समाज के सज्जनों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया, उदार सहयोग और कई बार उनकी तत्पर भागीदारी मिल रही है। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जयपुर में राष्ट्रीय सेवा संगम के आयोजन में, सामाजिक पंच परिवर्तन तथा गतिविधियों के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों में, सेवा प्रकल्पों में, गंगा समग्र (गंगा बचाओ, निर्मल गंगा, अविरल गंगा) या घुमंतू जनजातियों के बीच काम जैसे विविध आयामों में, तथा सामाजिक सद्भाव कार्य आदि के तहत किये गये कार्यों में आये अनुभवों से निःसंदेह यह साबित हुआ है कि समाज सभी सकारात्मक बदलावों के लिए तैयार है तथा सार्थक समाजोन्मुखी गतिविधियों का समर्थन करता है। इसे देखते हुए, हमने सज्जन शक्ति को संचालित करने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो परिवर्तन के लिए कई गुना बल वर्धन के कार्य करता है।

इस वर्ष देश भर में महिला समन्वय के बहनों द्वारा ज़िला या विभाग स्तरों पर आयोजित मातृशक्ति सम्मेलनों के अभूतपूर्व यश भी उपरोक्त बात का ही स्पष्ट संकेत है। देश में अनेक सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा भी समाज हित में असंख्य सराहनीय कार्य - कार्यक्रमों के आयोजन हुए हैं जिस से देश में सकारात्मक शक्ति का वर्धन हुआ हैं।

जहां एक ओर हिंदू समाज में रचनात्मक कार्यों के प्रति जागरूकता और उत्साह दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ समस्यायें और संकट भी राष्ट्र को चुनौती दे रहे हैं। विघटनकारी और विभाजनकारी ताकतें किसी भी सकारात्मक कार्य से कभी खुश नहीं होतीं। सर्वत्र अशांति पैदा करना और राजनीतिक एवं अन्य लाभ उठाना ही उनकी कार्यसूची है। मेवात क्षेत्र के नूह की घटना जहां मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने विश्व हिंदू परिषद से आयोजित यात्रा पर हिंसक हमला किया और हिंसा फैलाने में मदद की। महीनों तक सामाजिक तनाव बना रहा और मामला

सुलझ नहीं सका। मणिपुर की स्थिति ने समाज के दो वर्गों – मैतेई और कुकी – के बीच गहरे घाव पैदा कर दिए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीमावर्ती राज्य गहरे, अकथनीय दर्द से गुजर रहा है और समाज का मनोवैज्ञानिक विभाजन खतरनाक है। मेवात और मणिपुर में संघ के कार्यकर्ताओं ने संबंधित लोगों के समूह से अपने संपर्क और संवाद के आधार पर स्थिति को बचाने, मनोबल बढ़ाकर समाज को मजबूत करने और आपसी सहयोग और सह–अस्तित्व का माहौल बनाने का प्रयास किया है। पंजाब में अलगाववादी आतंकवाद ने पुनः एक बार फिर अपना सिर उठाया है। लोकसभा चुनाव से ठीक दो महीने पहले, विशेष रूप से पंजाब में किसान आंदोलन के आड़ में फिर से अराजकता फैलाने का प्रयास प्रारंभ हुआ।

पश्चिम बंगाल में संदेशखाली में सैकड़ों माता बहिनों के ऊपर विशेषकर अनुसूचित जाति और जनजाति समाज की बहिनों पर अत्याचारों की घटना ने पूरे समाज के अंतःकरण को झिंझोड़ कर रख दिया है। स्वाधीन भारत के किसी भी भाग में ऐसी घटनायें वर्षों से चल रहीं हैं यह कल्पना भी नहीं की जा सकती है। परंतु, इससे भी अधिक आक्रोशकारी बात यह है कि वहाँ के शासन द्वारा दोषी व्यक्तियों को कठोरतम दंड देने के बजाय उन्हें बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी दलों को अपनी राजनीतिक स्वार्थों को छोड़कर महिला सुरक्षा और सम्मान के इस विषय पर एकमत से ऐसी कठोर कार्यवाई करनी चाहिए कि भविष्य में ऐसे करने का कोई सोच भी न सके।

यद्यपि नये राम मंदिर सामाजिक समरसता, धर्म और मूल्य आधारित जीवन और भाईचारे की भावना से युक्त एक नवयुग की शुरुआत का प्रतीक है, परन्तु, यह अत्यंत दर्दनाक और घृणा की बात है कि अक्सर देश के किसी न किसी भाग से हमें अनुसूचित जाति के लोगों पर ज्यादती के समाचार मिलते हैं। हालांकि ऐसे कई घटनाओं पर संघ के स्वयंसेवक और कई संत एवं धार्मिक नेता तुरंत मुद्दे को उचित कार्रवाई करके समस्या को हल करने का प्रयास करते हैं, लेकिन उत्पन्न हुआ मतभेद एक घाव छोड़ जाता है; कुछ मामलों में निहित स्वार्थों के कारण संकट गहरा हो जाता है। सामाजिक समरसता और भाईचारे की चुनौती अब भी मुंह बाए खड़ी है।

जो शक्तियाँ भारत, हिंदुत्व या संघ – किसी की भी शत्रु हैं, वे इन तीनों को बाधित करने या बदनाम करने के लिए नई योजनाओं और षड्यंत्रों की तलाश में हमेशा सक्रिय रहती हैं। सनातन धर्म हमारे राष्ट्र की सभी बुराइयों का कारण है, जैसे हौव्वा का बार–बार उठना या कटिंग साउथ (दक्षिण का विच्छेद) का अलगाववादी मुद्दा, या जाति जनगणना के संवेदनशील मामले में राजनीति का खेल – इन सभी का उद्देश्य विकृत आख्यानों के माध्यम से राष्ट्र को विभाजित करना है।

भारत, हिंदुत्व और संघ – ये राष्ट्रीय–स्वत्व की अभिव्यक्ति हैं। उन्हें कलंकित करना इस राष्ट्रीय अस्मिता को क्षति पहुंचाने के समान है; उन्हें मजबूत करने का अर्थ है राष्ट्रीय स्वत्व को बढ़ावा देना। हमारे राष्ट्रीय जीवन के हर पहलू में इस राष्ट्रीय स्वाभिमान का पुनर्जागरण ही संघ का जीवन–व्रत है। यह हमारे प्रेरक स्वतंत्रता संग्राम का अधूरा कार्य है। भारत के संविधान का सार इस ऐतिहासिक मिशन को पूरा करने को रेखांकित करता है।

अगले महीने देश में लोकसभा चुनाव होनेवाले हैं। लोकतंत्र में चुनावों के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता। स्वयंसेवकों को न केवल अपने मताधिकार का प्रयोग करने का पवित्र कर्तव्य निभाना है, बल्कि शत–प्रतिशत मतदान को भी सुनिश्चित करना है। इसे हासिल करने के लिए उन्हें अपने क्षेत्र में योजनाएँ बनानी चाहिए। निर्वाचन के सन्दर्भ में उपरोक्त चुनौतियाँ राष्ट्रीय हित से संबंधित विषय तथा समय की आवश्यकता को सभी ध्यान में रखें।

हम अच्छी तरह समझते हैं कि परिस्थिति को बदलने की आकांक्षा को संघ की सक्रिय उपस्थिति और अपेक्षित परिवर्तन के नियोजित प्रयासों से ही प्रभावी ढंग से साकार किया जा सकता है। सभी मंडलों में संघ कार्य विस्तारित करने का हमारा लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। हमें दृढ़ संकल्प करना है और आने वाले एक वर्ष में इसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़नी है। संघ कार्य के संतुलित और समग्र विकास के लिए दोनों मोर्चों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है – एक, गुणवत्ता वृद्धि के साथ संगठनात्मक विस्तार एंव सुदृढ़ीकरण, और दूसरा, सज्जन शक्ति संचालन के साथ–साथ समाजोन्मुखी आयाम एवं गतिविधियाँ।

परिस्थिति उत्कृष्ट है; संघ का शताब्दी वर्ष हमें संकेत दे रहा है।

आइए, हम आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें; आइए, हम निश्चितता के साथ काम करें।

समय हमारा है; वह हमारी प्रतीक्षा कर रहा है।

Introduction

Param Pujaneey Sarsanghchalak ji, Mananeey Akhil Bharatiya Adhikaris, all the members of the Akhil Bharatiya Karyakari Mandal, Mananeey Kshetra and Prant Sanghchalaks, Karyavah and Pracharaks, other Karyakartas of the Kshetra and Prant Karyakari Mandals, Pratinidhis of the Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha, and, sisters and brothers who are the invitee members from various fields of Social activities,.

I extend a hearty welcome to all of you, especially the newly elected Mananeey Sanghchalaks and Akhil Bharatiya Pratinidhis, to this Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha of Yugabda 5125 (CE 2024), organised in this Reshim Bagh Complex, the place of inspiration for national reconstruction. It is a matter of joy that after a gap of six years, the Akhil Bharatiya Pratinidhi Sabha is being organized again in this sacred premises of Nagpur. I am confident that with the full cooperation and participation of all of you, this Baithak will be held in a pleasant atmosphere and will be memorable.

I am happy to present before you a brief report of various activities of the Sangh last year (2023-24). The efforts made to expand the work in the last year have yielded results. Along with the expansion of work, the Sangh Swayamsevaks have also been active in various types of organizational consolidation and social oriented works. Especially, the extensive house contact conducted in maximum number of places, on the occasion of the Pran Pratishtha of Shri Ramlala in Ayodhya, has set a record.

The experiences of working in favorable or unfavorable circumstances have led to commendable efforts to advance various aspects of our work. Due to working in the Sangathan Shreni (organizational dimension) and Jagaran Shreni (Social awareness dimension), remarkable progress has also been possible from the social point of view, along with organizational strengthening. With the expansion of Shakhas and numerical increase of Swayamsevaks, we have also progressed qualitatively and impact-wise. There has also been emphasis on training of workers and innovativeness in the work. Swayamsevaks were involved in large numbers in discharging of social responsibilities in times of natural calamity and other crises, support for good works in the society, numerous efforts made for the protection and promotion of Hindu Dharma, culture and society and social awareness. It has been possible to include only some selected items of all these in this report. Here's a brief picture of the actual work.

During this period, it is sad that the life-journey of many brothers and sisters ended and they left us in the last year. Due to old age, illness or accident, many of our ardent workers, senior colleagues, dignitaries from social and public life, prominent personalities from various fields, security personnel in service, general public in natural disasters, have sacrificed their lives. We pay our heartfelt tribute to the memory of all those who have been separated from us and pray for their eternal peace.

Tour of Pujaniya Sarsanghachalak Ji

• Visited 7 Prants in the year 2023 - 24. Programs included meetings with Prant and Vibhag teams, and interaction with Pracharaks. Other programs according to plan of the Prant included meeting with Mukhya Shikshak & Karyawah of a Shakha, Khand and Nagar team, meetings with other Karyakartas and programs of Swayamsevaks displaying quality physical exercises. Meeting with the family members of the Karyakartas, Makar Sankranti Utsav, program with ex-defence servicemen, meeting with leaders of various communities, meeting with intellectuals, Book release function and other such programs were held.

• Guided Karyakartas at a meeting of Kshetra level teams of all 11 Kshetras that was held at 5 places.

• Visited a total of 35 Prants for some program or the other.

• Interacted with young entrepreneurs in Karnavati, Nagpur and Delhi.

• An informal interaction was held in Mumbai by the Prachar Vibhag of Konkan Prant with renowned producers, directors, actors, writers and award winners of the Hindi and Marathi film industry.

• Took guidance and blessings from Swami Vidyasagar Ji Maharaj in Dongargarh, Pujya Mahashraman Ji in Mumbai, Swami Ratnasundar ji Maharaj in Surat, Kanchi Shankaracharya Shri Vijayendra Saraswati Ji, Sadguru Shri Jaggi Vasudev Ji in Coimbatore, Swami Adgadanand Ji Maharaj, Shri Hans Devraha Baba Ji Maharaj in Vindhyachal, Shankaracharya Swami Nischalanand Saraswati Ji Maharaj in Puri, Shri Pranav Pandya Ji of Gayatri Pariwar in Haridwar, Sri Vidhushekhara Ji Bharti at Sringeri, Amma Mata Amritanandamayi Ji in Kerala, Shri Sri Ravi Shankar Ji Maharaj in Bangalore, Swami Govind Dev Giri Ji Maharaj, Swami Avdheshanand Giri Ji Maharaj in Haridwar, Swami Pramanand and Didi Maa Rhitambhara Ji in Vrindavan, Sri Babai Da in Deoghar, Daaji Patel of Ramchandra Mission in Bhagyanagar and Tridandi Ramanuja Chinna Jeeyar Swami ji.

• Met with various prominent personalities of social life.

• Addressed the 8th Conference of International Centre for Cultural Studies. It was attended by 239 dignitaries of 38 faiths from 31 countries. It includes 126 leading members of the Yazidi, Maori, Greek, Mayan, Shinto, Romuva, Cherokee, Zulu and other pre Christian faiths.

• Hoisted the Tricolour flag on the occasion of Republic Day Celebrations at RSS HQ, Nagpur on 26th January 2024.

• Attended Shradhanjali Sabha and paid tributes to Swami Vidyasagar Ji Maharaj at Nagpur on 25th February 2024.

• Inaugurated the World Hindu Congress 2023, at Bangkok, Thailand on 23 November 2023.

Darshan of Khandoba Yatra

Pravas of Mananiya Sarkaryavah Ji

• In the year 2023-24, Kshetra-wise Pravas took place in all 11 Kshetras. According to the availability of time, the plan for Pravas to two/three provinces of the Kshetra had to be decided. During this Pravas, the Baithaks of Jagran Karya of the Prant were held wherein the work of Jagran Shreni, Karya Vibhags and Gatividhis, their coordination among themselves and the work done for social change, study and survey of the Shakha area and its follow-up were discussed. There was a detailed discussion about the formation of Jagran Toli of the Vyavasayi Shakha and increasing the participation of Sajjan Shakti in social work. In the Samajik Sadbhav Karya Baithaks, the working methodology of this dimension and the results achieved through it were also discussed in detail. Along with this, programs like Swayamsevak Ekatrikaran, interaction with senior Pracharaks and Swayamsevaks, Karyakarta Shivir.

• Interaction with prominent public men etc. were also organized at many places. At some places, Ekatrikaran of Swayamsevaks in full uniform in good number, were held. The average attendance of Karyakartas in Baithaks during Pravas was around 90%. With a view to expanding the work across the country, workers everywhere are enthusiastically engaged in accelerating the work through programs and plans regarding daily Shakha, Basti and Mandal. Along with this, it was also experienced that they are active in giving impetus to the work of awakening and change through many types of initiatives and activities in the society.

• Programs of Swayamsevak Ekatrikaran were conducted in the prants like Jaipur, Uttar Bihar, Uttar Tamil Nadu, Arunachal, Punjab etc. and in Kottayam, Kerala, the same was held on the occasion of the centenary of Vaikom Satyagraha.

• In the provinces of Dakshin Bihar, Mahakaushal, Braj, Kanpur, Kashi, Prabodhan programs were organized for the Mukhya Shikshak, Karyawah and Shakha Toli. Interaction took place with Nagar level Karyakartas in Coimbatore and Bhubaneswar.

• In order to speed up and make the Basti work effective, a gathering of Basti Tolis was held in Vadodara (Gujarat) and detailed meetings of Basti Pramukhs were held in Kota (Chittor) and Pimpri Chinchwad (Paschim Maharashtra) in which discussions were held with the Karyakartas regarding Basti work. Attendance were encouraging.

• During the pravas, Karyakarta family get-together programs were held in Karnataka Dakshin (Bengaluru), Chhattisgarh(Korba), Uttarakhand(Dehradun), Uttar Assam (Guwahati) and participated in Makar Sankranti festival with Swayamsevak families in Una, Himachal.

• Participated in the Pracharak Vargs of Purva Uttar Pradesh Kshetra, Bihar Kshetra, Telangana and Andhra Pradesh and Braj province. A baithak of Vividh Kshetra Pracharaks was held in Delhi. An interaction with former Pracharaks in Guwahati and a program of 'experience narration and dialogue' were organized with those who have worked as short-term Vistaraks in Delhi.

Had dialogues in and addressed the Vividh

Kshetra Samanvay Baithaks held in Chandigarh (Punjab) and Guwahati (Uttar Assam) Prants.

• In the beginning of this year, Kshetra Karyakarini Baithaks involving two Kshetras each, were held at five places. Participated in all the meetings with Pu. Sarsanghchalak ji.

Other programs:-

• Had been to Harda in Malwa province and Shive in Paschim Maharashtra, as part of visiting the Prabhat Gram, under the Gram Vikas Gatividhi plans. Stayed for the whole day in these two villages. Saw the village development work and interacted with the Karyakartas and village people engaged in the work. Visited and interacted with the ongoing Samrasata Gurukul project in Pune, for the children of nomadic tribes.

• Participated in the two-day meeting of provincial coordinators of Dharma Jagran, and also Toli Baithak of Gram Vikas Gatividhi and an Akhil Bharatiya Abhyas Varg of Gram Vikas.

• In this session, the Prachar Vibhag had organised the interaction programs with editors of print and electronic media at selected five cities.

Participated and addressed the gathering in the following programs:

• 'Rashtriya Seva Sangam' organized by Rashtriya Seva Bharti in April 2023 in Jaipur.

• Welcome ceremony in Karnavati in July for migrant Pakistani Hindu doctors who got citizenship and the civil rights in India.

• Workers Conference of Hindu Spiritual and Seva Fair held in Mumbai in August 2023.

• "Ek Rakhi Sainik Sathi" program organized by Chaitanya Pratisthan, Goa.

• Amrit Shatakam Lecture Series by Kesari Weekly in Kerala (Kozhikode) in August 2023.

• Writers' Meet of Panchjanya weekly near Rishikesh in September 2023.

• Lecture organized by Chinmay Heritage Center on the 108th birth anniversary of Swami Chinmayanand Ji in October 2023 in Chennai.

• World Hindu Congress held in Bangkok (Thailand) in November 2023.

• Launch program of 75th year special issue of Kannada weekly "Vikram" in December 2023 in Bengaluru.

• Lecture in front of youth on Swami Vivekananda Jayanti (Youth Day) in Kolkata.

• 8th Ancient Culture and Traditions Conference of ICCS held in January 2024 in Dibrugarh.

• Launch program of the book translated into English of Dr. Hedgewar's biography by Suruchi Prakashan on March 1 in Delhi.

• Birth centenary celebrations of late Dattaji Didolkar ji, former pracharak and former Akhil Bharatiya president of ABVP, in Nagpur and of late Sankata Prasad Singh ji, former organising secretary of Bharatiya Kisan Sangh, in Lucknow.

• Lecture to commemorate 350th year of coronation of Shivaji Maharaj, in July 2023 in Indore, and a public function on the same occasion in Delhi and a visit to Chhatrapati Shivaji Sphoorti Kendram in Srisailam, AP.

• Had the opportunity to be present in the Vijayadashami Utsav in Nagpur this year.

• Flag hoisting programs were held in Bengaluru on the occasion of Independence Day and in Bodh Gaya on Republic Day.

Sangathan Shreni Karya

Shareerik Shikshan Vibhag

• Workshop on Games - On 17, 18, 19 November 2023 a workshop on games was organised at Sahajanand Gurukul, Motera, Karnavati of Gujarat. 72 participants and 14 Shikshaks from 37 Prants attended. 498 new games were introduced.

• Akhil Bharatiya Prahar Mahayagya - 16 December 2023 - Participation - Shakhas 42,455, Milan 6,885, Swayamsevaks - 6,53,165. Prahar - 32,66,22,149. Swayamsevaks with more that 1000 Prahars 1,32,783. Increase compared to last year - Shakha - 3309, Milan - 215, Swayamsevaks - 62,756, Prahar - 3,42,55,411.

Saurashtra - Bhuj Ekatrikaran

Baudhik Shikshan Vibhag

• On 21 - 23 July 2023, the All India meeting of the Baudhik Shikshan Vibhag was held in Ghaziabad of Meerut Prant. 90 Karyakartas out of 103 were present.

• Vibhag wise meetings were planned in each Prant this year. Out of 324 Vibhags, meetings were held in 207 Vibhags. 5387 Karyakaratas out of 10,698 were present.

• Workshops were held on topics such as Prarthana, Chorus singing, Map of Bharat, News Review, Long Storytelling and Video Clipping at Prant, Vibhag or District level in all the Prants. 49,147 volunteers received training.

• 1362 student Swayamsevaks from 278 Shakhas participated in the project report making sessions conducted at Mahanagar or district centres.

(1) Appraisal of the Pravasi Karyakarta, **(2)** Appraisal of the Shakha team, and **(3)** Appraisal of the Shakha was undertaken this year. Prant wise future plans will be chalked out based on the outcome to the appraisal report.

Karya Vistar - Expansion

Karnataka Uttar - 1) Various initiatives have been taken to expand Shakhas in the Mandals. All Prant Karyakartas planned their visits to various Mandals before Mananiya Sarkaryawah ji's visit to the Prant. Karyakartas were assigned with one place and were expected to visit the same place for 15 consecutive days for conducting the Shakha. 1659 Karyakartas visited 1212 Mandals and conducted 2099 Shakhas at 1466 places.

2) On 17 December 2023, 1,717 Mandals out of 1990 were covered. 6,954 Shakhas were conducted at 5,005 places. Shakha was held in 638 Bastis out of 706. Attendance was Tarun - 35,586, Bal - 22,600 and Shishu - 6,039. Prawas on that day was done by 3,835 Karyakartas.

Andhra Pradesh - 1) In the past 3 years, Kurnool Vibhag has been working to have a Swayamsevak in every village by 2025. In 2021, During the Shri Ram Mandir fund collection drive every village was contacted. 13,500 Karyakartas had participated. In 2022, 75,000 households were contacted as part of Azadi Ka Amrit Mahotsav. In 2023 - 2024, Jagran Patrika of the Prant is delivered door - to - door by Karyakartas in every village. Every month 12,570 magazines are distributed in 872 Gram Panchayats and 385 Upa-Bastis.

2) In Kurnool city, various activities are carried out to ensure that all Basti have Shakha, each Swayamsevak is actively involved and the daily attendance of the Shakha is increased. Daily attendance at the Shakha for the entire duration and completion of uniform is encouraged. On 13 February 2024, during the visit of Pujaniya Sarsanghchalak ji, a program was arranged. 1271 Swayamsevaks from all 50 Bastis and from 179 out of 207 Upa-Bastis participated. The Nagar now has 52 Shakhas in all 50 Bastis. 27 are new Shakhas. The average attendance has increased from 7 to 13.

Gujarat - Annual planning baithak was held in Sambarkatha district where a one day sammelan 'Angad Shakti Ekatrikaran' in Himmatnagar was planned to strengthen and expand Sangha work. 8052 Swayamsevaks from 572 villages of 105 Mandals attended. 6000 new participants joined in and 7244 new uniforms were issued. 1500 witnessed the concluding ceremony. In 2022, there were 37 Shakhas at 15 places, 36 Milans and 6 Mandalis. With continuous efforts for the past 3 years, there are 111 Shakhas, 112 Milans and 149 Mandalis at 73 places.

Saurashtra - 'Karyavistar Kumbh 2024', was organised on 7th January 2024 in Rajkot Mahanagar. For this purpose Swayamsevaks were organised in groups of 10. A calendar of monthly programs was created prior to the Kumbh. 350 programs of Bharat Mata Pujan were held at Upa-Basti level. With the motto of having Shakha in every Basti, Shakha was held in 185 Bastis and Ekatrikaran in 84 Bastis. Out of total 223 Bastis, Shakhas were held in 200 Bastis. 2271 attended. 1100 Swayamsevaks completed their uniforms. The number of Shakhas have increased from 88 in 2021-22 to 100 in 2023-2024 and weekly Milans have increased from 46 to 64.

Malwa - At present, in Garoth District, there are two Shakhas each in all the Mandals and two types of Shakhas in every Basti due to the diligent pravas of 16 Khand, Jilla and Vibhag level Sangathan Shreni Karyakartas. Monthly meetings of the Mandal and Upakhanda teams, Shakha Palak Yojna, Shakha team meeting, starting of Shakhas in villages on the main road, and at places where a Pravasi Karyakarta resides were some of the efforts made by the team. In July 2021, there were 98 Shakhas, 46 Milans and 9 Mandali at 84 places. At present, there are 211 Shakhas, 70 Milans and 38 Mandalis at 186 places. 13 Mandals have Shakha or Milan in every village.

Mahakaushal - Winter camp at Upa-Nagar/Upa-Khand were planned for the purpose of Shakha Vistar and Karya Vistar upto Mandal level. Teams of Karyakartas involved were trained at district and Khand level. The winter camps wre attended by 32,297 Swayamsevkas out of 42,645 registered. Total 1,547 Shakhas were represented. The representations were as follows- Upa-Khand 691/691 (100%), Mandal 1700/2838 (60%), Nagar 168/168 (100%), Upa-Nagar 86/95 (92%), Basti 675/894 (75%), Villages 6484/23914 (27%). 170 new Shakhas were added.

Chittod - **1)** Three years ago the Karyakartas of Udaipur Mahanagar made a plan for expansion of Sangh work. Keeping the centenary year in view, targets were decided and plans were executed. Shakhas were started in all the 73 Bastis. After this stage, a plan to cover the Upa-Bastis was chalked out. Now Shakhas or Milans are active in 221 out of 266 Upa-Bastis. Shakha is conducted in all 33 Sewa Bastis as well. 45 Dhawaj-Pradan programs were held in the last three years. 12 Shakhas of Mahanagar were instrumental in starting new Shakhas. Vistarak Yojana was also planned. Raksha-Bhandhan Utsav programs were held in every Bastis and village. A plan of sending Vistarak to Upa-Bastis, Sewa Bastis, and Mandals without Shakha was formulated. 212 Vistaraks in 2021, 434 in 2022 and 724 in 2023 were sent to different places. Now there are 225 Shakhas and 79 Milans.

2) All 740 Bastis and 1935 Mandals in the Prant had Shakha or Milan over the last three years. The target was set to start Shakhas or Milans in Upa-Bastis of Nagar and Shakhas of all three age groups in all Bastis alongwith starting Shakhas or Milans in all villages of a Mandal. Due to the consistent initiatives and various efforts taken in the last three years presently 867 Shakhas and 345 Milans are conducted in 1,212 Upa-Bastis out of 1,712. 733 Shakhas or Milans are conducted in 1,058 Upa-Bastis of the Mahanagar while Shakhas or Milans are conducted in 479 out of 654 Upa-Bastis of other towns. 101 Bastis of the Mahanagar & 93 of other towns, a total of 194 Bastis have Shakhas of all 3 age groups. In the rural areas the focus was centred on having Shakha or Milan in all villages of a Mandal once all the 1935 Mandals had a Shakha, Milan or a Mandali (Monthly assembly). Last year there were 305 Purna Mandals in Prant. This year the figure is 388. Vistaraks were sent to 5,597 villages and in 1,212 Upa-Bastis of 14 Khandas, 43 Upa-Khandas and 146 Mandals.

Jodhpur - Plan for a three-year Karya Vistar was made in Jalore district. Efforts were made at places where Shakhas were running in the last 10 years, where Pravasi

Karyakarta, and Sangh Shiksha Varg trained Karyakarta reside. In March 2022, there were 90 Shakhas, 13 Milans, 10 Mandalis in 68 places. For the past 3 years activities like Upa-Khanda and Mandal Ekatrikaran, sending Vistarak for a short period of time and entrusting a current Shakha to form a new Shakha were carried on. In February 2024, the numbers increased to 100 places, 116 Shakha, 16 Milan and 14 Mandali.

Haryana - Prant Pravas of Param Pujaniya Sarsanghachalak ji was scheduled from 12-14 January 2024. With a goal of having a Shakha or Milan in every Basti of a Nagar, Mandal and Khand, and to have Shakha or Milan in every Mandal of a District, meetings were organised and Karyakartas visited various places. 214 Karyakartas representing 34 Nagars, 49 Khands, 16 Mandals and 99 units who had completed the target were expected. 180 Karyakartas attended the program.

Meerut - In Saharanpur Mahanagar, places in every Basti where a Shakhas or Milan have been held or where some contact has been established, were identified. Each Pravasi Karyakarta of the Mahanagar visited such places continuously for a week to initiate Shakha. 255 Pravasi Karyakartas covered 160 such areas resulting in expansion of Sangh work to 62 new areas.

Odisha Paschim - In Kundra Khand under Koraput district, 'Shakha Kumbh' was organised. 1456 Swayamsevak participated from 108 Shakhas from 104 villages. 7 Vistaraks and 43 short time Vistaraks were sent prior to the program. Swayamsevaks performed physical exercises. Each 108 Shakhas had their independent Dhwaj on the same field. After the recital of the chorus Mananiya Sah Sarkaryavah Shri Ramdutt Ji Chakradhar addressed the Swayamsevaks.

Uttar Assam - On 23 January 2024 , 'Azad Hind Shakha Sangam' was conducted in Barpeta district with a view to start new Shakhas or weekly Milan in Mandals without such units. 1234 Swyamsevaks of 72 Shakhas were present. The district now has 64 Shakhas and 10 weekly Milans.

Dakshin Assam - 1) In the Vistarak Saptah planned from 23-30 July 2023, 104 Vistaraks were sent to 76 places including 57 new places. **2)** 'Mandal Sammelan' was organised in 170 Mandals out of 323. Work was expanded to 66 new Mandals. **3)** 'Adhiktam Shakha Diwas'- As per the annual plan of the Prant, on 24 December 2023, 811 Shakhas were organised in 252 out of 323 Mandals and in 96 out of 103 Bastis of the Prant. 8579 Swayamsevaks participated.

Karnataka Dakshin - Ghosh Varga at Pranth level was held on December 23 - 25, 2023 in Shivamogga. The skill to play 5 compositions in any instrument prior to Varga was compulsory eligibility to attend the Varg. Many inactive Ghosh Kendras were reactivated and re-opened and special effort was made to teach Ghosh compositions in many schools. 831 participants took part in the Varga. 50 Taluks of 37 districts and 111 Nagars were represented. 137 Ghosh Kendras were represented. Following the Varga, 40 Ghosh Kendras have planned their Varshikotsav and 60 Karyakartas have volunteered as Ghosh Vistaraks. Everyone who participated in this Varga has decided to teach Ghosh to at least 10 new Swayamsevaks

Andhra Pradesh - The total number of Ghosh (Band) players in the Visakha Mahanagar today is 357. In the last 2 years 257 new Ghosh players were added. The number of Ghosh centres has increased from 2 to 9. In June 2023, 26 Ghosh trainers visited 58 shakhas for 7 consecutive days. 228 Swayamsevaks were introduced to Ghosh. 175 Swayamsevaks participated in 6 camps. On 8 January 2024, the program 'Swar Sagar' featured 32 Ghosh players playing for 78 minutes at a stretch.

Chhattisgarh - In Dantewda district on the occasion of Vijayadashmi Utsav, 495 Bal Swayamsevaks participated in the Path Sanchalan (Route March). 19 out of 22 Mandals of 4 Khand and 18 Bastis of 4 Nagar represented in the Sanchalan. 13 new Shakhas have been started.

Chittod - 1) Physical demonstrations of good quality were performed by 1531 Swyamsevakas at the 8 Vibhag centres of the Prant. 202 Swayamsevaks participated in the Ghosh. A total of 5243 Men and 1353 Women attended to witness the program.

2) 'New Karyakarta Varg' were held at Nagar and Khand level in the month of September for Karyakartas who were newly entrusted with the responsibility of a Gatnayak. 4310 Karyakartas participated in 91 Vargs. Primary information about Sangh work, responsibility of a Gatnayak, and other topics were discussed.

Jodhpur - 1) The Ganpati Sanyutka Vidyarthi Shakha, Shiv Nagar of the Bikaner Mahanagar conducted an initiative to visit the 'Ushtra Anusandhan Kendra' to acquaint Swayamsevaks with the rural lifestyle. The centre provides a complete experience of rural life. 80 Swayamsevaks participated.

2) A route march and a display of Physical exercises of finer quality was held in Bikaner Mahanagar at the Mahanagar level on January 21, 2024. A list of a minimum of 10 Swayamsevaks per Shakha was prepared, and daily practice began. Quality checks were initially done at the Nagar level, and the final test was conducted at the Mahanagar level. 208 selected Swayamsevaks participated.

Delhi - Extensive planning was done to contact the people having a positive attitude in the society associated with all the Gatividhis. A list of active persons and institutions was prepared in each district. Sajjan Shakti Samvad programs were held in

the district by contacting and inviting persons in the list with the help of Jagran Shreni Karyakartas. At the Prant level 'Sajjan Shakti Sangam' was held for each Gatividhi. 6,706 Men, 1,742 Women from 1,412 institutions were present. Karyakartas had a good experience of social outreach. The coordination amongst Karyakartas has increased and the possibilities of playing a collective role in the broader concept of social change have also become stronger.

Jammu Kashmir - 1) A workshop for Karyakartas with responsibility as Karyawah was conducted from 26 - 28 January 2024. Mananiya Sah-Sarkaryawah Shri Mukund ji was present. Out of the 9 sessions held, 5 were interactive and were conducted by the members of the Prant Karyakarini. Shri Mukund ji guided the Karyakartas in his speech, the question answer session and in his concluding remarks. 161 Karyakaratas participated out of the expected 272.

2) A workshop was organised on 4th February 2024 for Swayamsevaks working as Lecturers and Professors in Colleges and Universities. A comprehensive list was drafted of active Swayamsevak Lecturers and Professors from diverse colleges and universities, various organisations, including those working in Jammu Kashmir from other states and like minded professors. At the workshop Swayamsevaks without any Sangh responsibility were encouraged to participate in Sangh training camps and take up responsibilities as per their interests. Those from other states were briefed about the present situation post abrogation of Article 370 and 35A followed by discussion. 141 Professors from 5 Universities and 13 Junior Colleges were present. 17 were first timers.

Meerut - Sharirik Vibhag of Saharanpur Mahanagar organised 'Gan Samta Pratiyogita'. 1 unit of 18 Swayamsevaks were formed in each Nagar. 270 uniformed Swayamsevaks participated in the event and other 640 Swayamsevaks in uniform attended the event to encourage participants. Now each Nagar has 10 -15 Karyakartas who are able to conduct Gan Samata. Baudhik Vibhag organised Gan Geet Spardha. For 2 weeks, participants rehearsed in their respective Shakhas. 310 uniformed Swayamsevaks participated and 540 others attended. Each Shakha now has a minimum of 2-3 Swayamsevak capable of conducting Gan Geet.

Kashi - Prayag Dakshin Bhag organised a camp for Swayamsevaks of 5th to 10th standard on 6th - 7th January 2024 . Students were required to memorise two Subhashits and the chorus before attending the camp. 295 attended. 15 Swayamsevaks could recite up to 8 Subhashits. **Sultanpur Nagar** organised a camp and a route march on 6th - 7th January 2024. Practice sessions for the route march were conducted prior to the camp at Shakha and Nagar level. 294 Swayamsevaks completed their uniform. Route march was organised on the second day of the camp. Many people along with the parents had come out to visit the route march. 5 new Shakhas for students have started. **Saidpur District** - A camp for Swayamsevaks of 5th to 10th standard was conducted after extensively visiting each Mandal by the team Vidyarthi Vibhag and each Shaka was asked to conduct its team

meeting regularly. 179 attended. 1 new Shakha and 1 Milan were started. In **Ghazipur District,** every Basti was contacted for the camp by the Vidyarthi team. 220 attended . 2 new Shakhas and 1 Milan were started. **Jaunpur District** - 229 were present in the camp. 4 new Shakhas were started. 75 and 186 Swayasmevaks attended the camps held in **Kashi Madhya Bhag** and **Kashi Uttar Bhag** respectively.

Madhya Bang - 1) Boudhik Vibhag held Prabodhan Varg & Subhashit Competitions in 5 Districts. In 7 districts drawings made by Swayamsevaks are printed in Shakha Pustika and oratory training for Utsavs is imparted in 6 districts. Prarthana recitation practice is done in 8 Nagars while 32 Shakhas and 13 Milans organised Manchitra Parichay Vargs. In the Prant level workshop of Prarthana 27 Karyakartas participated while 67 participated in workshops of 4 other categories.

2) A 6 day Ghosh Camp was organised from 26 to 31 December, 2023 at Durgapur of Asansol district. A list of Swayamsevaks was prepared and practice was carried out for 2 months. 123 Karyakartas participated in camp. Mananiya Sarkaryawah Ji was present.

Telangana - "Swar Jhari" Ghosh Program

Jagran Shreni Karya

Sewa Vibhag

• Survey of the projects is completed every 5 years. Similar to 2019, this year too, the task was completed through a mobile app. Total 16,303 Karyakartas downloaded the app. The total Sewa Projects (run on daily or weekly basis) and activities (conducted twice or thrice a year) including those run by like minded organisations throughout the country is 1,22,890

• The number of people who received service is phenomenal. While in the field of education, self - reliance, and social service more than 21,45,000 individuals have regularly received Sewa and have enhanced their lives, beneficiaries in the health sector have been more than 87,16,000 and those who received food is around 27,35,000

• Regular Sewa Projects : Rural - 19,208, Urban - 14,268. In tribal areas -19,034.

• Total number of Sewa Projects - By Like minded organisations - 21,681 + Sewa Bharati 30,829 = 52,510

• Sector wise Sewa Projects - Education - 25, 819, Health - 12,012, Self - reliance - 8,053, Social - 6,626.

• The number of Sewa activities carried out throughout this year is 70,380.

• 22,109 Cleanliness Drives, 9,306 Health Camps, In 2,003 Blood Donation camps 1,26,927 units of blood was donated.

• Shakha Sewa Karyakarta has been appointed in 11,659 Urban Shakhas. 11,990 Shakhas have undertaken all - round development in Bastis.

• The concept of regular Sewa by the Shakha in nearby areas was stressed upon this year as well and training for Karyakartas was arranged at many places.

• This year Rashtriya Sewa Sangam was held in Jaipur. Pujaniya Sarsanghchalak Ji and Mananiya Sarkaryawah ji graced the occasion. 2,628 representatives from 698 institutions participated. Women participants were 497.

• Launched in 2017, the app and website 'Sewa Gatha' is now available in 9 languages : Hindi, Marathi, Kannada, Malayalam, Telugu, Gujarati, Odia, Bengali and English. More than 100 stories related to Sewa have been published so far.

Dakshin Tamil Nadu - 1) Relief work was carried out by Swayamsevaks through Sewa Bharati in areas affected by flood on 17 December 2023. Evacuation of people to safe places, setting up of distribution centres for water, food packets, ration and daily necessities, providing of livelihood equipment to street vendors, organising medical camps etc. were carried out.

3,45,000 food packets were distributed through 42 distribution centres. Ration and daily necessities were provided to 90,000 families. 3775 volunteers were involved in the relief work.

2) On the occasion of Vivekananda Jayanti on 12 January 2024 "Clean Thoothukudi" cleanliness drive was carried out. 1300 participated.

Karnataka Dakshin - 1) In Mangaluru Mahanagar during the past 3 years Udyogi Shakha and Milans have adopted 25 out of the 27 Sewa Bastis. Survey of all Sewa Bastis was conducted at the beginning of the year. Sewa Karyakartas from Udyogi Shakha were assigned to Sewa Bastis and training was conducted. 15 Balagokulam Kendras, Bhajan programmes, Tutions during exams and distribution of writing material was done. Bharata Rashtra Nirman Vidya Nidhi for 100+ children was arranged. Health checkup camps were arranged. Monthly Sewa Basti visits by Shakhas once in a month is done regularly and Sangh Utsavs - Raksha Bandhan, Sankranti and Bharata Mata Poojan as well as Ramotsava are celebrated. SahaMilan - SahaBhojan is done once a year. As a result, the number of school going children from Sewa Bastis has increased, and they score well in exams. Cleanliness has increased and bad habits are on the decline. Conversions have also reduced. An environment of social harmony has developed.

2) As part of Swastya Sewa Yatra in Sewa Bastis in Shivamogga Nagar, health check up camps were conducted in 50 Sewa Bastis. Approximately 500+ medical students and 100 professional doctors participated and around 6000+ persons underwent health check ups. Secondary medical treatment, counselling, and medicines were arranged free of cost. Interested medical students were invited and enrolled through online registration.

Health check up started with Bharat Mata Pooja and all doctors and Karyakartas were served breakfast and lunch prepared by people of the Sewa Bastis itself. Prior to the camp 6,000 houses were contacted by Shakha Sewa Karyakartas. Large number of Malnutrition cases and patients with BP and Sugar were identified during the Camps. With the help of the NMO team it is decided to conduct health check up camps on a regular basis in these Sewa Bastis.

Malwa - Prior to Pran Pratishtha of Ram Lalla in Ayodhya, Indore and Ujjain Mahanagar resolved to start a Sewa Karya in every Sewa Basti. The plan was named 'Meri Basti - Meri Ayodhya'. A Sewa Basti Prakalpa Sanchalan Team was formed in every Basti. As of July 2023, Sewa Karya was done in only 234 out of the selected 353 Bastis of Indore. With the sustained efforts of Karyakartas, all the 353 Bastis were covered in the month of December itself. Total projects are 536 which comprise of 353 Daily and 177 weekly projects. Ujjain Mahanagar also fulfilled its pledge of starting a Sewa project in all 124 Sewa Bastis before 22 January. The project number is 190.

Shri Ramotsav was celebrated by Sewa Bharati in Indore on 22 January. There were group performances of music, dance, Yoga, Dand and other exercises by 650 boys and girls from the Sewa Bastis. More than 8000 people including Prakalpa Sanchalan team members, donors, well-wishers etc. participated in the event. Blessings of Pujya Didi Maa Sadhvi Rhitambhara Ji were received. The Chief Guest was Shri Pawan Ji Singhania, Executive Vice Chairman, Moera Group.

Sampark Vibhag

- A total of 1,68,987 persons have been enlisted across the nation in 'Sampark Lists' ranging from district level to the National

level under 10 Shrenis (categories). 95,315 persons from the list have been contacted in person. 12,068 Karyakartas are active in Sampark Vibhag.

• 379 Sangh Parichay Vargs were conducted at 318 places and persons from the lists were invited. 8990 attended. Some category wise Vargs for Sangh Parichay were also held.

• Resolutions passed at the ABPS 2023 were handed over to 45,151 dignitaries in person while an email was sent to 12,680 dignitaries.

• A discussion on the Vijayadashami speech was conducted at 68 centres. 2980 men and 334 women from various walks of life were present.

• A one to one meeting of Pujaniya Sarsanghchalak ji and Mananiya Sarkaryawah ji with prominent personalities was arranged through Sampark Vibhag.

• Sampark Vibhag played an active role in moulding a positive stance of the society on social issues. Prominent persons from the Sampark list were instrumental in guiding the society on topics such as News Click Foreign Funds, Hate speech against the Sanatanis, Same Sex Marriage, Uniform Civil Code and other important issues.

• A discussion on topics of National interests either in meetings or in person with Retired Chief Justice, Army personnel, governments officers, and those previously engaged in foreign services was met with a positive response.

• Meetings to formulate the annual plan were held. Members of the Zonal and All India level team met at Chennai in July 2023, while those of the Prant team met at Bengaluru in September 2023.

• A meeting of Karyakartas from 22 Mahanagars was held in Bhagyanagar on 25th February 2024. Plans to strengthen Vibhag centres were chalked out.

• Programs to encourage participation of women, personalities from the Sikh community and those from the scheduled castes and scheduled tribes were organised. A positive response was seen in meetings organised at Ranchi, Chandigadh and other places. Participants in these meetings are increasing by the year.

• This year efforts were made to hold conferences at the Vibhag level. Conference at Junagadh was largely attended.

• Leaders from various sects and from various political parties were contacted.

• Sampark Vibhag played an active role in inviting and making arrangements for prominent personalities at the Shri Ram Lala Prana Pratishtha program organised by the Shriram Janmabhumi Tirtha Kshetra Trust on 22nd January 2024 in Ayodhya.

• Heads of institutions, Vice Chancellors, and other prominent personalities were contacted and meetings at Benguluru, Agartala, Sambalpur, Motihari, Lucknow, Bhagyanagar were successful.

• In Pune on 18th September 2023 Maratha Chamber of Commerce and Industries arranged a lecture of Pujaniya Sarsanghchalak ji on Philosophy of India's Economic Policies'. More than 300 industrialists participated.

• A meeting with sports personnel was arranged in Kolkata and other places.

Prachar Vibhag

• Pujaniya Sarsanghachalak ji's Pravas : The two - day program included informal interactions with producers and directors of Marathi and Hindi cinema in Mumbai.

• Mananiya Sarkaryavah ji's Pravas - Interaction with Editors - Informal interaction programmes with Editors and Heads of State of print media were held at Kochi, Karnavati, Delhi, Patna and Bhubaneswar.

• Zone wise workshop : 11 two - day training and capacity enhancement workshops for Karyakartas of Prachar Vibhag were organised . 838 Participated.

• Social Media All India Meet - Pranta level team members engaged in Social Media was held in Bengaluru on 16th - 17th December, 2023. 107 participated.

• Literary Festivals - Literary Festivals were held at Warangal, Mangaluru, Dhar, Sikar, Kashi and Guwahati.

• Writing workshop with the theme 'Literary world - Bharatiya Vision' was held by Prachar Vibhag of Madhya Kshetra at Ujjain from 30 September to 2 October 2023. Columnists, editors, panellists, bloggers, writers, litterateurs, Book writers, novel writers, Youtubers, were invited. 80 attended.

• Drives for sale of Sangh Literature are conducted in Prants. This year Braj, Haryana, Saurashtra, Jaipur and Delhi provinces alone have sold more than 1.25 Lakh books.

• Book stalls at various public functions and Book Fares are also organised separately.

• In Andhra Pradesh and Telengana the sale of special edition of Ram Lala Pranapratishtha by 'Jagruti', a weekly in Telugu crossed the 4.5 lakh mark.

Karnataka Dakshin - Shakha Sewa Karya

Impact Making Gatividhis

Dharma-Jagaran Samanvay

• A five-day Abhyas-Varg from 24 to 28 May 2023 was conducted for all Pracharaks working in Dharma Jagaran Samanvay activities. 160 Participated. Mananiya Bhayaji Joshi and Sah-Karyawaha Mananiya Arun Kumar Ji were present.

• Akhil Bhartiya Baithak of Prant Sanyojaks was held in July 2023 at Sonana in Jodhpur Prant. Total 147 Karyakartas from 43 Prants attended. Mananiya Sarkaryawaha Dattaji and Mananiya Bhaiyaji guided them.

• 477 Yatras were taken out this year. 2 lakhs people of 2000 villages were contacted through this. Pujaniya Sarsanghchalak Ji was present at the Jan Jagran Yatra in Paschim Maharashtra Prant and took darshan of the deity of Khandoba.

• Two-day Abhyas-Vargs were held in 42 Prants.

• 1,57,205 Hindus from 4992 villages attended 399 Hindu Sammelans organised in Andhra Pradesh. 720 Saints and other distinguished personalities of the society took part.

• Two-day long Abhyas-Varg of Women Karyakartas was conducted in the Vidarbha Prant. 342 active women from 27 districts participated.

Malwa - The ancestors of the residents of Jamner village in Khategaon tehsil of Dewas district migrated here some 40 years ago from Amba village in Ratlam district. About 100 years ago, their ancestors were forced to become Muslims. The study revealed that they are from the nomadic tribe and earned their livelihood by domesticating monkeys and bears and then arranging their shows. This became illegal and they became jobless. Today, they earn their livelihood by selling chairs, blankets etc. Even though they had converted to Muslim faith, they still worship Kuldevi Maa Chamunda (Khodia Mataji). Rituals like marriage etc. are also performed as per Hindu traditions. Some women apply sindoor and also wear the Mangalsutra. Upon listening to the Katha Kirtan of Sant Shri Ram Swaroop Das Ji, they gradually made up their mind to re-embrace Hinduism. Karyakartas of Dharma Jagran Vibhag have been visiting this village to celebrate Diwali. 194 individuals from 35 families have re-embraced the Hindu fold.

Kashi - The problem of conversion was noticed after a survey of Ambedkar locality by the Shantikunj Shakha of Devprayag Nagar in Prayag Dakshin Bhag. 12 families had converted. Various initiatives, including religious ones, were undertaken. With regular contact, friendship and affection developed and these families decided to re-convert to Hindu fold. Now a temple of Shankarji has also been built in the locality.

Go Sewa

• From July to October 2023 training camps were held throughout the country with the goal of expanding the work of Go Sewa and Karyakarta development. 1135 Karyakartas attended from 43 Prants of 11 Kshetra in 15 Camps. Training sessions on 11 dimensions of Go Sewa were conducted by 22 Karyakartas and 14 scientists. Adhikaries from Sangha were present.

• Training camps at Prant level - 88. Attendees - 2,869.

• Training camps at Vibhag, District and Khand level - 807. Attendees - 14,502.

• A special training camp of Paschim Uttar Pradesh Kshetra was jointly organised by Go Sewa and Gram Vikas Gatividhi from 25 to 28 November 2023 at Mathura. 5 Karyakartas from all districts of Uttarakhand, Meerut and Braj were expected. 382 were present. Participants were divided into 4 groups and training of 2 dimensions was imparted. 13 scientists and experts, and 5 Akhil Bharatiya Adhikaries guided the participants. Pujaniya Sarsanghachalak ji spoke at the concluding function.

• Cow Rearing - In houses - 51,549 Total cows of Indian breed - 98,148.

• Cow based - Farming by bulls - 5681. Gobar Gas plants at home - 13,297.

• Cow based farming - Farmers - 19387 Land in acres - 44986.

• Go Shala - 10,747.

• Cow Products - Karyakartas involved in Production - 3297. In Sales - 1549

• Gomay Ganesh Murti - 90,380 Pujan in houses - 56,610.

• Gomay lamps - 37,92,195. Households who used it - 3,40,920.

• Gopashtami Programs (at Temples, Ashrams, Institutions) 12,390. Participants - 3,27,712.

• Go Navratri - Places - 1305 Attendees - 46,149.

• Go Vigyan Exam - Places - 829 Participants - 38,882.

• Go Katha - Places - 825 Attendees - 1,20,563.

• Go Puja - (at Temples, Ashrams, Go Shalas) - 18,268 Participants - 2,28,256.

Kashi - The Go Sewa Sangam concluded in Chunar district. Total participants including women were 500. Farmers engaged in cow - based farming, and those engaged in manufacture of cow related products were present. After Pujan and Havan persons engaged in this field were felicitated. To create awareness in the society, Go Vigyan exam was held. 2500 participated .

Gram Vikas

• **Chintan Baithak -** The work of Gram Vikas has been going on since the last 3 - 4 decades. To strengthen teamwork at Prant level and to think over the plans for the coming year a meeting was organised on 26 - 27 June 2023 at Nagpur. Mananiya Sarkaryawah alongwith Shri Bhayyaji Joshi and Shri Bhagaiah ji were present. Deliberations were held on the 7 dimensions of Gram Vikas. Our concept of Gram Vikas, participation of women, criteria for defining Kiran, Uday and Prabhat Gram, activities within the dimension, work to be done in towns were some of the topics deliberated upon. Later at the workshop of State coordinators held in August the points discussed at the Chintan Baithak were explained.

• **Towards Villages -** on 7th Dec 2023 at village Harda in Brahmapur district of Malwa Prant, Mananiya Sarkaryawah Ji interacted with the villagers filled with enthusiasm and joy. The villagers presented the local folk dance and Mananiya Sarkaryawah Ji also overviewed an exhibition and the work done by the Gram Samiti, especially that of water

conservation, projects of self reliance, environment protection and other similar projects. 350 villagers of all age groups participated in various programs. The villagers were enlightened with the concept of 'Gram Karya is Ram Karya' put foth by Mananiya Sarkaryawah Ji.

Similarly he visited Shive Village in Paschim Mahatrashtra during Navratri Festival and took part in the celebrations and interacted with the villagers.

- A 5 days Akhil Bhartiya Abhyas Varg of Prant & Vibhag Sanyojaks was held at Sarala Bet, Devagiri Prant. 271 Karyakartas participated. Pujaniya Sarsanghachak ji & Mananiya Sarkaryawaha, Mananiya Bhayyaji & Mananiya Bhagaiyaji guided them.

- **Gram Sankul Self Reliance, Project -** With an aim to achieve self reliance employment to the needy has been provided through low budget society oriented projects in clusters of 10 - 15 villages. This has been going on for a decade. Pickle making, tailoring, mechanical and electrical work training, small scale entrepreneurship, Bamboo farming, making and sales of various articles from it have come up in the clusters.

Karnataka Uttar - Due to various activities such as a gymnasium for youth, one teacher school and other activities carried out by the Gram Samiti of Hanumanhalli village in Koppal district, the village is now moving in the direction of an addiction free village .

Andhra Pradesh - In the state level workshop 108 Karyakartas of 85 villages participated and received training in organic farming, self reliance, health care, Samarasata and other social activities such as Bhajan Mandali, Prabhat Feri etc.

Gujarat - The Gram Samiti of Manali village in Nadiyad Vibhag has 28 self help groups run by women. A nursery, plantation of chandan, Mushroom farming and vegetable farming is done. Solar water pump and drip irrigation has been installed. To avoid the use of poisonous fertilisers 200 Vermi compost beds have been developed. 103 Biogas plants have been installed. Bhajan Mandali has been instrumental in bringing about social change. The Bal Sanskar Kendra has helped in inculcating Sanskars in children and the study centre helps them with studies. A small medicine kit in each house and 2 Ayurvedic centres in the village take care of the health issues. 2000 trees are planted and nurtured every year. The village is free from caste feelings.

Saurashtra - A social transformation is visible in the village of Atal Nagar-Chapearadi in Kutch Vibhag due to various activities carried out by the Gram Samiti. These include tree plantation, Bhajan singing, writing of inspiring quotes on the walls, cleaning of the lake, etc.

Vidarbha - The Gram Panchayat of Krishnapur in Yavatmal district has implemented the decision of not using plastic at home and in public functions.

Malwa - The work of Gram Vikas and Self reliance has been going on for a long time in Adarsh Gram Harda of Burhanpur district. In this tribal dominated village, a pond was constructed fifteen years ago in which all villages contributed, and it continues to be helpful for farming even today. Good efforts are also being made towards self reliance in the village based on cow-based products. 1,50,000 Sitaphal trees have been planted in and around the village, which has become an

excellent means of employment. The village today is away from all addictions and is preserving the traditions. All the residents of the village live together in harmony and share each other's happiness and sorrow alike. All elements of an ideal village can be seen here. The ancient culturally rich traditions were displayed by the villagers through local art forms and traditional festivals, during the visit of Mananiya Sarkaryawah ji.

Jaipur - 417 Karyakartas from 166 villages participated in the training camps arranged at district level. 71 members of 27 families together visited different projects as part of a study tour. 72 Saints participated in a meeting specially arranged for them. Pujya Swamiji of Kadsiddheshwar blessed the participants. A sports festival of rural games was arranged in October. Training for health workers was given in 106 villages.

Jaipur Prant - Prabhat Gram ➡

Kutumba Prabodhan

• Efforts are being made by Kutumba Mitra to realise the dream of 'Vasudhaiva Kutumbakam' through strengthening the bond of love, respect and trust within family members, 5 to 10 neighbouring families, and with the persons, family or organisations that come in contact with the household.

• **Bharat Mata Pujan** - 'Kutumba Mitra' conducted Bharat Mata Pujan programs from January 12 to 26 January by involving their family members and neighbouring families.

• **Age Group wise Programs -** Storytelling to kids, games, recitation of Shlokas and Stotras, prudent use of smartphones is cultivated to develop a Sanskarit family. Results of the concept of 'Mobile Parking Place' at social functions and meetings are encouraging. Efforts are being made to bring about transformative changes in society by interacting with bachelors of marriageable age and through camps for newly married couples and senior couples. Celebrating birth anniversaries of Major Dhyan Chand and national poet Subramanyam Bharati with family members, practising moral values, imbibing virtues and discarding vices, through sports and through discussion are encouraged.

• **Counselling-** Efforts are made to reduce the intensity of stress, pressure and disputes in families by facilitating counselling services by psychologists.

• **Guidance from Sant-Sajjan -** A program to deliberate on the subject 'Family - Major Centre of the Personal Development' was arranged. Pujya Swami Govind Dev Giri Ji, the head of Ramakrishna Math Nikhileshwaranand Ji, Dr Chinmaya Pandya Ji of Gayatri Parivar, Shri Vijay Kaushal Ji of Vrundavan, and Shri Bhaiyaji Joshi, Rashtriya Swayamsevak Sangh guided the participants.

• **Play Games - Keep Family Happy -** A link of 'Sports Digital Bank' was inaugurated at the meeting of Gat-Pramukhs at Sammed Shikhar, Parasnath.

• **Shreshta Santan - Rashtra Kalyan -** 44 Prants implement various programs according to convenience. Topics include International Yoga Day, Tulsi Vivah, Matru-Pitru Vandana, dialogue on "Virtuos Children

- Nation's Welfare" at the meeting of the newly weds, pilgrimage tours to religious places, training for Kutumba Mitra and numerous other activities.

• 1,25,000 Kutumba Mitra are active across Bharat to create a 'Devotion filled - Strong - Joyful family with the help of above mentioned activities.

Uttarakhand - A program of 'Mangal Samvad' was arranged during the visit of Mananiya Sarkaryawah on 23rd Dec. 2023 in Dehradun. 950 members of 375 Swayamsevak families including senior Swayamsevaks and members of Karyakarini upto Nagar level participated. The five points highlighted at the program were protection of families and culture, Samarasata, protection of environment, Swadeshi lifestyle and civic duties. The venue was decorated with eye-catching slogans and rangoli based on the above mentioned points. Paintings of Bharat Mata and Shri Ram were at the centre stage. The venue was also lit with Diyas. Prior to the program Karyakartas visited all the homes of expected participants and presented them with a calendar portraying the 4 Dhams and 5 points. A discussion on the 5 points with all family members was also held.

Awadh - Kutumb Prabodhan Vibhag team organised a 'Kutumb Mitra Abhyas Varg'. The team visited each Nagar and made a list of Kutumb Mitra which included women as well. The listed Kutumb Mitras in each Nagar were then given general information about the Kutumb Prabodhan activities and were also given a list of 9 tasks. The Abhyas Varg was attended by 285 Karyakartas including 101 womens from 32 Nagars out of 44. At present, there are 459 Kutumba Mitras working in 44 Nagars. Weekly or fortnightly Satsangs have started at 52 places.

Kashi - 1) Kutumb Mitra Milan was organised by Kashi Mahanagar on 24 December 2023. It was attended by family members of 800 Kutumb Mitra. The program started with Veda Mantras recited by Vedic scholars. The programme was presided over by Pujya Swami Shri Jitendranand Saraswati Ji. Akhil Bharatiya Samyojak Dr. Ravindra Joshi ji was present. **2)** Matri Shakti Sammelan was organised by Keshav Nagar of Kashi Dakshin on 23/12/2023. 370 women participated. Dr. Ravindra Joshi Ji guided the participants. **3)** Kutumb Mitra Sammelan was held on 30th September 2023 at Kalyani Nagar, Prayag Dakshin. Families of 575 Kutumb Mitra participated . The local president of the ISKCON temple blessed everyone.

Samajik Samarasta

• **Bhagwan Valmiki Shri Ramtirth Jyoti Yatra, Punjab -** Ramlila committees of Uttar Kshetra were invited to light a lamp from the Valmiki Ashram Ramtirth in Amritsar and take it to their respective places and perform the Aarati on the first day of Ramlila and keep the flame burning for the remaining 9 days. 112 committees participated in this program.

• **Kathavachak Sammelan, Malva -** A conference was organised at Nimach for those engaged in giving religious discourses. A resolve was made to work in the direction that all in the village should be able to use the same Mandir, Cremation ground and that all should be able to dine together, and assistance should be given to conduct all religious events in families of those from the Scheduled Castes. 48 Kathavachaks participated. Sadhavi Rhritambhara Devi was

specially present on the occasion and blessed everyone.

• **Samarasta Sammelan, Andhra Pradesh -** Samarasta Sammelan was organised at 5 places. People from all castes, Saints, Priests, those giving religious discourses and officials of the government and other dignitaries took part.

• **Gujarat State Level Conference -** A conference for dignitaries hailing from the scheduled castes was arranged in the presence of Pujaniya Sarsanghachalak ji. A quiz was organised on the life of Pujaniya Dr. Ambedkar. 936 youth participated.

• **Maharashtra State Safai Karmachari Utthan Parishad -** This Conference was held in Mumbai on 30th September. Deliberations were held relating to abolition of manual cleaning of gutters, rehabilitation of those workers, and use of modern machinery. 480 representatives of various organisations and government officials participated. Work amongst cleaners is done at 156 places across the country.

• **Save Reservations Movement -** A mass movement to oppose reservations being given to those scheduled castes persons who have now converted to other faiths was conducted across the country. In Karnataka 3000 outfits organisations participated in the movement. Similarly 600 in Telangana, 172 in Uttar Tamilnadu, 80 in Dakshin Tamilnadu, 124 in Punjab, 57 in Haryana and Gujarat, 49 in Himachal, 48 in Delhi, 25 in Meerut, 18 in J&K, 4 in Uttarakhand and 2 organisations in Kashi also participated. Other than these 4500 organisations have independently given memorandum to the government.

• **Samaras Gram -** 1419 villages have been marked and efforts are being made to bring about social harmony and that all people of the village, irrespective of their caste are allowed in the Mandir, cremation ground and all take water from the same water source. Efforts to sort out other issues of discrimination are also made.

Karnataka Dakshin - "Tudar" means Light in Tulu language. Karyakartas of Samarasata Gatividi in Puttur Jilla have been organising 'Deepavali' from the last two years by the name of Tudar. A Lamp lit from the sanctum sanctorum of the main temple of the town is given to women from each household. With this she then lights the lamp in the Pooja room of her house. Along with her, all family members take part in celebrating this festival. This is also held in Sewa Bastis. Bhajans, Gau Pooja, and Sahabhojan are also held. Elders of the town from all communities prepare food together and partake it together without any discrimination. This programme is called as Tudar programme. This year Tudar programme was conducted at 59 prominent temples in Puttur district. 32 Swamji's of prominent mathas participated. So called Dalit families who had converted to Christianity also participated in Tudar programme with a feeling of belongingness and expressed gratitude. Now, 70% of Dalit colonies are responding positively. At Kajekar Sewa Basti near Uppinangadi, due to 3 years of continuous Tudar programme a 40 year old dilapidated Temple of Sathyasaramani was renovated. This created an atmosphere of unity & harmony among the villagers. The sensitive matter of issuing land ownership deeds was made possible because of this initiative.

Paryavaran Samrakshan

• Organisational Structure

44 out of 45 Prants have a coordinator at Prant level. Total Karyakartas in the Prant team are 578. Vibhag coordinators are 220, district coordinators are 918 and Mahanagar coordinators are 200.

• Workshops and training

1) Social Internship Program - Monthly online training of more than 4000 students from 75 universities has been going on for the last three years. 100 students are actively working as environmental activists.

2) A workshop was held at the Department of Defence in Jodhpur. About 300 Army officers and family members were trained in making eco - bricks, segregating waste, making compost from kitchen waste and making bio - enzymes. Eco - brick workshops were held in 350 schools.

3) Two workshops were held in Chhattisgarh. One workshop with 270 police personnel and another with about 210 district heads of NSS from all over the state. The workshop was graced by Smt. Neeta Bajpai, State Head, NSS.

• National Programs

1) National Student Environment Competition (NSPC - 2023) - A General Knowledge Competition on Environment was held online. 6,60,000 students from 72,000 educational institutions of 103 countries participated.

2) 'One Tree for the Nation' Campaign - At about 575 places tree plantation with higher density was done with the help of community participation. More than 300 high density planting areas have been developed in Rajasthan so far. A total of 35,514 houses have done tree plantation in their premises.

• Special Programs

Karnataka Dakshin - 'Prestige Song of the South' one of the 5 largest apartment complexes in Bengaluru, has a total of 2300 flats. 7000 faucets in all the flats were fitted with aerators, saving 1 lakh litres of water annually. Under Mission Vidyut - Through various small efforts to conserve electricity monthly savings of 1 lakh 97 thousand rupees and annual savings of 23.69 lakhs were made. In this campaign, 1,840 units of electricity per day and 6.71 Lakh units of annual electricity was saved annually by properly deploying 271 tube lights and 1,911 bulbs.

Malwa - The Paryavaran Samrakshan team of Dhar district initiated an effort to clean the water bodies which were existing since the ancient reign of Raja Bhoj. Cooperation from social, religious and educational institutions was sought. A Mega plan was prepared after a meeting. Swayamsevaks along with eminent personalities of the society worked for 3-4 hours on every sunday for 5 consecutive weeks. Hundreds from more than 20 institutions participated in the cleanliness drive. 13 wells and 1 lake were cleaned and 60 trolley waste was removed. On June 5th, World Environment Day, 'One Tree for the Nation' movement was started.

Jodhpur - 1) Paryavaran Jan Chetna Yatra was organised in the Prant. Various programs such as Auran Aarti by 101 ploughs, vehicle rallies, Sarovar Pujan, Paryavaran Kalash Yatra, staging of the play 'Dharti Mata Ki Karun Pukar,' oath of environmental conservation, and other such programs were conducted. The journey concluded with the

convergence of the 'Paryavaran Jan Chetna Rath' from 7 different Vibhags at Khejdali village. During the journey, 974 meetings were held in 2,142 villages. 2,17,820 people participated. 2,579 Paryavaran Praharis were honoured, and 15,80,597 trees were planted. 1,356 schools, 154 Saints and Katha Vachak, and 222 volunteer organisations participated. Total distance of all Yatras together comes to 14,785 kilometres.

2) In Jaisalmer and Phalodi district , 3 Oran Maha Aarti were held under the Oran - Gochhar Bachao Abhiyan (Oran - land considered to belong to the deity and where cattle are taken to graze). The program is to irrigate the border of Oran Bhumi with a stream of milk in the morning, followed by Parikrama by the whole community, Maha - Arati in the evening with ghee brought by the devotees, and finally concluding with Mahaprasad. Each Maha Aarti was attended by a congregation of five to seven thousand people.

In order to spread awareness about the conservation of ancient water sources, 25 programs of Sarovar Pujan were organised by involving the whole society. In every program, water sources were cleaned and worshipped with 101 lamps.

Delhi - In November - December 2023, Paryavaran Sangams were held in 24 of the total 30 districts. Representatives of about 125 voluntary organisations and about 800 environmental activists, with women numbering 350 participated.

Punjab - The workshop 'Jal Samvad' was organised at Punjab Agricultural University, Ludhiana under the joint aegis of Paryavaran Gatividhi and Art of Living Society. Training in water conservation was given by the professors and subject experts of the university. 151 participated.

Kashi - A campaign to clean the ancient Pahadia lake in Varanasi was undertaken by the Swayamsevaks of Pratap Shakha. People from the locality joined in and the Municipal Corporation officials also cooperated. An awareness campaign was carried out among the people of the colonies near the pond. With the continuous efforts of the last 10 years, the pond has now become clean. Every evening, Aarti is performed by the people of the community.

Dakshin Bang - Eco - friendly Ganesh Utsav was celebrated in Maharashtra Mandal, Kolkata from 19 to 29 September 2023. About 300 kg of vermi compost was made and 50 kg of vegetable peels were composted. 6 drums (15 litres each) of bio enzyme were prepared from various flowers and lemon peels. After 2 months, the prepared compost and bio enzymes were distributed among the devotees with the message 'Waste to Best'. As a result of this public awareness, local apartment members have started making bio enzymes from kitchen waste and flowers.

Special Programs of Prant

Kerala - 1) The Vaikom Satyagraha in Kottayam was a struggle to open up the public roads around the Vaikom Mahadeva Temple forbidden to the so called untouchables in Kerala. The agitation started on March 30, 1924 and ended on November 23, 1925 i.e., it lasted for more than 600 days. The Satyagraha was a legendary victory in which caste differences were put aside and the Hindu community as a whole fought against communalism and untouchability. As part of its centenary celebrations, a Purna Ganavesha Sanghik of Swayamsevaks of Kottayam Vibhag was organised on 6 October 2023 at Vaikom. Mananiya Sarkaryawah Shri Dattatreya Hosabale was present along with Mananiya Kshetra Sanghchalak Dr. Vanniyarajan, Mananiya Prant Sanghchalak Shri. K. K. Balaram and Mananiya Vibhag Sanghchalak Shri P. P. Gopi.

One person each in charge for all the 643 places was appointed. They were given a letter by Mananiya Vibhag Sanghachalak stating the importance of the Sanghik. Swayamsevaks were divided into 1865 groups and Pramukhs were appointed. Shakha Baithaks, Upasthithi Din, Mandal Baithaks and Mandal Sanghik, Khand Sanghik were held as part of preparations. 500 Karyakartas were appointed to visit one place for 10 consecutive days.

8453 Ganavesh were completed in 582 places for the Sanghik. 5,722 Swayamsevaks in Purna Ganvesh participated in the Sanghik. 536 places were represented.

All the participants sang the chorus composed specially for the Sanghik which explained the social renaissance and cultural uniqueness of Kerala. In a small town like Vaikom, the Sanghik was held without causing any inconvenience to the public. 100 prominent people from various walks of life from Kottayam district and descendants of the Satyagrahis who had participated in Vaikom Satyagraha were specially invited to witness the Sanghik. Mananiya Sarkaryavahji met with them after the event.

2) Vidyarthi Vibhaag of Thiruvananthapuram rural Jilla conducted Akhanda Bharath day on 23rd August 2023. A campaign to highlight issues affecting the youth such as Drugs was conducted before the program. Street plays, students rally and corner meetings were held at 94 centres including 21 schools in 52 Mandals of the district. 5000 pamphlets were distributed as part of it. 1638 college students participated in the program held at Neyyatinkara, the district centre. All participants took an oath for the prosperity and unity (Akhand) of Bharath and pledge to be a part of all programs that aim to make a drug free society.

A variety of similar programs were also organised in all districts of Kerala on the same day. 17,461 including 3560 girls participated in 131 programs.

Karnataka Uttar - Camps were held for Karyakartas of Mandal level and above. Mananiya Sarkaryawah ji and Akhil Bharatiya Vyavastha Pramukh Shri Mangesh Bhende ji were present. 630 Karyakartas from 235 Mandals attended the Shivir at Garag near

Dharwad while 735 Karyakartas from 309 Mandals were present at the Shivir held at Hagaribommanahalli near Hospet.

Telangana - 1) IT Milan team of Bhagyanagar decided to expand its network to 100 IT Milans and 75 Balagokulams before the arrival of Param Pujaniya Sarsanghchalak Ji scheduled on 17th February 2024. A Pariwar Sammelan of Karyakartas from the IT Milan was organised. Attending a minimum of 5 Milans between November and February was a prerequisite to participate in the program. Similarly, Balagokulam Shikshakas had to conduct Balagokulam five times during the period. 21 new IT Milans were started and 800 new IT professionals have joined the IT Milan Karya. Today 91 IT Milans and 57 Balagokulams are functional. Shri Srinivas Reddy ji – GM and MD of Kofax India, the chief guest at the Pariwar Sammelan addressed the gathering followed by the speech of Param Pujaniya Sarsanghachalak Ji.

2) Ghosh Vibhag of Bhagyanagar Mahanagar had planned for a non-stop 80 minutes of Ghosh demonstration in front of Pujaniya Sarsanghachlak ji. The program named 'Swar Jhari' was held on 15th February 2024. 81 Swayamsevaks were carefully selected on merit basis to perform at the program. Compositions of different instruments were played. Shankha - 17, Shrunga - 15, Venu - 11, and that of Anak - 7 including 2 special compositions. Formations of Trishul and Shiva Ling, Ram Mandir, Tejas Aircraft and many others were made while playing the compositions. Famous cine music director in Telugu film industry Sri M. M. Keeravaani was the chief guest. Reputed elite people in the field of music were also invited. 32 attended. Total audience was 3,540.

Saurashtra - 1) 'Kutch Vibhag Ekatrikaran' was held on 2nd of November 2023. 10,230 Swayamsevaks in full uniform participated. Pujaniya Mahant Trikaldas ji Maharaj of Ravibhan sect, Rapar- Kutch graced the occasion. Sah Sarkaryawah Shri Arun Kumar Ji addressed the program. It was represented by 109 Mandals out of 110, and 111 Bastis out of 120. In 4 months, 1600 Karyakartas travelled across 850 villages and connected with 20,000 people. 15,000 registered and 8000 Swayamsevaks purchased new uniforms. Villages with participation of 100 or more Swayamsevaks was 33 and those with 200 or more was 6.

2) Param Pujaniya Sarsanghachalak ji visited Vande Mataram Memorial situated in Bhujodi village, of Kutch district. History of Indian Freedom struggle and traditional village folk crafts of Kutch ware exhibited at Aashapura Foundation Memorial. He met with Maharani Preetidevi at Ranjit Vilas Palace in Bhuj.

Mahakaushal - 1) Mandal Ekatrikaran was planned for the occasion of Makar Sankranti in each Mandal of the Prant. Conducting meetings at Khand level, appointing of a Karyakarta for a Mandal as a Palak, Abhyas Varg at Khand level, Baithaks of Shakha teams and with all Swayamsevkas on the list, Gatnayak Baithaks were some of the efforts made prior to the Ekatrikaran. In Mandal Ekatrikarans held on 14-15 January, Makar Sankranti Utsav were organised in 1,843 mandals out of 2,838 and in 774 Bastis out of 894. 1,602 Shakhas out of 1,812 were represented. 35,452 Tarun, 12,226 Bal and 4,223 Shishu participated. 3,404 women along with 55,812 Swayamseveks witnessed the events. Shakha or Milan have now started in 217 new Mandals and the Shakhas have increased by 234.

2) Satna Vibhag organised 'Vidyarthi Shatabdi Shibir' for university students from 2nd to 4th February as part to increase Sangha work in university and colleges. As part of preparations, a separate camp of 108 teachers was organised from 2 to 4 January. The Shatabdi camp area was named after Samartha Ramdas Swami. Handwritten information of 40 forts built by Shivaji Maharaj was displayed in each residential area of the premises. 1,144 participated representing all 40 selected places from 26 Khands of the Vibhag. An exhibition on 'Hindawi Swaraj and stages in development of Sangha were displayed. A statue of Bharat Mata and replica of Shri Ram Mandir of Ayodhya were also exhibited. The concluding function of the camp was held in the afternoon of 4th February 2024 with Swayamsevaks in uniform. Participants demonstrated various Shararik items. Mountaineer Shri Ratnesh Pandey as the chief guest and Shri Manish Geyi as special guest were present. 30 new Shakhas and 32 Milans at University level have started.

Chhattisgarh - Raigadh Vibhag commemorated the 2550th Anniversary of attainment of Moksha of Bhagawan Mahaveer Swami by unveiling a calendar on 6th December 2023. An exam was conducted in 123 schools to propagate his thoughts. The central theme was 'The Relevance of Vardhaman today'. 9,873 students participated. In a felicitation ceremony organised on 10th January 2024, 10 toppers were awarded with mementos by Jain Sadhvis in the august presence of dignitaries from the Jain community.

Chittod - On 24th September, 2023 on the occasion of Baba Ramdeo Jayanti 'Sports Festival' was organised. 20,666 Swayasevaks from 1,540 Shakhas and 355 Milans of 183 Nagar/Khandas from 27 districts in the Prant participated. 10,420 school students, 6,174 college students, 3,085 young professionals, businessmen and 1,029 senior Karyakartas took part. Through Sports Mahotsav 5,442 new Swayasevaks were enrolled. 1,311 teams represented in the specially structured Kabaddi Sports in which 11,400 players participated.

Delhi - 1) On 12 February 2024, a grand 'Kalyanak Mahotsav' was held at Vigyan Bhawan in Delhi to commemorate the 2550th Nirvana year of Bhagwan Mahavir Swami. Rashtrasant Paramparacharya Shri Pragyasagar Ji Muniraj, Fourth Pattacharya Shri Sunil Sagar Ji Muniraj, Pravartak Dr. Rajendra Muni Ji Maharaj, Sadhvi Anima Shri Ji and Maha Sadhvi Preeti Ratna Shri Ji graced the occasion. Prior to the program Pujaniya Sarsanghchalak ji discussed in detail, matters of religious importance with all Pujya Sadhus and Sadhavis. National leaders and local office bearers from all four traditions of Jain society (Digambara, Svetambara, Murti Pujak, Vardhaman Sthanakvasi and Terapanth) and influential dignitaries participated. The attendance was 1500.

2) On January 17, 2024, a grand function was held at Dr. Ambedkar International Centre to commemorate the 350th anniversary of the coronation of Chhatrapati Shivaji Maharaj. Organised by the Hindavi Swarajya Sthapana Mahotsav Organizing Committee, the function was graced by senior advocate and noted writer Shri Sai Deepak ji. More than 800 people participated. Mananiya Sarkaryavah Ji addressed the gathering.

3) A 'Samajik Sadbhav' meeting with

members of socio-cultural as well as religious organisations was organised on 20th October 2023. Eminent men and women from 35 organisations were invited. 84 attended.

Haryana - 1) On the pious occasion of Makar Sankranti on 14th January 2024, Param Pujaniya Sarsanghachalak ji visited and sought blessings at Maharshi Valmiki Temple in Gohana, Sonipat. 8 saints from Valmiki community, Dignitaries of 35 organisations and 35 community leaders were present. Param Pujaniya Sarasanghachalak ji held discussion with the audience and while distributing the 'Akshat' received from Ayodhya requested them to hold Shri Ram Lala Pran Pratishthan programs at local level together with the community.

2) A meeting of Ex-Military Servicemen was organised with Pujaniya Sarasanghachalak ji on 13 January 2024. Sessions were arranged at district or Vibhag level for the expected participants giving them a brief introduction about Sangha. 719 personnel who had held various ranks from a Soldier to Subedar participated in such camps. 125 out of the 153 short listed personnel attended the meeting with Pujaniya Sarsanghachalak ji.

Jharkhand - Jharkhand is a tribal dominated state. Many problems within the tribal society like conversion, Naxalism, land grabbing, etc. have become a serious challenge. With a view to finding a solution, a meeting was held in the year 2019. Special district teams were formed in the ORP affected districts which had activists from the Sangh and representatives of organisations working on tribal issues in the districts. A province - level 'Janjatiya Chintan Shivir' was held on 2nd - 3rd December 2023. 1100 activists from Santhal, Munda, Oraon, Kharwar, and other tribes participated. Today, widespread protests have started all over the state on many serious issues like conversions, grabbing of tribal land by Muslims, Naxal violence and other such issues. Tribal activists are standing everywhere against conversions.

Meerut - On 26 November 2023, at Anand Swarup Sabhagar, Sharda Vishwavidyalay, Greater Noida, Param Pujaniya Sarsanghachalak ji delivered a keynote address on the topic of 'Bharat- based on Swa and the perspective of Rashtriya Swayamsevak Sangh' . The lecture was attended by 1400 eminent dignitaries from diverse fields.

Odisha Purva - On 18 February 2024, in the presence of respected Sah Sarkaryavah Shri Ramdutt Chakradhar Ji, a Seminar was held for Professors at Regional Education Institute by Bhubaneswar Mahanagar on the topic 'Contribution of Teachers in Vishwa Guru Bharat'. 479 teachers were invited from 121 colleges. Invitation was extended personally by 98 Karyakartas. 267 professors from 56 colleges attended.

Odisha Paschim - The heads of all castes and communities were invited to 'Samajik Sadbhav Baithak' held at 160 places in 129 blocks and 34 towns of the province. 7,105 men and 808 women attended. The meetings discussed at length about safeguarding our traditions, the Bharatiya concept of family, environmental conservation, building a harmonious society, and civic etiquette. In the run - up to the meetings, training sessions were held for Karyakartas at Vibhag and District level who would be speakers at such meetings. 80 speakers attended. Sadbhav teams have been formed in every district, Khand and Nagar.

Dakshin Bang - During the visit of Mananiya Sarkaryawah ji, a program for young Swayamsevaks was organised at the Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata on the auspicious occasion of 162nd birth anniversary of Swami Vivekananda on 12th January 2024. Swayamsevaks aged between 18 to 35 with Sangh responsibility were contacted personally by their Abhibhavak Karyakartas. During the program Swayamsevaks displayed Vyaym Yog and Sanghik Geet, followed by the address of Mananiya Sarkaryawah ji. 636 Swayamsevaks along with 98 Abhibhavaks participated.

Uttar Assam - 1) On 28 and 29 December 2024, the 'North East Manikanchan 2023 Sant Sammelan' was held at Uttar Kamalabari Session Hall in Majuli. It was attended by religious leaders from several communities including Donipolo Yelam, Ini Mechelu Jinu Development Society, Garo, Bado and Lakhim Sangha of Karbi Samaj. Dharmaguru of Lakhim Sangh of Karbi Samaj, Mitching Satradhikar of Ek Sharan Bhagwati Samaj, Nepali Samaj, Hare Krishna, Krishnaguru Sevashram, Shir Sanatan Dharmaguru , Ram Sanatan Dharmaguru, Chaim Hima Khyrim, Saints of Poh Samaj and others. Raja Ramsingh Devaraja of Nellie and Raja Suren Konwar of Shahari were among the 114 saints who came from various states of the North East. Pujaniya Sarsanghchalak ji interacted with everyone. He then visited the Sri Sri Dakshinpat Satra and the historic Auniati Satra in Majuli. The Luit - Shovanshiri program was held at Mini Stadium of Gadhmur, Majuli. More than 5000 citizens, 300 distinguished persons and 500 Swayamsevaks from different parts of Majuli district attended.

2) On 1 - 3 September 2023 at Guwahati, in the presence of Pujaniya Sarsanghchalak ji, a camp with all Mananiya Sanghachalaks of Uttar Assam and Dakshin Assam Prant was held. 86 from Uttar Assam and 9 from Dakshin Assam attended. Pujaniya Sarsanghchalak ji guided all the participants.

Arunachal Pradesh - 1) Itanagar Capital complex Nagar Ekatrikaran was organised on 2nd February 2024 during the 2 days visit of Ma. Sarkaryavah Ji at Lekhi, Naharlagun. Total 138 Swayamsevaks in full uniform were present. Yogasana, Vyayam Yoga and Geet were demonstrated.

2) The annual Yuva Shivir titled 'Youth Conclave 2 was organised in Pasighat from 27- 29 October 2023. The theme of the Shivir was 'One Arunachal - One Future'. 134 young students covering 16 colleges of 8 Jilla participated.

Karnataka Dakshin - Ananth Shaka of Bengaluru Dakshin has a list of 215 Swayamsevaks. Abhyasika or Study assistance centres known as 'Kalika Kendra', blood donation camps, donation of bicycles to children of Sewa Basti, cleanliness drives, tree plantation are some of the programs done by the Swayamsevaks. A unique project of collecting one handful of rice known as 'Musthi Akki Yojane' from households is carried out by Swayamsevaks of Ananth Nagar. 60 families have volunteered. This is donated to students attending the 'Kalika Kendra'. Donations were made to ashrams in the form of groceries, clothing, and stationary. 330 inmates of 3 ashrams benefitted. The Shakha provided new clothing to the residents of Ramnagar who were affected by the flood.

Andhra Pradesh - Fishermen dominated Vadanarasapuram village in Anakapalli district has 800 households. 320 Swayamsevaks, and 112 Sangha Shikha Varg trained Swayamsevaks reside in the village. The Shakha took up the initiative to create a plastic - free village and has undertaken initiatives such as arranging garbage bins, cleanliness drive every week along with weekly bhajan singing and Satsangs. The volunteers carry out sanitation drives and medical camps every month to prevent spreading of diseases in the village.

Gujarat - Efforts for water conservation were made in Mehsana district by Maharana Pratap Vyavsayi Shakha in their area. It was noted that water would often overflow from the tanks of residential societies as they were not fitted with a foot-valve. For such 85 houses new valves were purchased and fitted. The problem was solved and the importance of water conservation was also highlighted.

Vidarbha - Various social initiatives have been taken up and implemented by the Veer Bhagat Singh Shakha of Andura village in Akola district. Blood donation camps, mega health camps, environment conservation, guidance for farmers, free tutions for students, separation of plastic and cleanliness drive during Ganpati immersion and Durga Devi immersion, and imparting knowledge about Bharat in boys and girls through 'Punya Bhumi Bharat' competition, training for milk and milk products business and other such activities are undertaken.

Malwa - 1) The Sirolia Shakha of the Maksi Khanda of Shajapur district conducted a social survey of their village. 263 households were covered by 40 workers in 16 groups. Results indicated serious ailments such as heart attack, bypass surgery, etc. at a young age. Women were made aware of the importance of a healthy diet. Locally crushed oil and coarse grains are now part of their diet in 50 families. Teams have also been formed to work on topics such as organic farming, milk and milk products, Creating a village bank, forming a FPO, onion food processing unit, and arranging programs to enlighten the public through saints about de - addiction and Sanskars.

2) The Hanuman Shakha of Khargon Nagar started visiting the adjoining Dabariya Seva

Basti. Visits during festivals, celebrations, and children's birthdays continued. Small Sewa Projects were also started. With the efforts of everyone in the Sewa Basti, a temple was also constructed. Prayer assemblies of missionaries have stopped and so has the conversion.

Mahakaushal - In Katni district of Satna Vibhag, a social survey was carried out by 24 Vyavsayi Shakhas and the problem of malnutrition was identified. In March 2023 at the district centre 182 malnourished and 6 extremely malnourished children were identified. 182 families who could adopt these children were identified and a nutrition kit was provided to the needy. Regular contact was maintained with families of the children till they became healthy. More children were identified in a re-survey conducted in June 2023. By September 2023, out of 254 children 54 were relieved from Malnutrition. In all Khands, a similar survey was conducted in December 2023 and January 2024 wherein 1021 more children were identified. These children have been adopted by 369 families and 652 individuals through Sewa Bharati.

Chittod - The Swayamsevaks of Kachbali village in Amet District of Rajsamand Vibhag, while working consistently with Sangh have also played a role to bring about positive transformation in the society. Contemplating on societal ills, the Swayamsevaks chalked out a plan to eradicate them. Major problem was addiction to alcohol among persons of all ages. Consequently, the life of the society was miserable due to multiple problems. Local Shakha team along with the women of the village made efforts to create awareness amongst the womenfolk, to make their village alcohol free. It stood out as a public movement. This resulted in an alcohol free village. Today, all people come together to clean the village, a religious atmosphere prevails in the households and financial help is extended to the needy. The village is free from any Police complaints. Now Kachbali is a Purna Mandal with 54 Swayamsevaks completing Sangh Shiksha Varg.

Jodhpur - The Shakha Toli of Madhav Tarun Vyavasayi Shakha of Junagadh, Bikaner planned the arrangements for devotees at the Ganesh Temple in Junagadh Fort on the day of Ganesh Chaturthi. Approximately one lakh devotees visit here. Arrangements such as managing queues, creating lines, and allowing fewer people to enter the Garbhagriha at a time were made. Arrangements of a wheelchair were also made for elderly or Divyanga devotees. All devotees were able to have darshan without any hassle.

Meerut - 1) Virat Tarun Vyavsayi Shakha of Vishwakarma Nagar in Saharanpur conducted a social survey within their area. It was observed that a large number of children are deprived of primary education. To improve literacy levels, a coaching centre was started with the help of IIT students. 40 children attend the classes for 3 hours daily.

2) Men and women together gather near the lakes in large numbers to celebrate the 'Chhath Parva'. A successful attempt was made by Arvind Vidyarthi Shakha by putting systems in place to ensure smooth functioning of the event. 60 Swayamsevaks devoted their time for 3 days continuously. They helped in cleaning the area, distributing Prasad and crowd management. The event

celebration was better organised and hassle-free this year.

Braj - 673 Vyavasayi Shakhas were selected for conducting social surveys. A team of 10 was formed at each Shakha wherein men and women from the society were also included. 6,730 Karyakartas were engaged. The survey was completed in phases. Training for Mukhya Shikshak, Karyavah and members of Jagran Toli, training of teams involved in survey and preparation of a questionnaire was done. The survey brought forward various problems. The Shakha teams have made efforts to solve the problem identified in their areas.

In the **Arjun Shakha** area of Paschim Agra an outbreak of T.B. was identified. The Shakha organised a health camp, provided medicines to 120 patients, and also ran an awareness campaign. The **Mahavir Shakha** of Hathras performed the last rites of unclaimed bodies. In the Shakha area of the villages of **Aliganj Khand** in Etah district, food at the marriage ceremony of a bride, irrespective of her caste, is prepared by all women of the village together. In the **Govardhan Khand** of Mathura district, help is provided in the village parikrama which begins at 04:30 am, in Akhanda Ramayan programs and in the 84 Kosi Parikrama villagers offer shelter in their houses to devotees.

Kashi - Prior to Sankranti an awareness campaign on the problem of banned Chinese Manja was carried out in Kanchanpur Basti by Bhagat Singh Shakha of Kardameshwar Nagar, in Dakshin Bhag of Kashi Mahanagar. Children and parents were made aware of the issue. Chinese Manja scattered on the road was collected and burned.

Madhya Bang - 70 families of Radhanagar in Tarkeshwar District were found to be illiterate and economically disadvantaged. It is because of society oriented programmes of Netaji Subhas Vyavsayi Shakha, literacy levels in these families have greatly improved. Many have got jobs due to better education. Other prevailing issues and problems in the families were also resolved. The level of alcoholic addiction in the village has also reduced. At present, 20 farmers have adopted the practice of organic farming.

Mahakaushal - Providing Nutritional Kit to malnourished children

Akhil Bharatiya Baithaks

Prant Pracharak Baithak

Baithak was held in on 13 - 15 July 2023 at Ooty, Dakshin Tamilnadu in JSS Public School. All India office bearers, Kshetra Pracharak - Sah Pracharak, Prant Pracharak - Sah Pracharak were present. Some Pracharaks working in various social fields were also invited.

Samanvay Baithak

The all India Samanvay Baithak was held on 14 - 16 September 2023 at Sir Parshurambhau College, Pune. Karyakartas working in various social fields deliberated on topics related to the present situation of the country and efforts being taken.

Karyakari Mandal Baithak

The Akhil Bhartiya Karyakari Mandal Baithak was held in Shri Kacchi Leva Patel Samaj Sardar Patel Vidya Sankul Bhuj, Gujarat from 5th to 7th November 2023. Present status of Sangh work and programs in the coming year were discussed.

Purva Pracharak Sant Milan

On 12 to 14th December 2023 ' Sant Milan' of Saints who had been Pracharaks of Sangh earlier was arranged at Reshimbag, Nagpur. 60 Saints participited. Pujaniya Sarsanghchalak ji and Mananiya Sarkaryawah ji were present. Topics of Social, Dharmik & National importance were discussed.

National Scene

Having gone through the encouraging report of our activities during the year, now we shall turn to the present national scenario. The year that ended marked a host of encouraging positive developments in our national life, while there were some unpleasant events and situations also.

The year will be remembered for ever as the golden year of Pran pratishtha of Shri Ram Lala in the newly constructed magnificent temple in Ayodhya. The historic event on Monday, Pousha Shukla Dwadashi, Yugabda 5125 (22nd January 2024) has been the realisation of the dreams and resolves of millions and millions of Hindus world over for many centuries. Maryada Purushottam Shri Ram is the civilisational icon of all noble and pious qualities and Sri Ram Mandir is the symbol of national identity. The great task of reconstructing the temple in Ayodhya has demonstrated the surge of nationalist spirit among Bharatiyas everywhere, and rekindled the innate national oneness. The festive scene and the enthusiastic celebrations through Pooja and Bhajans throughout the country, even in remote corners, on the day of Pran Pratishtha is the testimony to this fact.

The Grih Sampark Abhiyan (nationwide house contact campaign) before this event, from 1st to 15th January 2024, on the call of Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra, carried out by Sangh Swayamsevaks and workers of various organisations of the society, has been a resounding success. A total of 193,84,9071 families/ households in 5,78,778 villages and 4727 Nagars (urban units) of all Prants were contacted by 44,98,334 persons. The overwhelming response and welcome by the society to this campaign have only reassured our faith in the people. The Abhiyan has occasioned us to make a vast outreach and expand our Shakha work. We have to make meticulous plans towards this end.

Like the Shri Ram Janma Bhumi Temple in Ayodhya, a few significant events also have added to this nationalist fervour in recent months. The successful landing on the moon by Chandrayaan-3 space project, the memorable G-20 Summit which resonated with "Vasudhaiva Kutumbakam"-the ancient yet immortal message of Bharat, and the inauguration by the Prime Minister of the submarine to visit the under-water city of Dwaraka have, apart from enthusing the entire country, shown the competence of the nation in many spheres.

Our Karyakartas everywhere are receiving enthusiastic response, generous cooperation and, many a time, ready participation by the well meaning people of the society towards all good and constructive activities conducted by Sangh in the social interest. Their number is ever increasing. The experiences in organising Rashtriya Sewa Sangam in Jaipur, in various efforts done for the five-fold social transformation activities, in Sewa projects, in such varied dimensions as Ganga Samagra (Save Ganga, Clean Ganga) or Ghumantu Karya (work among Nomadic tribes) and in the works under Samajik Sadbhav Karya etc. have undoubtedly proved that the society is ready for all positive changes and supports meaningful socially-oriented activities. In view of this, we have geared up the efforts for Sajjan Shakti (Power of the good) mobilisation, which acts as force multiplication for transformation.

The unprecedented success of the Matrishakti conferences organised this year, by our sisters of Mahila Samanvay across the country at district or Vibhag levels, is also a clear indication of the above. Many social, religious and cultural institutions in the country have also organised numerous commendable programs in the interest of society, which have increased the positive energy in the country.

While, on one hand, there is a perceptible awareness and enthusiasm for useful action in the Hindu society, a few problems and crises on the other hand, are also challenging the nation. The disruptive and divisive forces are never happy with any positive development. Their agenda is to create disturbances and reap political and other benefits. The incident at Nooh

in Mevat area where a section of Muslim community violently attacked the VHP yatra and helped spread violence. The social tension prevailed for months and the issue is not settled. Situation in Manipur has created mistrust between the two sections of the society- Meitei and Kuki- causing deep wounds. It is unfortunate that the border state is undergoing a deep, inexplicable pain and the psychological division of society is dangerous.In Mevat and Manipur, Sangh Karyakartas, on the basis of their communication with relevant people, have tried to save the situation, strengthen the society by morale boosting and create an atmosphere of mutual cooperation and coexistence.

The separatist terrorism in Punjab has raised again its ugly head. Under the pretext of Farmers Agitation, especially in Punjab, attempts have been restarted to spread anarchy, just two months before the Lok Sabha elections.

The incident of atrocities on hundreds of mothers and sisters, especially of the Scheduled Caste and Tribe community, in Sandeshkhali in West Bengal, has shaken the conscience of the entire society. It cannot be imagined that such incidents have been going on for years in any part of independent Bharat. But, what is even more abominable is that instead of giving the harshest punishment to the guilty persons, the government there made efforts to save them. All parties should, rising above their political interests, unanimously take such drastic action on the issue of women's safety and honour that no one can even think of committing such a crime in the future.

Although the new Ram Temple is a sign of heralding a new age of social harmony, Dharma and value based life, and a sense of brotherhood, it is extremely painful and despicable that frequently we get the news of the excesses on the persons of Scheduled Caste in some part or the other. While on several such occasions Sangh Swayamsevaks and many Saints and religious leaders immediately try to solve the problem by properly addressing the issue, the dissension created leaves a wound; in some cases vested interests deepen the crisis. The challenge of social harmony and brotherhood is still staring in the face.

The forces that are inimical to anything that is Bharat, Hindutva or Sangh, are ever active in search of newer plans and designs to disrupt or denigrate these three. The frequent rising of the bogie such as "Sanatan Dharma is the cause for all ills of our nation", or the separatist issue of Cutting South, or the play of politics in the sensitive matter of caste census - all these are aimed at disunity of the nation through distorted narratives.

Bharat, Hindutva and Sangh are the manifestations of the national-selfhood. Tarnishing them amounts to damaging this national self; strengthening them means promoting the national self. The reawakening of this national selfhood in every aspect of our national life is the life-mission of the Sangh. That's the unfinished task of our inspiring freedom struggle. The essence of Constitution of Bharat underlines this historic mission to be fulfilled.

In the next month, the Lok Sabha elections will be held. The importance of elections in a democracy can not be overstated. Swayamsevaks not only have to perform the sacred duty of exercising their franchise, but also should ensure 100% polling. They should make plans in their area to achieve this. In the context of elections, the above mentioned challenges, issues related to national interest and the need of the hour should be kept in mind.

We understand well that the aspiration for change can be effectively realised only through the active presence of Sangh and planned efforts for required change. Our target of having Sangh work in all Mandals is yet to be achieved. We have to make a firm resolve and leave no stone unturned to fulfil this in the coming one year. It is important to address both the fronts-one, the organisational expansion and consolidation with quality enhancement, and the other, the socially oriented activities along with Sajjan Shakti mobilisation- for a balanced and holistic development of Sangh work.

The situation is excellent. The Centenary year of Sangh is beckoning us.

Let us advance with confidence; let us work with certitude.

Time is ours; it is waiting for us.

Photo Gallery

रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी 2024, अयोध्या

वर्ल्ड हिन्दू कॉंग्रेस – उद्घाटन समारंभ

15 मार्च, 2024 के पूर्व प्रकाशित ना करें।

Not to be published before 15 March, 2024

शाखा उत्सव – मेरठ प्रान्त

केरल – वायकोम सांघिक

चितौड – शारीरिक प्रदर्शन

समीर क्षीरसागर
प्रधान कार्यालय सचिव
डॉ. हेडगेवार भवन, महाल, नागपुर - 440 032.

दूरभाष : 0712 - 2723003 / 2720150
E-mail : sachivalay@sanghngp.org
www.rss.org

(केवल निःशुल्क वितरण हेतु)

प्रतिवेदन 2023-24
Prativedan 2023-24